শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 299 | गुवाहाटी | सोमवार, 29 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

करीमगंज में कांग्रेस के अनुसूचित जाति मंडल की पहल पर विरोध प्रदर्शन पेज 3
मन की बात - संग्राहलयों की करें सैर और फोटो सोशल मीडिया पर ... पेज 4
आंधी-पानी से प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाई जाए : योगी आदित्यनाथ पेज 5
इनेलो शासन में रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा युवाओं को : अभय चौटाला पेज 8

नई संसद आत्मनिर्भर भारत के उदय की साक्षी : पीएम

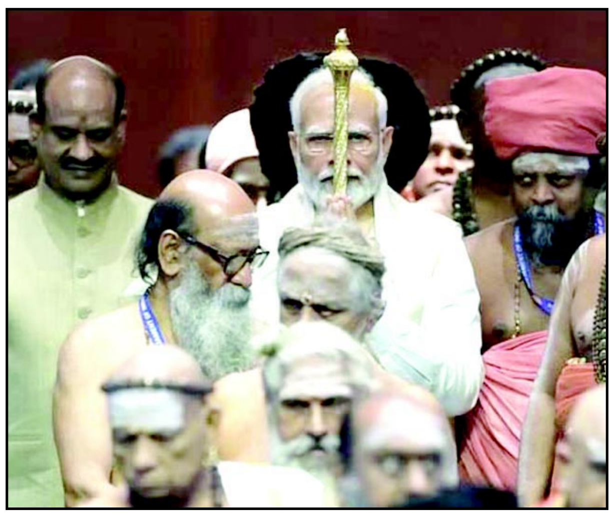
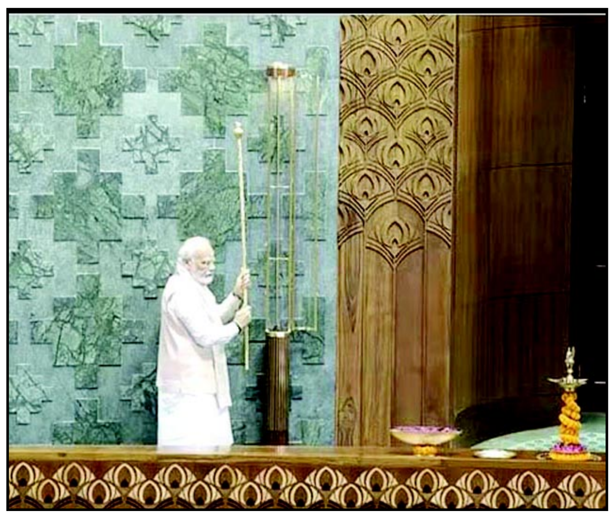

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि नई संसद आत्मनिर्भर भारत के उदय की साक्षी बनेगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक इमारत नहीं है बल्कि 140 करोड़ जनता की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह भारत के दृढ़ संकल्प के बारे में दुनिया को संदेश देती है। हर देश की विकास यात्रा में कुछ पल अमर होते हैं और 28 मई 2023 एक ऐसा ही दिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नव्य-भव्य संसद भवन राष्ट्र को समर्पित किया। इससे पूर्व उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नए संसद भवन में सेंगोल को स्थापित किया। दोपहर में नए भवन के लोकसभा कक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कोलकाता टकसाल में तैयार 75 रुपए का सिक्का और डाक विभाग की ओर से जारी विशेष डाक टिकट जारी किया। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा लोकतंत्र हमारी प्रेरणा और हमारा संविधान हमारा संकल्प है। संसद इस प्रेरणा और संकल्प की श्रेष्ठ प्रतिनिधि है। नई संसद में लिया गया हर निर्णय समाज के सभी वर्गों के भाग्य का फैसला करेगा और यहां बने कानूनों से गरीबी दूर करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भवन नूतन और पुरातन के सह-अस्तित्व का भी आदर्श उदाहरण है। नया संसद भवन हमारे विश्वास को नई बुलंदी देने वाला है। ये विकसित भारत के निर्माण में हम सभी के लिए नई प्रेरणा बनेगा। ये संसद भवन हर भारतीय के कर्तव्य भाव को जागृत करेगा। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा। आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा। विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धि होते हुए देखेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास अमृतकाल खंड के 25 साल हैं। हमें मिलकर इस अवधि में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। विश्व स्तर पर हम पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि एक *विकसित भारत* कई अन्य देशों को प्रेरित करेगा। कई वर्षों के विदेशी शासन ने हमारा गौरव हमसे छीन लिया। आज भारत उस औपनिवेशिक मानसिकता को पीछे छोड़ चुका है। सेंगोल अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक था और हमने उसको उचित सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पंचायत भवन से लेकर संसद भवन तक देश और देशवासियों का विकास हमारा संकल्प और प्रेरणा बना हुआ है। उन्हें संतोष है कि पिछले 9 वर्षों में देश में 4 करोड़ गरीबों के लिए घर और 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण हुआ है। नई संसद में आधुनिक सुविधाओं की बात करते हैं तो उन्हें संतोष होता है कि हमने देश के गांवों को जोड़ने के लिए 4 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया है। नए भवन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पुराने संसद भवन में काम पूरा करना मुश्किल होता था और इस बात से सभी वाकिफ हैं। बैठने की जगह की कमी थी और तकनीकी दिक्कतें भी थीं। इसलिए दो दशक से भी अधिक समय से नए संसद भवन के निर्माण पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने नए भवन को अमृत महोत्सव में भारत के लोगों को उनके लोकतंत्र का उपहार बताया। उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जननी भी है। भारत आज वैश्विक लोकतंत्र का भी बहुत बड़ा आधार है। लोकतंत्र हमारे लिए सिर्फ एक व्यवस्था नहीं, एक संस्कार है, एक विचार है, एक परंपरा है। उधर पूजा-हवन, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सर्वधर्म प्रार्थना के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय इतिहास में रविवार को नया अध्याय जोड़ते हुए नया संसद भवन राष्ट्र को समर्पित किया। देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रंगों की गौरवमयी छटाओं के बीच नई लोकसभा में पवित्र सेंगोल (राजदंड) को स्थापित कर प्रधानमंत्री ने भारत की सांस्कृतिक धरोहर को देश के लोकतंत्र की नीति परायणता का प्रतीक बना दिया। इस विशिष्ट मौके पर मोदी ने उम्मीद जताई कि नई संसद देश में सशक्तीकरण, सपनों को जगाने और उन्हें हकीकत में बदलने का उद्गम स्थल बनेगी। पहले चरण के सांस्कृतिक अनुष्ठान के बाद नए लोकसभा कक्ष में पहला औपचारिक उद्घाटन समारोह हुआ। इसमें प्रधानमंत्री ने करतल ध्वनियों की गूंज के बीच सांसदों और विशिष्ट अतिथियों के साथ राष्ट्र को संबोधित किया। नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए वैदिक अनुष्ठानों का शुभारंभ सुबह साढ़े सात बजे प्रधानमंत्री मोदी के पहुंचने के साथ हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पीएम की अगुआनी की। इसके बाद कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पीएम ने दैवीय आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए *गणपति होमम* किया। मोदी ने इसके बाद सेंगोल के सामने झुककर दंडवत प्रणाम किया और फिर इस पवित्र राजदंड को हाथ में लेकर तमिलनाडु के विभिन्न मठों से आए आदिनम (हिंदू मठों के प्रमुख) से आशीर्वाद मांगा। नादस्वरम की धुनों और वैदिक मंत्रों की गूंज के बीच पीएम मोदी इसके बाद सेंगोल को नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष में लेकर गए और लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के दाहिने ओर इसे एक विशेष खंभे में स्थापित किया। सेंगोल स्थापित करने के बाद नए संसद भवन में सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन हुआ। इसमें अलग-अलग धर्मों से जुड़े धर्मगुरुओं और विद्वानों ने अपनी-अपनी पूजा पद्धतियों के अनुसार देश की संसद और लोकतंत्र के लिए मंगल कामना अनुष्ठान किया। इसमें हिंदू, जैन, सिख, बौद्ध, इस्लाम, -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मणिपुर में उग्रवादियों और सुरक्षा बलों की झड़प में 40 आतंकी ढेर : मुख्यमंत्री

इंफाल। मणिपुर सरकार ने लगातार हिंसा से बाज न आने वाले कुकी उपद्रवियों को उग्रवादी घोषित कर दिया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मणिपुर में आम नागरिकों पर कुकी उग्रवादियों के हमलों की कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को कहा कि दंगे के दौरान घरों में आग लगाने और नागरिकों पर गोलीबारी करने में शामिल लगभग 40 सशस्त्र उग्रवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। रविवार को मणिपुर में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर सशस्त्र समूहों और सुरक्षा बलों के बीच ताजा संघर्ष की पृष्ठभूमि में सिंह की ये टिप्पणी आई है। राज्य सचिवालय में मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे मुख्यमंत्री ने दावा किया कि संघर्ष का ताजा दौर समुदायों के बीच नहीं, बल्कि कुकी उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच है। सिंह ने यह भी कहा कि सशस्त्र आतंकवादियों द्वारा एके-47, एम-16 और स्नाइपर राइफलों से नागरिकों पर गोलीबारी करने के मामले सामने आए हैं। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में इन आतंकियों को निशाना बनाया। सीएम ने जनता से सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री ने जारी किया 75 रुपए का सिक्का

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर 75 रुपए का सिक्का जारी किया। इस दौरान उन्होंने विशेष स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। बता दें कि देश अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। दरअसल, 75 रुपए के इस नए सिक्के का आकार 44 मिलीमीटर वृत्ताकार है। इसका मानक वजन 35 ग्राम है। सिक्के के अग्र भाग पर मध्य में अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष है और इसके नीचे *सत्यमेव जयते* लिखा हुआ है। उसके बाईं ओर देवनागरी लिपि में *भारत* शब्द और दाईं ओर अंग्रेजी में *इंडिया* शब्द लिखा हुआ है। सिंह स्तंभ शीर्ष के नीचे रुपए का प्रतीक चिन्ह और अंतर्राष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य *75* भी लिखा हुआ है। साथ ही संसद परिसर की तस्वीर के नीचे अंतर्राष्ट्रीय अंक में वर्ष *2023* लिखा हुआ है। सिक्के के पृष्ठ भाग में संसद भवन का चित्र है और सिक्के के ऊपरी परिधि पर देवनागरी लिपि में *संसद संकुल* लिखा है। निचली परिधि पर अंग्रेजी में *पार्लियामेंट काम्प्लेक्स* लिखा है। बता दें कि 200 सेररेशन वाला सिक्का 50 फीसद चांदी, 40 फीसद तांबा, 5 फीसद निकेल और 5 फीसदी जिंक से बना है। पुराने संसद भवन का उद्घाटन 18 जनवरी 1927 को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड इरविन ने किया था। नए संसद भवन में लोकसभा में 888 और -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पूर्वोत्तर के लिए पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को आज हरी झंडी दिखाएंगे मोदी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम और पूर्वोत्तर के लोगों के लिए सोमवार (29 मई) का दिन ऐतिहासिक रूप में दर्ज होने जा रहा है। असम की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर गुवाहाटी से रवाना करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री असम के लमडिंग में एक नवनिर्मित डेमू व मेमू शेड का उद्घाटन और 182 किमी के नए विद्युतीकृत सेक्शनों का लोकार्पण भी करेंगे। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्रियों ने राज्यों में चल रहे विकास कार्यों के बारे में प्रधानमंत्री को अवगत कराया। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा भी की। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त उत्तराखंड -शेष पृष्ठ दो पर

नया संसद भवन : पीएम पर विपक्ष हमलावर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए भाजपा और पीएम पर हमला किया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कि संसद जनता की आवाज है। प्रधानमंत्री ससंद के उद्घाटन को राज्याभिषेक समझ रहे हैं। कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने रविवार को एक ट्वीट किया। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि मणिपुर में हिंसा भड़के तीन सप्ताह से अधिक समय बीत गया। हिंसा में 75 लोगों की मौत हो गई। लेकिन माननीय पीएम ने हिंसा के बारे में अब तक एक शब्द नहीं बोला है। इसके अलावा न तो उन्होंने शांति बनाने की अपील की न ही सद्भाव की अपील की है। बस अपने हाथों में सेंगोल ले रखा है। कांग्रेसी नेताओं के अलावा तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने भी रविवार को ट्वीट पर भाजपा और पीएम मोदी पर निशाना साधा है। टीएमसी सांसद ने पीएम मोदी संसद का अपमान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि अगर पीएम मोदी का आई ऑनली लव माई सेल्फ डे (मैं सिर्फ खुद से प्रेम करता हूं वाला दिन) खत्म हो गया हो तो उन्हें याद दिलाएं कि कैसे पीएम मोदी ने पिछले नौ सालों से -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

भाग्य के विपरीत होने पर अच्छा कर्म भी दुःखदायी हो जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मेघालय में 3.6 तीव्रता का भूकंप

शिलांग (हि.स.)। मेघालय के पश्चिम खासी हिल्स जिला में रविवार दोपहर बाद 02 बजकर 58 मिनट 46 सेकंड पर 3.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप का असर असम के भी कुछ हिस्सों में महसूस किया गया। सीस्मोलॉजी विभाग के अनुसार भूकंप का केंद्र मेघालय के पश्चिम खासी हिल्स जिला में जमीन में 10 किमी नीचे बताया गया है। भूकंप का एपी सेंटर 25.66 उत्तरी अक्षांश तथा 91.58 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था।

लोस चुनाव से पहले जनगणना की आशा नहीं

नई दिल्ली। कोरोना के कारण स्थगित की गई जनगणना की प्रक्रिया लोकसभा चुनावों से पहले नहीं शुरू हो सकेगी। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि महामारी के कारण अनिश्चित काल के लिए स्थगित की गई जनगणना अप्रैल-मई 2024 में होने वाले अगले लोकसभा चुनाव से पहले होने की संभावना नहीं है। हालांकि जनगणना की कार्रवाई शुरू होने से पहले ये सामने आया है कि जब यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी तो लोगों से कुछ नए तरह के सवाल भी पूछे जा सकते हैं। बता दें कि जनगणना के हाउस लिस्टिंग स्टेज और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अपडेट करने की कवायद 1 देश भर में अप्रैल से 30 सितंबर, 2020 तक में होने वाली थी, लेकिन उसी दौरान कोरोना महामारी का प्रकोप आ गया। जिसके कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। तब से लेकर अभी तक सरकार ने जनगणना के लिए कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि जब भी जनगणना की प्रक्रिया शुरू होगी तब देशभर में इसमें करीबन 30 लाख सरकारी कर्मियों को लगाया जाएगा। ऐसे में उन सभी 30 लाख सरकारी कर्मचारियों/शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए भी दो से तीन महीने की आवश्यकता होगी। इन कर्मियों को जनगणना के लिए प्रगणक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। वहीं, अगले आम चुनाव भी होना है। -शेष पृष्ठ दो पर

इसरो एनवीएस-01 सैटेलाइट का लांच करेगा आज

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने 29 मई को यहां भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) के जरिए एक नौवहन उपग्रह को प्रक्षेपित किए जाने की 27.5 घंटे की उल्टी गिनती रविवार को शुरू कर दी। अंतरिक्ष एजेंसी ने दूसरी पीढ़ी की नौवहन उपग्रह श्रृंखला के प्रक्षेपण की योजना बनाई है जो नाविक (भारत की स्वदेशी नौवहन प्रणाली) सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करेगी। यह उपग्रह भारत और मुख्य भूमि के आसपास लगभग 1,500 किलोमीटर के क्षेत्र में तात्कालिक स्थिति और समय संबंधी सेवाएं प्रदान करेगा। इसरो के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जिला इकाइयों में अंदरूनी लड़ाई

असम भाजपा अध्यक्ष ने दी कार्रवाई की चेतावनी

गुवाहाटी। असम भाजपा पिछले कुछ दिनों से कई जिला इकाइयों में अंदरूनी कलह का सामना कर रही है। कम से कम चार जिला समितियों में नेताओं के एक वर्ग ने स्थानीय नेताओं के खिलाफ विद्रोह कर दिया है। ग्वालपाड़ा में भाजपा के सात ब्लॉक-स्तरीय नेताओं ने जिला अध्यक्ष ब्रिघू रंजन राभा को हटाने के लिए असम में पार्टी अध्यक्ष भाबेश कलिता से शिकायत की। ऐसी ही स्थिति बंगाईगांव, नलबाड़ी और जोरहाट जिलों में भी सामने आई है। इससे राज्य के शीर्ष पार्टी नेताओं में नाराजगी है। चूंकि लोकसभा चुनाव एक साल के भीतर होने हैं, इसलिए भाजपा की नजर असम की 14 में से कम से कम 12 सीटों पर है। भाजपा के नेता इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि पार्टी को लोकसभा चुनाव के बाद पूर्वोत्तर में सराहनीय स्थिति हासिल करने के लिए असम में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 12 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। पार्टी ने चुनावों के लिए कमर कसनी भी शुरू कर दी है और गुवाहाटी में कुछ तैयारी बैठकें आयोजित की गई हैं। ऐसे में पार्टी के लिए अंदरूनी कलह की खबर चिंता का विषय है। कलिता ने कहा कि भाजपा में हम सभी को पार्टी के अनुशासन का पालन करना होगा। जिले के नेताओं को सीखना चाहिए कि पार्टी नेतृत्व कैसे अच्छे समीकरण बनाए रखता है। हम पार्टी के भीतर अनुशासनहीनता को स्वीकार नहीं कर सकते। यदि आवश्यक हुआ तो एक वर्ग के नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कुछ दिन पहले भाजपा के जोरहाट जिला कार्यालय में एक बंद कमरे में पार्टी की बैठक हुई और कुछ स्थानीय नेताओं ने इस चर्चा को सार्वजनिक किया। इससे राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं में खलबली मच गई है। कलिता ने कहा कि बंद कमरे में हुई बैठक में जिन मामलों पर चर्चा हुई उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। यह हमारी पार्टी की व्यवस्था है। हमने इस घटना में शामिल लोगों को कारण बताओ नोटिस भेजा है। हालांकि इन चार जिलों के अलावा पार्टी की अन्य जिला इकाइयों में भी गतिरोध हो रहा है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि असम में भाजपा के सत्ता में लौटने के बाद पिछले कुछ वर्षों में अन्य दलों से बहुत सारे नेता आए हैं। नए और पुराने वर्गों के बीच संघर्ष कई जगहों पर कलह का मूल कारण है।

एनआईए ने की यासीन मलिक के लिए मृत्युदंड की मांग

नई दिल्ली। हुर्रियत कांफ्रेंस ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक के लिए मृत्युदंड की मांग जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए *बेहद परेशान करने वाली* बात है। एनआईए ने दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख कर अलगाववादी नेता के लिए मृत्युदंड का अनुरोध किया है। मलिक को एक निचली अदालत ने आतंकी वित्तपोषण मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। एजेंसी की याचिका को 29 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। रविवार को ईमेल से भेजे एक बयान में हुर्रियत कांफ्रेंस ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा यासीन मलिक के लिए मौत की सजा की मांग किया जाना जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए बेहद परेशान करने वाली बात है। अलगाववादी संगठन ने आरोप लगाया कि यह लोगों को भड़काने और डराने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। हुर्रियत कांफ्रेंस ने कहा कि दुर्भाग्य से, इस तरह के निर्देश और फरमान प्राधिकारों द्वारा लाए जाते हैं जो अपने एजेंडे के रूप में शांति और विकास का दावा करते हैं। लेकिन, ये लोगों को भड़काने और डराने तथा उनकी चिंताओं को बढ़ाने का जानबूझकर किया गया प्रयास लगता है। हुर्रियत ने केंद्र सरकार से केंद्र शासित प्रदेश के भीतर और बाहर जेलों में बंद जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों युवाओं, छात्रों, पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और व्यापारियों समेत सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करने की अपील की।

बांग्लादेश ले जाए जा रहे सात पशु बरामद

करीमगंज (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने करीमगंज के कांदीग्राम सीमावर्ती इलाके से तस्करी कर बांग्लादेश ले जाई जा रही सात पशुओं को बरामद किया है। इनका अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 5.60 लाख रुपये आंकी गई है। सूत्रों के मुताबिक बीएसएफ की एक विशेष टीम ने शनिवार रात एक अभियान चला कर कई इलाकों में छापेमारी की जा रही है। नदी के सीमा पर कई जगहों पर तलाशी के बाद बीएसएफ ने सीमा के पास कुशियारा नदी के पास से सात भैंसों को बरामद किया। हालांकि, बीएसएफ तस्करी में शामिल किसी को भी गिरफ्तार नहीं कर पाई। बाद में बीएसएफ ने कानूनी कार्रवाई के लिए भैंसों को पुलिस को सौंप दिया। एक अधिकारी ने कहा कि सीमा क्षेत्र में गश्त कड़ी कर दी गई है।

विहिप का सम्मान समारोह आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। विश्व हिंदू परिषद, कुमलिया खंड समिति ने आज मध्य कुमलिया भानु केंद्र स्थित एकलव्य यूथ क्लब परिसर में असम सरकार द्वारा घोषित तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के विभिन्न पदों पर भर्ती हुए कुमलिया क्षेत्र के पांच युवाओं को सम्मानित किया। भारत माता के प्रतिछवि के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित और पुष्पांजलि अर्पण से शुरू सम्मान सभा का संचालन विश्व हिंदू परिषद कुमलिया खंड समिति के सचिव पंकज मिजार ने किया और अध्यक्षता कुमलिया खंड समिति की अध्यक्ष पद्म चौहान ने की। सभा में सामान्य प्रशासन विभाग में विश्वनाथ महकमाधिपति कार्यालय में नियुक्ति प्राप्त मदन छेत्री, वन विभाग में भर्ती जोगेन साहनी, सिंचाई विभाग में भर्ती हुए सुदर्शन नेवार, कमांडो बेटेलियन में नियुक्ति प्राप्त छत्रमान निरोला और लोकनिर्माण विभाग में नियुक्ति प्राप्त हेम प्रकाश तमांग को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। बैठक में विश्व हिंदू परिषद की विश्वनाथ जिला समिति के सचिव इंद्रजीत गुप्ता ने भाग लिया, जिन्होंने भर्ती किए गए प्रत्येक युवा को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बैठक में विश्व हिंदू परिषद विश्वनाथ जिला सहायक सचिव विकास कार्की, विश्वनाथ ग्रामीण शाखा सत्संग प्रमुख टंकनाथ घिमिरे, कुमलिया प्रखंड समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजू गिरी, मातृ शक्ति प्रमुख पवित्रा देवी, खंड समिति के कार्यकर्ता, समाजसेवी केशव ढकाल सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

गैंडे की सींग समेत एक तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया पुलिस ने गैंडे की सींग के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान नलबाड़ी जिला के घोघरापार से गैंडे की सींग समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जहरुल इस्लाम (31, नलसाड़ी) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक 710 ग्राम वजनी गौंडा का सींग, एक कार (एमएल-05एएच-936) के अलावा दो मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

नगरबेड़ा पत्रकार संघ की नई समिति का शपथ ग्रहण समारोह

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेड़ा पत्रकार संघ की नई समिति का गठन 4 मई को एसोसिएशन के अस्थायी कार्यालय परिसर में किया गया था। नई समिति की शपथ लेने के लिए आज एसोसिएशन के कार्यालय परिसर में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। एसोसिएशन के महासचिव अहमद इम्तियाज बुलबुल ने पत्रकार संघ की नई समिति के अध्यक्ष अब्दुल लतीफ सरकार की अध्यक्षता में हुए शपथ ग्रहण समारोह का उद्देश्य बताया। पत्रकार संघ की नई कमेटी के सभी पदाधिकारियों को औपचारिक रूप से पद की शपथ दिलाई गई और सदस्यों को नगरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा कमेटी के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी ने औपचारिक रूप से शपथ दिलाई। इस अवसर पर मौजूद रहे नगरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, कार्यकारी अध्यक्ष मदन पाठक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर अब्दुल हकीम, सेवानिवृत्त प्राचार्य एम अब्दुल मजीद, सेवानिवृत्त अध्यापक श्यामाचरण ठाकुरिया, नूर आलम, सेवानिवृत्त शिक्षक दीपेन मेधी, नागरबेड़ा क्षेत्रीय मौजा समिति के सचिव भावेश तालुकदार, अबुल कलाम आजाद, प्रख्यात व्यवसायी अतवर रहमान, प्रोफेसर अतवर रहमान और नबजीत दास भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कई वक्ताओं ने बड़े क्षेत्र की कई ज्वलंत समस्याओं को उजागर करते हुए उत्साहजनक भाषण भी दिए और समस्याओं को हल करने के लिए एकजुट होकर सभी का समर्थन किया। वक्ताओं ने पत्रकारों से ग्रेटर नगरबेड़ा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सच्ची खबरें पेश करके सरकार का ध्यान आकर्षित करने का भी आग्रह किया। कार्यक्रम में आमंत्रित सभी अतिथियों को एक-एक कर फुलम गमोसा देकर सम्मानित किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

नई संसद आत्मनिर्भर ...

पारसी आदि धर्मों से जुड़े विद्वान शामिल थे। सुबह के पहले चरण के कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी और स्पीकर ओम बिरला के साथ केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, एस जयशंकर, अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के अलावा मप्र के सीएम शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों नई संसद का उद्घाटन नहीं कराने के विरोध में इस समारोह का बहिष्कार किया था।

मणिपुर में उग्रवादियों ...

में बाधा नहीं डालने की अपील की और *उनसे सरकार में विश्वास रखने और सुरक्षा बलों का समर्थन करने* का आग्रह किया। सिंह ने कहा कि हमने इतने लंबे समय तक कठिनाइयों का अनुभव किया है और हम राज्य को कभी भी बिखरने नहीं देंगे। सिंह ने कहा कि नागरिकों को मारने और संपत्ति को नष्ट करने और घरों को आग लगाने में शामिल कई कुकी उग्रवादियों को जाट रेजीमेंट ने पकड़ लिया है। अधिकारियों ने बताया कि ताजा संघर्ष रविवार तड़के तब शुरू हुआ जब सेना ने शांति कायम करने के लिए समुदायों को हथियारबंद करने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि पश्चिम इंफाल के उरीपोक में भाजपा विधायक ख्वाइरकपम रघुमणि सिंह के घर में तोड़फोड़ की गई और उनके दो वाहनों में आग लगा दी गई। उन्होंने कहा कि इंफाल घाटी के आसपास के विभिन्न जिलों में आतंकवादी समूहों और सुरक्षा बलों के साथ-साथ प्रतिद्वंद्वी जातीय आतंकवादी समूहों के बीच कई स्थानों पर सुबह के शुरुआती घंटों में संघर्ष हुआ। अधिकारी ने कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, काकचिंग में सुगनू, चुराचांदपुर में कांगवी, इंफाल पश्चिम में कांगचुप, इंफाल पूर्व में सगोलमंग, बिशेनपुर में नुंगोईपोकपी, इंफाल पश्चिम में खुरखुल और कांगपोकपी में वाईकेपीआई से गोलीबारी की सूचना मिली है। अधिकारी ने कहा कि काकचिंग पुलिस थाने से मैतेई समूह द्वारा हथियार लूटे जाने की भी खबर है। 3 मई को पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद सबसे पहले मणिपुर में 75 से अधिक लोगों की जान लेने वाली जातीय झड़पें हुईं, जो मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) की मांग के विरोध में आयोजित की गई थीं। आरक्षित वन भूमि से कूकी ग्रामीणों को बेदखल करने पर तनाव से पहले हिंसा हुई थी, जिसके कारण कई छोटे-छोटे आंदोलन हुए थे। मैतेई मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हैं और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी नागा और कुकी आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं। पूर्वोत्तर राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए अर्धसैनिक बलों के अलावा भारतीय सेना और असम राइफल्स के लगभग 10,000 कर्मियों को तैनात किया गया है।

प्रधानमंत्री ने जारी...

राज्यसभा में 300 सदस्यों के बैठने की क्षमता है। संसद के पुराने भवन में लोकसभा में 543 और राज्यसभा में 250 सदस्यों के बैठने का प्रावधान था। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित किया। इस मौके पर उन्होंने नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष में ऐतिहासिक *सेंगोल* को स्थापित किया था। इसके अलावा पीएम ने नए संसद भवन के निर्माण और विकास में शामिल वर्करों को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पूर्वोत्तर के लिए पहली ...

सब्यसाची डे ने रविवार को बताया है कि असम में अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस के आने से पूर्वोत्तर, विशेषकर असम के लोग सेमी हाई स्पीड ट्रेन में आरामदायक रेल यात्रा का अनुभव ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन असम के कामरूप (मेट्रो), कामरूप (ग्रामीण), नलबाड़ी, बरपेटा, चिरांग, कोकराझार जिले और उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार, न्यू कोचबिहार और जलपाईगुड़ी जिले से होकर गुजरेगी। इससे न्यू जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी सेक्शन में सबसे तेज ट्रेन से यात्रा के समय में लगभग एक घंटे की कमी आएगी। इससे क्षेत्र के व्यापार, पर्यटन और यात्रा जैसे क्षेत्रों को अत्यधिक लाभ होगा। ट्रेन संख्या 02228 (गुवाहाटी- न्यू जलपाईगुड़ी) वंदे भारत एक्सप्रेस की उद्घाटन यात्रा 29 मई को 12.00 बजे गुवाहाटी से रवाना होकर 18.00 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी। अपने उद्घाटन यात्रा के दौरान, ट्रेन कामाख्या, रंगिया जंक्शन, नलबाड़ी, बिजनी, न्यू बंगाईगांव, कोकराझार, फकीराग्राम जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कोचबिहार और धूपगुड़ी में ठहरेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन सं. 22228/22227 (गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी) वंदे भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा 31 मई से शुरू होगी। ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस न्यू जलपाईगुड़ी से 06.10 बजे प्रस्थान कर गुवाहाटी 11:40 बजे पहुंचेगी। वापसी में, गुवाहाटी से 16.30 बजे प्रस्थान कर न्यू जलपाईगुड़ी 22.00 बजे पहुंचेगी। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान ट्रेन कामाख्या, न्यू बंगाईगांव, कोकराझार, न्यू अलीपुरद्वार और न्यू कोचबिहार स्टेशनों पर रुकेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस 5 घंटे 30 मिनट में 411 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इसके आठ कोचों में 530 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। डे ने बताया कि प्रधानमंत्री 91.03 किमी लंबे न्यू बंगाईगांव-दुधनई-मेंदीपाथर और 91 किमी लंबे गुवाहाटी-चापरमुख नवविद्युतीकृत सेक्शन का लोकार्पण करेंगे। इससे प्रदूषण मुक्त परिवहन, ट्रेनों की उच्च गति, ट्रेनों के परिचालन में कम समय और लागत में कमी आएगी। प्रधानमंत्री नवनिर्मित लमडिंग के एक नए डेमू व मेमू शेड का भी उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की ...

के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल, नगालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा भी बैठक में शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने नए संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित करने के बाद पार्टी मुख्यालय में मुख्यमंत्री परिषद की बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि *अमृत काल* देश को एक नई दिशा देगा और नया संसद भवन देश की दृष्टि और नए भारत के संकल्प का एक चमकदार उदाहरण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण से 60,000 से अधिक मजदूरों को रोजगार मिला और उनकी मेहनत को सम्मान देने के लिए एक डिजिटल गैलरी बनाई गई है।

लोस चुनाव से ...

जिसके लिए चुनाव आयोग जल्दी ही मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण आदि की प्रक्रिया शुरू करेगा। अधिकारियों का कहना है कि अगर 30 जून तक सरकार जनगणना के संदर्भ में कोई अधिसूचना जारी भी करती है तो अक्तूबर से सरकारी कर्मियों को जनगणना की ट्रेंनिग दिलाने के लिए बहुत कम समय है। क्योंकि चुनाव आयोग के मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण में भी उन्ही कर्मियों को लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में प्राथमिकता बदली जा सकती है इसलिए संभावना है कि जनगणना का काम लोकसभा चुनाव के बाद ही किया जाएगा। महापंजीयक और जनगणना आयुक्त के कार्यालय के अनुसार, नागरिकों से पूछे जाने वाले 31 सवाल तय किए जा चुके हैं। इन सवालों में शामिल है कि क्या किसी परिवार के पास टेलीफोन लाइन है, इंटरनेट कनेक्शन है, मोबाइल या स्मार्टफोन है। साइकिल है, स्कूटर है या मोटरसाइकिल है या मोपेड है, क्या उनके पास कार, जीप या वैन है। साथ ही नागरिकों से यह भी पूछा जाएगा कि वे घर में कौन सा अनाज खाते हैं? उनके पीने के पानी और रोशनी का मुख्य स्रोत क्या है? शौचालय तक पहुंच और उसके प्रकार, नहाने की सुविधा की उपलब्धता, रसोई और एलपीजी या पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, खाने पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाला मुख्य ईंधन, रेडियो, ट्रांजिस्टर, टेलीविजन की उपलब्धता, आदि शामिल हैं।

इसरो एनवीएस-01...

सूत्रों ने बताया कि प्रक्षेपण के लिए उल्टी गिनती रविवार को सुबह 7 बजकर 12 मिनट पर शुरू हो गई। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से सोमवार सुबह 10 बजकर 42 मिनट पर 51.7 मीटर लंबा जीएसएलवी अपनी 15वीं उड़ान में 2,232 किलोग्राम वजनी एनवीएस-01 नौवहन उपग्रह को लेकर रवाना होगा। इसरो ने कहा कि प्रक्षेपण के करीब 20 मिनट बाद, रॉकेट लगभग 251 किमी की ऊंचाई पर भू-स्थिर स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में उपग्रह को स्थापित करेगा।

नया संसद भवन : पीएम...

संसद का मजाक उड़ाकर लोकतंत्र के मंदिर का अपमान किया है। टीएमसी सांसद ने ट्वीट में आरोप लगाते हुए कहा कि संसद में पीएम मोदी ने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया है। सरकार ने 10 में से सिर्फ एक बिल की ही संसदीय जांच कराई गई है। पीएम मोदी द्वारा घोषित अध्यादेशों की तुलना पहले से दोगुनी हो गई है। केंद्र सरकार ने संसद के आठ सत्रों को समय से पहले ही स्थगित कर दिया। विधेयकों पर मतदान करने का विपक्षी सांसदों का अधिकार छीन लिया गया है। चार सालों से संसद में कोई उपाध्यक्ष नहीं है। उन्होंने कहा कि वे लोकतंत्र को कमजोर करना बंद करें।

महिला पहलवानों को पुलिस ने छोड़ा

नई दिल्ली। नए संसद भवन की ओर मार्च के दौरान हिरासत में लिए महिला पहलवानों को देर शाम पुलिस ने छोड़ दिया है। दिल्ली पुलिस ने विनेश फोगाट, संगीता फोगाट और साक्षी मलिका को हिरासत से छोड़ दिया गया। वहीं पहलवान बजरंग पुनिया समेत कुल 4 लोग अभी थाने के अंदर डिटेन किए गए हैं। थाने से बाहर निकलने के बाद विनेश फोगाट ने कहा कि पुलिस ने साक्षी मलिक, संगीता फोगाट और मुझे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि अभी एक पहलवान हिरासत में है। फोगाट बहनों ने कालकाजी थाने के उच्च पुलिस अधिकारियों पर आरोप लगाया कि अधिकारियों ने बिना अनुमति लिए अपने निजी मोबाइल फोन में उनकी वीडियो बनाई है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नए संसद भवन की ओर मार्च के दौरान पहलवानों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। उधर दिल्ली जा रहे बीकेयू नेता राकेश टिकैत के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों को दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर सीमा पर रोक दिया था। हालांकि, शाम को किसानों के साथ राकेश टिकैत ने यूपी गेट को खाली कर दिया। टिकैत ने कहा कि वह अलीगढ़ में पंचायत करेंगे। इसके बाद आगे की रूपरेखा तय होगी। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा (डीसीडब्ल्यू) स्वाति मालीवाल ने दिल्ली पुलिस को पत्र लिखकर भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष को गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही रविवार को हिरासत में लिए गए पहलवानों को रिहा करने की मांग की है। इसके अलावा जिन्होंने पहलवानों को हिरासत में लिया है, उनपर कार्रवाई करने की मांग की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर से महिला पहलवानों का समर्थन किया है। केजरीवाल ने महिला पहलवानों के साथ बदसलूकी पर रोष जताया। उन्होंने महिला पहलवानों के साथ पुलिस के बर्ताव को निंदनीय करार दिया है। दिल्ली के सीएम ने ट्वीट करते हुए कहा कि देश का मान बढ़ाने वाले हमारे खिलाड़ियों के साथ ऐसा बर्ताव बेहद गलत एवं निंदनीय है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पहलवानों पर की गई पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की छाती पर लगे मेडल हमारे देश की शान होते हैं। उन मेडलों से, खिलाड़ियों की मेहनत से देश का मान बढ़ता है। भाजपा सरकार का अहंकार इतना बढ़ गया है कि सरकार हमारी महिला खिलाड़ियों की आवाजों को निर्ममता के साथ बूटों तले रौंद रही है। ये एकदम गलत है। पूरा देश सरकार के अहंकार और इस अन्याय को देख रहा है।

तूफान : बिजली सेवाएं रही बाधित

दरंग (हिंस)। जिले के सिपाझार के विभिन्न हिस्सों में शनिवार को आए तूफान के कारण बिजली आपूर्ति रविवार को भी बाधित रही। तूफान के बाद से ही बिजली विभाग और वन विभाग मरम्मत के कार्यों में जुटा है। तूफान के कारण कई घर ढहने से लोगों को पूरी आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर होना पड़ा है। पीड़ित लोग अपने घर की मरम्मत को लेकर परेशान हैं। शनिवार को दिन में आए भीषण तूफान से काफी नुकसान हुआ है।

ड्रग्स समेत दो गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। डिब्रूगढ़ जिला के लाहोवाल पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान ड्रग्स की तस्करी में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर लाहोवाल थाना प्रभारी मनोजज्वल गोगोई के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान लाहोवाल जेम्सन तिनाली से दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों की पहचान विकास दे और रूपम गोगोई उर्फ टूटू के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के पास से 7.8 ग्राम हेरोइन, नगद 15 हजार रुपए के अलावा एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

पंजाब के अलग-अलग इलाकों से 12 आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पंजाब पुलिस ने लाहौर सहित अन्य इलाकों से 12 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से नौ आतंकी तहरीक-ए-तालिबान से जुड़े हुए हैं। पुलिस के अनुसार, आतंकी पूजा स्थल सहित अन्य संवेदनशील प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। पंजाब पुलिस के काउंटर टेररिज्म विभाग ने आतंकियों की गिरफ्तारी के लिए पिछले सप्ताह पंजाब के अलग-अलग 54 इलाकों में कार्रवाई की थी। पंजाब पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के बाद विभाग ने 12 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से नौ आतंकी टीटीपी से जुड़े हैं। दो सिपाह-ए-सहाबा के आतंकी है। जबकि, एक आतंकी इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़ा हुआ है। गिरफ्तारी के बाद आतंकियों के पास से चार किलो विस्फोटक, एक आत्मघाती जैकेट, एक हाथ गोला, आठ डेटोनेटर, बारह फीट सुरक्षा फ्यूज तार, 9.28 फीट का प्राइमा कार्ड, चार पिस्टल, 20 गोलियां सहित कुछ पर्चे बरामद किए हैं। तालिबान के एक आत्मघाती आतंकी ने 30 जनवरी को एक मस्जिद में घुसकर खुद को उड़ा लिया था, जिसमें 101 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि, 200 से अधिक लोग घायल हो गए थे। हथियारों से लैस टीटीपी आतंकियों ने पाकिस्तान के फरवरी में कराची पुलिस प्रमुख के कार्यालय में हमला कर दिया था। हालांकि, हमले में तीन आतंकी भी जवाबी कार्रवाई में मारे गए थे। इसके साथ दो पुलिस जवानों सहित कई लोग मारे गए थे। टीटीपी को अलकायदा का करीबी माना जाता है।

स्वर्वेद भाष्य

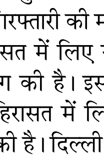

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

जो अबकी सद्गुरु मिलैं, सब दुख राखों रोय।
चरणों ऊपर शीश धरि, कहीं जो कहना होय॥ 01॥

शब्दार्थ : (अबकी) इस बार (चरण) पद (शीश) शिर, मस्तक (जो) यदि।

भाष्य : यदि इस बार सद्गुरु मिलेंगे तो अपने सब दु:खों को रो कर उनके सम्मुख रखूंगा और उनके चरणों के ऊपर शिर धर करके जो कहना होगा, उसे कहूंगा। सद्गुरु चारों युगों में प्रकट होते हैं और आत्मसमर्पित अनन्यशरण भक्तों को दर्शन देकर कल्याण करते हैं। इसलिए इस दोहे में इस बार दर्शन मिलने की चर्चा की गई है, क्योंकि वे नित्य अनादि सद्गुरु अनेक बार पहले मिल चुके हैं।

सद्गुरु मेरा मिलहिंगे, पूछहिंगे कुशलात।
आदि अन्त की सब कहूँ, उर अन्तर की बात॥ 02॥

शब्दार्थ : (सद्गुरु) नित्य अनादि करुणामय सद्गुरु (उर) हृदय, आत्मा (कुशलात) मंगल, आनंद।

भाष्य : मेरे सद्गुरु मिलने पर मेरा कुश पूछेंगे, मैं उनके आदि से अंत तक अंदर की सब बातें कहूंगा। योग-प्रारंभ से लेकर अंतिम-अवस्था तक जो मुझे तत्वज्ञान, आनंद प्राप्त हुआ है, वे सभी बातें सद्गुरुदेव से कहूंगा। साधन-अनुभव-रहस्य की बात सद्गुरु के अतिरिक्त दूसरे को नहीं कहनी चाहिए। गुरुमुखी ब्रह्मविद्या गोपनीय वस्तु है।

महेश नवमी पर निकलेगी विशाल शोभायात्रा

गुवाहाटी (विभास)। माहेश्वरी सभा गुवाहाटी की और से अगामी 29 मई को माहेश्वरी वंश उत्पति दिवस के उपलक्ष में महेश नवमी का आयोजन किया जाएगा। सर्वप्रथम भगवान महेश का विधि पूर्वक पूजन का आयोजन माहेश्वरी भवन में प्रातः 6.15 बजे किया जाएगा। इस वर्ष उत्सव को नया आयाम देने की कोशिश की गई है। गुवाहाटी में लंबे अंतराल के बाद दूसरी बार महेश नवमी के उपलक्ष में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। 29 मई को सुबह 7.30 बजे छत्रीबाड़ी स्थित गोसाला से शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। जो छत्रीबाड़ी, ए टी रोड, फैंसी बाजार, आठगांव होते हुए माहेश्वरी भवन तक पहुंचेगी। शोभायात्रा को आकर्षक बनाने के लिए इसमें बुलेट रैली, बैंड पार्टी, बड़ताल पार्टी, भजन एवं विशेष जीवंत झाकिया के साथ भगवान उमा महेश की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

करीमगंज में कांग्रेस के अनुसूचित जाति मंडल की पहल पर विरोध-प्रदर्शन

करीमगंज (हिंस)। संसद भवन के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति को नहीं बुलाये जाने के विरोध में आज करीमगंज कांग्रेस ने अपना विरोध जताया। रविवार को करीमगंज जिला कांग्रेस कमेटी की अनुसूचित जाति मंडल की पहल पर विरोध कार्यक्रम आयोजित किया। कांग्रेस के आरोप के अनुसार दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति की उपेक्षा की गयी है, जो अस्वीकार्य है। कांग्रेस राष्ट्रपति का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। करीमगंज में डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेबडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रजत चक्रवर्ती, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और उत्तर करीमगंज के विधायक कमलक्ष दे पुरकायस्थ, उत्तर करीमगंज एससी मोर्चा के अध्यक्ष बापन

नमशुद्र सहित सांगठन के एससी और एसटी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति के अधिकारों की रक्षा हो, अध्यक्ष का पद दिया जाए, नहीं तो आंदोलन जारी रहेगा, अनुसूचित जाति के खिलाफ भेदभाव बंद करें, नंबर-1 करीमगंज लोकसभा सीट को अनारक्षित करने का क्या कारण है, उन्होंने हाथों में तख्तियां लेकर तरह-तरह के नारों के साथ विरोध जताया। विधायक कमलाक्ष दे पुरकायस्थ ने कहा कि भारत जैसे देश में राज्य के मुखिया का कोई मूल्य नहीं है। देश के प्रधानमंत्री अपने निजी और पार्टी प्रचार में लगे हैं। कमलाक्ष ने कहा कि संसद भवन के उद्घाटन में देश के प्रमुख व्यक्ति की उपेक्षा की गई है। भारत की 20 विपक्षी पार्टियों ने आपत्ति जताई है लेकिन देश के प्रधानमंत्री ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया है। वह खुद का प्रचार करने के लिए अपने हाथों से संसद भवन का उद्घाटन कर रहे हैं। इसी का नतीजा है कि रविवार को देशभर में यह विरोध प्रदर्शन हो रहा है। 20 विपक्षी दल विरोध के एजेंडे का पालन कर रहे हैं। रविवार को भारत का काला दिवस करार देते हुए कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत की जनता का अपमान हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस तरह के कदम का हम पुरजोर विरोध करते हैं, साथ ही संविधान में मान्यता के बावजूद समय-समय पर एससी, एसटी के लाभों की कटौती की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप हम देश के प्रधानमंत्री की मानसिकता का तिरस्कार करते हैं।

शिशु निकेतन एचएस स्कूल में विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित

गुवाहाटी। नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में इस वर्ष एचएसएलसी 2023 की परीक्षाओं के घोषित परिणामों में डिस्टिंक्शन और स्टार मार्क्स होल्डर्स पाने वाले विद्यार्थियों को स्कूल की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने हिस्सा लिया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रीना भौमिक ने स्वागत भाषण देते हुए विद्यार्थियों को जीवन में अच्छा इंसान बनने और अपने भविष्य के प्रयास में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल ने अपने प्रेरक शब्दों से निवर्तमान बैच को आलोकित करते हुए उन्हें एक बेहतर इंसान बनकर राष्ट्रीय निर्माण में अपना योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया। विद्यालय के सचिव प्रो (डॉ.) प्रदीप कु. जैन ने उन्हें साहसी बनने और निरंतर कड़ी मेहनत के माध्यम से जीवन में सभी बाधाओं का सामना करने के लिए प्रेरित किया। डिस्टिंक्शन और स्टार मार्क होल्डर्स को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल से प्रदेश कांग्रेस सचिव गौरव सोमानी ने तोषनीवाल हत्याकांड की पुन: जांच कराने की मांग

गुवाहाटी (विभास)। प्रदेश कांग्रेस सचिव गौरव सोमानी ने डॉक्टर सरिता तोषनीवाल हत्याकांड की पुन: जांच कराने की मांग की। सोमानी ने अपनी मांगों को लेकर आज राजभवन में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मुलाकात की एवं उन्हें सरिता हत्याकांड की पूरी घटनाओं से अवगत कराया तथा अपनी मांगों को उनके समक्ष रखा। सोमानी ने कहा कि डॉ. सरिता तोषनीवाल हत्याकांड की फिर से जांच के लिए पूरे विषय में राज्यपाल को हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं। ताकि पुलिस जांच में सच्चाई और खामियों का पता लगाया जा सके। तोषनीवाल परिवार को कानूनी सहायता की भी मांग करते हैं। ताकि वे गुवाहाटी उच्च न्यायालय में अपील कर सकें और डिब्रूगढ़ जिला अदालत के फैसले को चुनौती दे सकें। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश की देखरेख में हत्या के मामले की फिर से जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग भी की। डॉ. सरिता तोषनीवाल हत्याकांड में शामिल असम सीआईडी के अधिकारियों की जांच की मांग करते हुए सोमानी ने कहा कि वे कोर्ट में डॉ. दीपमोनी सैकिया के खिलाफ पर्याप्त सबूत क्यों नहीं पेश कर पाए। हम दोषी पाए गए भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं। माननीय राज्यपाल ने धैर्यपूर्वक सुनवाई की और मामले को देखने का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने कहा कि हम देखेंगे कि क्या सरकार डिब्रूगढ़ जिला अदालत के फैसले के खिलाफ और मामले में एक आरोपी डॉ. दीपमोनी सैकिया को बरी किए जाने के खिलाफ उच्च न्यायालय में सु मोटो मामला दायर कर सकती है। राज्यपाल ने यह भी आश्वासन दिया कि वह डॉ. सरिता तोषनीवाल हत्याकांड की जांच में लगे असम सीआईडी के अधिकारियों की विभागीय जांच के लिए मामले को डीजीपी के पास उठाएंगे, क्योंकि सीआईडी डिब्रूगढ़ जिले में मुख्य आरोपी डॉ. दीपमोनी सैकिया के खिलाफ पर्याप्त सबूत क्यों नहीं पेश कर सकी। सोमानी ने कहा कि हम तब तक लड़ते रहेंगे जब तक तोषनीवाल परिवार को न्याय नहीं मिल जाता।

रंगिया : चोरी के ट्रक और सामग्रियां पुलिस ने की बरामद

रंगिया (विभास)। रंगिया के बीचोंबीच डाकघर के पास की एक सड़क से 5 दिन पहले चोरी हुई एक मालभर्ती ट्रक को रंगिया पुलिस ने बरामद करने में एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी के नेतृत्व में रंगिया पुलिस की एक टीम ने शनिवार की रात रंगिया के पास स्थित खंदिकर और धुलाबारी में गुप्त अभियान चलाकर एक घर से सामग्रियां बरामद की। बरामद किए गए सामान की कीमत करीब 20 लाख रुपए आंकी गई है। मालूम हो कि रंगिया डाकघर के सामने की एक सड़क पर खड़ी एएस 25 ईसी 2842 नंबर की किराने की सामग्रियों से भर्ती ट्रक 5 दिन पहले चोरी हुई थी। जिसकी शिकायत ट्रक के मालिक मालचंद शर्मा ने रंगिया थाने में दर्ज करवाई। जिसके अंतर्गत रंगिया पुलिस ने अभियान चलाकर खाली ट्रक को कुछ दिन पहले ही बरामद कर लिया था।

ठगी करने के आरोप में अबिस्मिता चांगमाई गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिलांतर्गत डिगबोई की प्रमुख व्यवसायी अबिस्मिता चांगमाई को पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि आईओसी, ऑयल इंडिया में नौकरी दिलाने और पेट्रोलियम मंत्री के नाम पर से 20-25 परिवारों से लाखों रुपए ठगने के आरोप में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया हैं। नौकरी के नाम पर पैसा देने वाले लोग जब अबिस्मिता चांगमाई के घर पैसा वापस लेने पहुंचे थे तो

अबिस्मिता के परिवार वालों ने बड़ी बदतमीजी की। ठगी के शिकार लोगों ने बाद में घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने अबिस्मिता चांगमाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस संबंध में धारा 406/420/506/ 320(बी) 386/ 506 99/2023 और 111/2023 के अधीन प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने दुमदुमा के नामघरिया निवासी महेंद्र नेउग को भी गिरफ्तार किया है। जो अबिस्मिता को ठगी करने में मदद किया करता था। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार दोनों आरोपितों से सघन पूछताछ कर रही है।

साध्वी वृंद का गुवाहाटी में मंगल प्रवेश, भव्य स्वागत

गुवाहाटी (विभास)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वी श्री स्वर्णरेखाजी एवं उनकी सहयोगिनी साध्गणवीवृन्द स्वस्तिका श्रीजी, सुधांशुप्रभाजी एवं गौतमयशाजी के भव्य नगर प्रवेश पर आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए साध्वी श्री स्वर्णरिखाजी ने कहा- संतों का आगमन आह्लादकारी होता है। जहां संतों के चरण पड़ते हैं, वह धरती धन्य हो जाती है। वैसे तो यह धरती आचार्य महाश्रमण के चरण स्पर्श से धन्य हो चुकी है, फिर भी संतों के पुनरागमन से पुण्य की क्रियाएं संपादित होती रहती हैं। शांतिपुर के शिवशक्ति अपार्टमेंट स्थित सुबोध बिनोद बोरड़ के आवासीय परिसर में सुबह

9.15 बजे से आयोजित स्वागत स, मारोह का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। तत्पश्चात मधुर स्वागत गीतिका का संगान तेरापंथ महिला मंडल की बहनों ने किया। इसी क्रम में तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष मनीष कुमार सिंघी, महिला मंडल की मंत्री सुशीला मालू, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष बजरंगलाल डोसी, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष संतोष पुगलिया, रास्ते की सेवा के सहयोगी रवि बुच्चा ने वक्तव्य एवं तेरापंथ किशोर मंडल एवं बोरड़ परिवार की बहिनों ने गीतिका के माध्यम से साध्वीवृंद का स्वागत अभिनंदन किया। साध्वी के रास्ते की सेवा के संयोजक एवं सभा के कार्यकारिणी सदस्य निलेश पगारिया ने बताया कि इस अवसर पर समणी निर्देशिका विपुलप्रज्ञाजी एवं समणी आदर्शप्रज्ञाजी तथा साध्वी श्री स्वस्तिका श्रीजी एवं सुधांशुप्रभाजी ने वक्तव्य, परिचर्चा एवं गीतिका के माध्यम से अपने भावों की प्रस्तुति दी।

मायुमं, नगांव शिखर शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

संदीप गुजरानी ने फिर ली अध्यक्ष पद की शलथ

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव शिखर शाखा का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को सांय 7 बजे से एक सिबो रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया। इस दौरान एक सभा का आयोजन किया गया जिसका मंच संचालन करते हुए मनीष माहेश्वरी ने शाखा अध्यक्ष संदीप गुजरानी, सचिव अमन दस्सानी, कोषाध्यक्ष अंकित छाजेड़ के साथ विशिष्ट अतिथि मंडलीय उपाध्यक्ष पूनम पांडया, मुख्य अतिथि पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान को मंचासीन करवाया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं अध्यक्ष संदीप गुजरानी द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। सभी अतिथियों के साथ प्रांत के मारवाड़ी भाषा, संस्कृति एवं सांस्कृतिक के वाइस चेयरमैन अरुण नागरका, प्रांतीय

सामाजिक सम्मान एवं आत्म सुरक्षा के संयोजक विवेक तोदी, स्थाई प्रकल्प के संयोजक मनोज पोद्दार, पूर्व मंडलीय उपाध्यक्ष विष्णु कांत डागा सभी का फुलाम गमोछा से अभिनंदन किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष एवं मंडलीय उपाध्यक्ष को विशेष रुप से मंच प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया गया। सभा में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का भी असम की संस्कृति के अनुसार सम्मान किया गया। इस अवसर पर शिखर शाखा के सलाहकार विक्रम करवा रंजीत लोहिया एवं प्रवीण अग्रवाल उपस्थित थे। सभी सलाहकारों का भी विशेष रूप से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। सचिव अमन दस्सानी ने सत्र 2022-23 में किए गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रोजेक्टर के जरिए सभा के समक्ष रखा जिसे सभी के द्वारा सराहा गया। सत्र 2023-24 हेतु पुन: शिखर शाखा ने शाखाध्यक्ष की बागडोर संदीप गुजराती को सौंपी है, नए अध्यक्ष संदीप गुजरानी एवं नव सचिव अभिनव पोद्दार का शपथ पाठ प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान द्वारा करवाया गया, कोषाध्यक्ष अंकित छाजेड़ को मंडलीय उपाध्यक्ष पूनम पांड्या ने शपथ दिलवाई। नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप गुजरानी ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की जिसका शपथ भी मंडलीय उपाध्यक्ष द्वारा करवाया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने अपने भाषण में अपने भावी कार्यक्रम गृहलक्ष्मी के बारे में सदन को अवगत कराया एवं इस प्रकल्प पर अब तक हुए कार्यों की जानकारी सभासदों के समक्ष रखी। पूनम पांडया ने अपने संबोधन में नई कार्यकारिणी को बधाई दी वही प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने शाखा के विगत वर्ष के कार्यों की प्रशंसा करते हुए आगे भी इसी तरह कार्य शाखा करेगी इसकी आशा जाहिर की एवं अपनी थीम *मैं नहीं हम* के विषय में प्रकाश डालते हुए प्रांतीय कार्यक्रमों की जानकारी सभा के समक्ष रखी। सभा में उपस्थित समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा नए अध्यक्ष का फुलाम गोमछा से अभिनंदन किया गया।

करंट लगने से युवक की मौत

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के आलोपति चर थाना अंतर्गत सुखवारझार में आज करंट लगने से एक युवक की मौत से क्षेत्र में कोहराम मच गया है। खबरों के मुताबिक, सुखवारझार गांव के छमेद अली के बेटे स्वहदत अली तीन दिन पहले आए भीषण तूफान से बाधित हो गए थे करेंट सेवा। और युवक बिजली की सतह पर बेहोश हो गया क्योंकि उसने बिजली के तार को अपने दांतों से काटकर इसे इस कटे हुए बिजली सेवा घर के मीटर से फिर से जोड़ने की कोशिश की। बाद में मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और स्थानीय लोगों ने तुरंत युवक को स्थानीय आलोपति लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जागरूकता अभियान शुरू

गुवाहाटी (विभास)। महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए जेसीआई के क्षेत्र 25 के सौजन्य से दिघलीपूखुरी पार्क में मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान प्रयास का आयोजन किया गया गया। जिसमें जेसीआई की घाटी स्थित कई शाखाओं की सदस्यों ने भाग लिया। प्रिया हर्ष की क्षेत्रीय समन्वयक जेसी पूनम मुरारका के मार्गदर्शन में 86 सदस्याओ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। क्षेत्रीय अध्यक्ष सीए विजय अग्रवाल मुख्य अतिथि और क्षेत्रीय निदेशक स्वेता सोमानी के अलावा कार्यक्रम में शुभम अग्रवाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में महिलाओं को शिक्षित करना है। बच्चों और महिलाओं को शिक्षित करने के लिए दूरदराज के इलाकों में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पांच दिनों तक जारी रहेगा।

कोच राजवंशी सेल की फकीराग्राम ब्लॉक समिति का गठन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम महावीद्यालय के कांफ्रेंस हाल में आज बीपीएफ के कोच राजवंशी सेल की एक सभा का आयोजन बीपीएफ के कोच राजवंशी सेल के केंद्रीय अध्यक्ष दीपांकर राजवंशी के अध्यक्षता में आयोजित हुई इस सभा में बीपीएफ के कोच राजवंशी सेल की फकीराग्राम ब्लॉक समिति गठन किया गया। यहां अध्यक्ष जयंतो राय, साधारण सचिव हमेन राय को लेकर 47 कोच राजवंशी सेल की फकीराग्राम ब्लॉक समिति जनिय समिति गठन किया गया। यहां फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ के अध्यक्ष इनामूल हक, कोकराझाड़ जिला बीपीएफ के साधारण सचिव दीप्ति प्रसाद ब्रह्म, बीपीएफ कोच राजवंशी सेल की केंद्रीय समिति के महासचिव दिपोन अधिकारी, बीपीएफ कोच राजवंशी सेल की कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष बीरजू सिंह राय, साधारण सचिव जयंतो राय सहित कई अतिथि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में रंगिया का शानदार प्रदर्शन

रंगिया (विभास)। गोवा में आयोजित 21 वीं राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में रंगिया की प्रतिभा निखर कर आई है। रंगिया कराटे अकादमी की साएस्टा तमन्ना ने काटा में स्वर्ण, कुमिटे में कांस्य, जहान्वी हुसैन शैकिया ने कुमिटे में रजत, मार्शिहा कांजे ने कुमिटे में रजत और काटा में कांस्य और मार्जिया तमन्ना ने कांस्य सहित रंगिया के हेमदोल की आकाश कराटे एकाडमी के सुरंजन कलिता ने कुमिटे में रजत पदक हासिल कर रंगिया का गौरव बढ़ाया है। मिली जानकारी के अनुसार यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता का समापन समारोह 28 मई को किया गया है। जिसमें असम के विभिन्न जिलों के प्रतियोगियों ने विभिन्न शाखाओं में नाम कमाया है। इसके लिए रंगिया में उत्साह का माहौल है।

विश्वनाथ में मारवाड़ी सम्मेलन का रक्तदान शिविर संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारली शाखा द्वारा आज ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन रॉयल एनफील्ड (एसएम) कांप्लेक्स में किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्वनाथ चाराली के पौरध्यक्ष अमर ज्योति बरठाकुर के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में एक सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता विश्वनाथ के समाजसेवी व मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चाराली शाखा के अध्यक्ष छत्तर सिंह पवार ने की। मंच पर मुख्य अतिथि अमर ज्योति बरठाकुर, प्रांतीय उपाध्यक्ष मंडल (ग) छत्तर सिंह गिड़िया, प्रांतीय सदस्य ओम प्रकाश पचार, निवर्तमान प्रांतीय का सदस्य हीरा लाल अग्रवाल, सलाहकार भानु प्रसाद अग्रवाल, सत्यनारायण अग्रवाल, जगत कुमार संचेती, भरत सिंह राठौड़ उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में रक्तदान पर महत्व पर प्रकाश डालते हुई मारवाड़ी सम्मेल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। तत्पश्चात सम्मेल द्वारा सभी अतिथियों का फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। छत्तर सिंह गिड़िया द्वारा

अपने संबोधन में अखिल भारतीय एवं पूर्वोतर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना का उल्लेख करते हुए सम्मेलेन के उद्देश्य व आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए रक्तदान शिवर के आयोजन पर प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि को कृति मंच (मारवाड़ी समाज के अति उल्लेखनीय कुछ लोगो का जीवन परिचय) पुस्तक भेंट की। इसी कार्यक्रम के दोरान सत्र 2023-2025 के नवनिर्वाचित पदाधिकारीगणों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुवा जिसने कार्यकारिणी सदस्यों को सत्यनारायण अग्रवाल, सलाहकार समिति को हीरा लाला अग्रवाल, पदाधिकारी सदस्यों को ओम प्रकाश पचार, अध्यक्ष को छत्तर सिंह गिड़िया ने शपथ ग्रहण करवाया गया। पदाधिकारियों में छत्तर सिंह पवार को अध्यक्ष पद, संदीप कुमार अग्रवाल को सचिव, दिलीप शर्मा को उपाध्यक्ष, तिलोक चंद जैन को कोषाध्यक्ष एवं जय गोयनका को सह सचिव का पदभार दिया गया। सलाहकार समिति में शंकर लाल पारिक, जगदीश अग्रवाल, जगत संचेती व भानु प्रसाद अग्रवाल को शामिल किया गया। अध्यक्ष श्री छत्तर जी पवार ने रक्तदान शिवर तथा शपथ ग्रहण समारोह को सफल बनाने में उपस्थि सभी अतिथि एव सदस्यों को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया। रक्तदान शिवर में दोपहर 2 बजे तक 50 यूनिट संग्रहित हुवा शाम तक 80 यूनिट पहुँचने की संभावना है। साथ ही महिला भी रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग ली। कार्यकर्म का कुशल संयोजन सुनील तिवारी व अशोक व्यास ने किया। इस दौरान चाराली की गणमान्य महिलाओं व शाखा के पदाधिकारीगण के बीच एक बैठक का आयोजन करके महिला शाखा गठन की संभावना पर विचार किया गया।

'मन की बात'- संग्रहालयों की करें सैर और फोटो सोशल मीडिया पर करें शेयर : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से आग्रह किया कि वह देशभर में मौजूद संग्रहालयों का भ्रमण करें और इनके माध्यम से अपनी विरासत से जुड़ें। वे अपनी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा करें ताकि अन्य लोगों को भी इनके बारे में पता चले। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम में मन की बात के 101वें एपिसोड में एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना से प्रेरित युवा संगम, देश के संग्रहालय, जल संरक्षण से जुड़े स्टार्टअप पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में उन्होंने हिरोशिमा (जापान) स्थित संग्रहालय का दौरा किया। उससे उन्हें बहुत प्रेरणा मिली और जानकारी बढ़ी। हमारे देश में अलग-अलग विषयों पर आधारित बड़ी संख्या में संग्रहालय हैं। इनकी एक पहली बार एक सूची तैयार की गई है। देशवासियों से आग्रह करते हैं कि इन संग्रहालयों को देखने जाएं। इसके बाद हैशटेग म्यूजियम मेमोरी के जरिए इन्हें सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे हम अपनी विरासत से जुड़ाव को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीते बर्षों में नए म्यूजियम और मेमोरियल भी बनाए जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 2010 में स्थापित एक ऑनलाइन म्यूजियम इंडियन मेमोरी प्रोजेक्ट का उल्लेख किया है। इसमें दुनियाभर से भेजी गई तस्वीरें और कहानियों के माध्यम से भारत की गौरवशाली इतिहास की कड़ियों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। इसमें विभाजन की विभीषिका से जुड़ी स्मृतियों को भी सामने लाने का प्रयास किया गया है। मन की बात में प्रधानमंत्री ने इस बार शिक्षा मंत्रालय की ओर से की गई एक पहल युवा संगम, उसके उद्देश्य और उसके माध्यम से देशवासियों को आपस में जोड़ने के प्रयास का जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि युवा संगम के प्रथम चरण के तहत 1200 युवाओं को देश के 22 राज्यों का दौरा कराया गया है। इससे युवा जीवन पर्यंत चलने वाली यादें समेट कर वापस लौटें हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने युवा संगम में भाग लेने वाले अरुणाचल प्रदेश के युवा ग्यामार न्योकुम और बिहार की युवती विशाखा सिंह से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने देशभर में जल संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों को भी कार्यक्रम में शामिल किया। इसमें फ्लक्सजेन और लीवएनसेंस के बारे में बताया। यह पानी के उपयोग के तरीकों और वितरण निगरानी से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री ने जलकुंभी से कागज बनाने के काम, छत्तीसगढ़ में बालोद जिले के युवाओं के घर घर जाकर जल संरक्षण के लिए जागरूक करने के अभियान और खूंटी में पानी के संकट से निपटने के लिए बोरी बांध का रास्ता निकालने के जन प्रयासों का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के शिवाजी शामराव डोले का विशेष उल्लेख किया। यह सैनिक किसान बनकर अब इस क्षेत्र में अनुसंधान और विज्ञान को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और अनुसंधान का एक अनूठा उदाहरण है। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को याद किया और कहा कि उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता और विशालता थी। उन्होंने 4 जून को संत कबीर की जयंती पर उन्हें याद किया और कहा कि उन्होंने समाज को बांटने वाली कुप्रथाओं का विरोध किया था। साथ ही उन्होंने तेलुगू फिल्म अभिनेता एवं राजनेता एनटी रामाराव की 100वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सुरंग बनाते समय पुराने भवनों की मॉनिटरिंग के लिए डिजिटल तंत्र का उपयोग करेगी डीएमआरसी

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) फेज- 4 के जनकपुरी पश्चिम -आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर में डेरावल नगर और पुलबंगश के बीच सुरंग बनाने के काम के दौरान इमारतों की स्थिति की मॉनिटरिंग के लिए एक अत्याधुनिक रियल-टाइम वेब-आधारित मॉनिटरिंग मेकेनिज्म शुरू करने के लिए तैयार है। डीएमआरसी के प्रवक्ता अनुज दयाल ने रविवार को बताया कि डेरावल नगर और पुलबंगश के बीच के खंड में तीन भूमिगत मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे - डेरावल नगर, घंटा घर और पुलबंगश। ये इलाके बेहद भीड़भाड़ वाले हैं और यहां अनगिनत इमारतें हैं जो सदियों पुराने हैं और इनमें से कुछ बहुत अच्छी स्थिति में नहीं हैं। इसलिए अगले महीने यहां सुरंग खोदने का काम शुरू होने के बाद डीएमआरसी को इन इमारतों की स्थिति पर लगातार नजर रखनी होगी। डीएमआरसी ने अतीत में इसी तरह के कठिन क्षेत्रों में पुरानी दिल्ली में वॉयलेट और येलो लाइनों के लिए बड़ी सफलतापूर्वक निर्माण कार्य किया है। उन निर्माण चरणों के दौरान भी चौबीसों घंटे मॉनिटरिंग की जाती थी। हालांकि, इस बार, मॉनिटरिंग सिस्टम को केवल एक बटन के क्लिक के साथ रियल-टाइम मॉनिटिरंग के प्रावधान के साथ डिजिटाइज किया गया है। इसमें ऑटोमेटिक टोटल स्टेशन, वाइब्रेशन सेंसर, टिल्ट मीटर, लोड सेल जैसे स्मार्ट गेट गैजेट

को स्वतः स्थापित करना संभव हो सकेगा, जो डेटा एक्विजिशन सिस्टम (डीएएस) को 2477 रियल-टाइम डेटा कैप्चर और ट्रांसमिट करने में सक्षम है। जिसमें सभी स्टेकहोल्डर्स को एसएमएस और ईमेल के माध्यम से वांछित रिर्पोर्ट प्रोसेस होकर प्रेषित होती रहती है।

जैसे ही टनलिंग का काम शुरू होता है, उपरोक्त संरचनाओं के व्यवहार से रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी और डेटा चौबीसों घंटे मोबाइल/ डेस्कटॉप के माध्यम से कस्टमाइज सॉफ़्टवेयर पर उपलब्ध होगा। प्रवक्ता ने आगे बताया कि रियल-टाइम मॉनिटरिंग प्रक्रिया की शुरूआत इस खंड पर आठ अलग-अलग स्थानों से की जाएगी, जहां ऊपर वर्णित उपकरण स्थापित किए जा रहे हैं जो रियल-टाइम डेटा को सॉफ्टवेयर तक पहुंचाएंगे। ये आठ स्थान डेरावल नगर, घंटा घर, नबी करीम, पुलबंगश और सदर बाजार क्षेत्र में फैले हुए हैं। यह वेब-आधारित मेकेनिज्म इस खंड पर सुरक्षित रूप से सुरंग निर्माण कार्य को सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके अलावा, डीएमआरसी एक अन्य पहल के तहत इस बार अपनी सभी टीबीएम को बोर टनलिंग इलेक्ट्रिकल अहेड मॉनिटरिंग (बीईएएम) सिस्टम से लैस कर रही है। यह टीबीएम को मशीन के कटर हेड फेस से 20 मीटर आगे तक भूगर्भीय स्तर की भविष्यवाणी करने के लिए वास्तविक समय की जांच के रूप में काम करने में सक्षम बनाता है। यह अप्रत्याशित रूप से भरे हुए कुओं, गारे और जलकूपों के होने की संभावना व्यक्त कर देता है जिनके उचित व्यवस्था हुए बिना टीबीएम से हिट होने पर जमीन धंस सकती है। डीएमआरसी अपने फेज-4 के विस्तार के भाग के रूप में लगभग 28 कि.मी. नए भूमिगत कॉरिडोरो का निर्माण कर रहा है, जिसके तहत तीन अलग-अलग कॉरिडोरो में 65 कि.मी. नई लाइनें बिछाई जा रही हैं। यह एक बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती होगी क्योंकि भूमिगत कॉरिडोर सदर बाजार, नबी करीम और दक्षिणी रिज के महरौली - बदरपुर रोड के भीड़-भाड़ वाले रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले हैं। अब तक, डीएमआरसी ने जनकपुरी पश्चिम झ्र आर.के. आश्रम मार्ग कॉरिडोर पर जनकपुरी पश्चिम और कृष्णा पार्क एक्सटेंशन के बीच 2.2 कि.मी. भूमिगत सुरंगों (ऊपर और नीचे आवाजाही के लिए) का कार्य पूरा कर लिया है।

संघ से निकटता के चलते गडकरी को 'टार्गेट' कर रहा पीएफआई

- आरोपित जयेश पुजारी उर्फ शाकिर का कबूलनामा
- पूरे मामले को परत दर परत खंगाल रही एनआईए

नागपुर, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से निकटता के चलते प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के निशाने पर आ गए। गडकरी को मिली धमकी के मामले में नागपुर पुलिस के समक्ष गैंगस्टर जयेश पुजारी उर्फ शाकिर ने खुद यह बात कबूली है। केंद्रीय मंत्री गडकरी के नागपुर स्थित कार्यालय में इस साल जनवरी एवं मार्च में दो बार धमकी भरे फोन आए। फोन करने वाले ने गडकरी के कार्यालय में फोन कर फिरौती मांगी और उनको जान से मारने की धमकी दी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने जब इस मामले को खंगाला तो इसके तार कर्नाटक के बेलगाव जेल में बंद गैंगस्टर जयेश पुजारी उर्फ शाकिर से जुड़े पाए गए। नागपुर पुलिस ने शाकिर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो बेहद चौंकाने वाली बात सामने आई। शाकिर ने पुलिस को बताया कि उसका नाम भले ही जयेश पुजारी है, लेकिन उसने धर्म परिवर्तन कर इस्लाम कबूल किया है। अब उसका नाम शाकिर है। शाकिर पीएफआई के संपर्क में था। शाकिर 2014 से कर्नाटक की अलग-अलग जेलों में बंद रहा है। इस दौरान पीएफआई के लोगों ने उसका ब्रेनवॉश किया। नतीजतन शाकिर बदनाम गैंगस्टर से खतरनाक जिहादी बन गया। लगातार ब्रेनवॉश के चलते शाकिर संघ समेत अन्य हिन्दुत्वनिष्ठ संगठनों से नफरत करने लगा। पीएफआई पर प्रतिबंध लगने के बाद शाकिर को लगने लगा कि यदि पीएफआई प्रतिबंधित हो सकती है तो संघ पर भी प्रतिबंध लगना चाहिए। वहीं केंद्रीय मंत्री गडकरी के संघ के बेहद करीबी होने की वजह से शाकिर उनसे बेहद नफरत करने लगा। इसी के चलते उसने बेलगाव कारागार से गडकरी के कार्यालय को फोन कर धमकाया था। शाकिर ने जेल में रहते हुए बम बनाने का प्रशिक्षण लिया। कर्नाटक की जेल में उसे 24 घंटे मोबाइल और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध थी। शाकिर को जेल में सारी सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए अज्ञात लोगों ने एक वर्ष में 18 लाख रुपये खर्च किए। जयेश पुजारी जब बेंगलुरु जेल में था तब 2014 में वह पीएफआई के नेशनल एग्जिक्यूटिव कौंसिल सचिव मुहम्मद अफसर पाशा के संपर्क में आया। मुहम्मद पाशा के इशारे पर जयेश उर्फ शाकिर ने गडकरी को धमकाया था। खास बात यह है कि मुहम्मद पाशा 2003 में बांग्लादेश के ढाका में हुए विस्फोट में संलिप्त था। पाशा प्रतिबंधित एलटीटीई के भी संपर्क में था। शाकिर 2014 से 2018 के दौरान पीएफआई के टी. नासिर उर्फ कैप्टन और फारूख के संपर्क में था। इन्हीं दोनों ने जयेश को बम बनाने की ट्रेनिंग दी थी। बतौर शाकिर मुहम्मद पाशा के मोबाइल में एक खास तरह का सॉफ्टवेयर था। इसके चलते यह लोग जब भी जेल से किसी को फोन लगाते थे उनकी काल ट्रेस नहीं होती थी। इसकी वजह से जयेश ने जेल से पाकिस्तान, सूडान, नाइजीरिया और पोलैंड में फोन करने के बावजूद उसकी काल ट्रेस नहीं होती थी। शाकिर ने विदेशों में किसे और क्यों फोन किए, इसकी जानकारी अब तक सामने नहीं आ सकी है। अब एनआईए इस मामले की जांच कर रही है। नतीजतन आने वाले दिनों में कुछ और चौंकाने वाली बातें सामने आने की उम्मीद है।

एलएनजेपी अस्पताल में सत्येंद्र जैन से मिले केजरीवाल

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को एलएनजेपी में अपने पूर्व मंत्री से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में ट्वीट कर जानकारी दी। उन्होंने लिखा- आज मैं बहादुर व्यक्ति और हीरो से मिला। मुख्यमंत्री के साथ जैन की यह मुलाकात एक साल बाद संभव हो पाई है। तिहाड़ जेल में साल भर से बंद रहे जैन की तबियत बिगड़ने के बाद इलाज के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सप्ताह की जमानत दी है। जैन 6 सप्ताह तक अस्पताल में इलाज कराएंगे। उल्लेखनीय है कि एलएनजेपी अस्पताल में जैन का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, उनके ब्रेन में ब्लड क्लॉट बन गया है। हालांकि, एक मेडिकल टीम उनके इलाज के लिए बनाई गई है जो उनके स्वास्थ्य पर अपडेट लेती रहती है। सत्येंद्र जैन के पिछले एक साल में स्पाइन से जुड़े दो ऑपरेशन हुए हैं।

नॉन प्रैक्टिस अलाउंस बंद कर सुक्खू सरकार ने डॉक्टरों से किया अन्याय : भाजपा

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में डॉक्टरों के नॉन प्रैक्टिस अलाउंस (एनपीए) बंद करने के राज्य सरकार के फैसले की विपक्षी दल भाजपा ने कड़ी आलोचना की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने रविवार को कहा कि चिकित्सा सेवा हिमाचल के परिवेश के अंदर अति महत्वपूर्ण है। दूरदराज क्षेत्रों सहित हिमाचल प्रदेश में 95 फीसदी स्वास्थ्य सेवाएं प्राइमरी हेल्थ सेंटर, सीएचसी और अस्पतालों पर निर्भर होती है। ऐसे हालातों के बीच सुक्खू सरकार ने डॉक्टरों का एनपीए बंद कर उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है। बिंदल ने कहा कि चिकित्सक और विशेषकर हिमाचल प्रदेश के चिकित्सक बेहतरीन सेवाएं देने के लिए जाना जाती है और आज से नहीं पहले से ही कठिन और विपरीत परिस्थितियों में किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं के लिए हिमाचल प्रदेश के डॉक्टर अग्रिम और सर्वश्रेष्ठ भूमिका में रहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय सर्वथा हिमाचल प्रदेश की जनता के लिए और

चिकित्सकों द्वारा हिमाचल प्रदेश की जनता को दी जाने स्वास्थ्य सेवाओं के साथ एक बड़ा खिलवाड़ है। हम माननीय मुख्यमंत्री से कहना चाहेंगे कि यह निर्णय जनविरोधी निर्णय है और इस निर्णय को तुरंत प्रभाव से वापस लेना चाहिए।

कांग्रेस ने मोदी को बताया स्वयं का महिमामंडन करने वाला अधिनायकवादी पीएम

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन किए जाने के बाद कांग्रेस ने निशाना साधा है। रविवार को उन पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस ने कहा कि संसदीय प्रक्रियाओं का पूरी तरह तिरस्कार करने वाला आत्म-गौरवशाली सत्तावादी पीएम, जो शायद ही कभी संसद में भाग लेते हैं या इसमें शामिल होते हैं। कार्यक्रम के लिए 28 मई को चुनने पर सरकार की आलोचना करते हुए कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक ट्वीट में कहा, इस दिन, 28 मई 1964 को भारत में सबसे अधिक संसदीय लोकतंत्र का पोषण करने वाले प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का अंतिम संस्कार हुआ था और वी.डी. सावरकर, जिसके वैचारिक पारिस्थितिकी तंत्र ने महात्मा गांधी की हत्या की, का

1883 में जन्म हुआ था। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति बनने वाली पहली आदिवासी महिला को अपने संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने और 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन करने की अनुमति नहीं है। राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि संसदीय प्रक्रियाओं के लिए घोर तिरस्कार के साथ एक आत्म-गौरवशाली सत्तावादी प्रधानमंत्री, जो शायद ही कभी संसद में भाग लेता है या उसमें शामिल होता है। इससे पहले पीएम मोदी ने आज सुबह पारंपरिक पूजा और हवन के बाद लोकसभा की कुर्सी के पास ऐतिहासिक सेंगोल स्थापित किया और नए संसद भवन का उद्घाटन किया। कांग्रेस के अलावा, 19 अन्य विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार किया।

उत्कृष्टता के साथ लोगों की अपेक्षा पूरी करेगा नया संसद भवन : अमित शाह

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। ट्वीट्स के माध्यम से अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन को राष्ट्र को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि ये भवन सिर्फ लोगों की आकांक्षाओं के पूरा होने का स्थान नहीं है बल्कि अमृतकाल के दौरान हर क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर भारत की यात्रा की शुरूआत का स्थान भी है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने नए संसद भवन के निर्माण के राष्ट्र के स्वप्न

को रिकॉर्ड समय में पूरा करने वाले श्रमयोगियों की मेहनत के प्रति भी आभार प्रकट किया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा संसद भवन में सेन्गोल की स्थापना से भारत की सांस्कृतिक विरासत और इसके वर्तमान के बीच सेतु का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि ये भारत की आने वाली पीढ़ियों को हमारी समृद्ध संस्कृति में नीति परायणता के गुणों के महत्व के बारे में याद दिलाता रहेगा।

पुलिस के इंतजामों के चलते टीकरी बॉर्डर से दिल्ली नहीं जा पाए खापों के लोग

झज्जर, (हि.स.)। टीकरी बॉर्डर और दिल्ली के आसपास के तमाम स्थानों पर रविवार को पुलिस के चाक चौबंद इतजामों के समक्ष उन लोगों की नहीं चल पाई जो नए संसद भवन के पास पहलवानों द्वारा आहूत सभा में शामिल होने के लिए दिल्ली जाना चाहते थे। टीकरी बॉर्डर को दिल्ली पुलिस ने पूरी तरह सील तो नहीं किया। लेकिन दोनों ओर से केवल एक-एक वाहन निकलने के लिए संकरा रास्ता छोड़ा गया। बहादुरगढ़ में बाईपास मोड़ से टीकरी बॉर्डर तक सड़क के दोनों ओर करीब एक किलोमीटर तक लंबा जाम लगा रहा। उधर, बहादुरगढ़ पुलिस ने भी क्षेत्र के कई खाप प्रतिनिधियों को सुबह ही हिरासत में ले लिया। कई को उनके घर में ही नजरबंद रखा गया। कई जगह से करीब 100 लोगों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। हालांकि कुछ लोग किसी न किसी बहाने दिल्ली में प्रवेश भी कर गए। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों द्वारा दिल्ली में नए संसद भवन के पास आहूत सभा में महिलाओं और खाप पंचायतों के अन्य लोगों को जाने से रोकने के लिए पुलिस ने कड़े इंतजाम किए थे। भिवानी समेत कई जिलों की पुलिस बुलाई गई थी। किसान आंदोलन की तरह दिल्ली पुलिस ने इस बार टीकरी बॉर्डर को पूरी तरह सील नहीं किया। दोनों तरफ से एक-एक वाहन के जाने-आने का रास्ता छोड़ा गया था। बॉर्डर पर, पीवीसी मार्केट मोड़ के पास और घेवरा मोड़ के पास दिल्ली पुलिस ने नाकेबंदी की थी। बॉर्डर से बहादुरगढ़ की सीमा में सेक्टर-9 बाईपास मोड़ तक हरियाणा पुलिस ने कई नाके लगाए थे। भारी वजन वाले ट्रकों को रोड पर खड़ा करके रास्ता रोका गया। काफी संख्या में बसें और दूसरे वाहन जाम में फंसे रहे। भिवानी समेत कई जिलों से पुलिस बुलाई गई थी। दिल्ली पुलिस ने 500 से अधिक और 600 से अधिक संख्या में हरियाणा पुलिस अलर्ट रही। बीएसएफ के भी 400 जवानों को तैयार रखा गयया था। झाड़ोदा बॉर्डर पर पर दिल्ली पुलिस और हरियाणा पुलिस ने नाकेबंदी की थी। बसों और अन्य निजी गाडियों से दिल्ली जाते लोगों को रोक पुलिस ने पूछताछ की। कई संदिग्ध लोगों को वापस मोड़ दिया गया। हालांकि कई लोग निजी काम बताकर बॉड्र पार भी कर गए।

सीएम स्टालिन ने की 500 किमी रफ्तार वाली जापानी बुलेट ट्रेन की सवारी

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने जापान में 500 किमी की रफ्तार से चलने वाली बुलेट ट्रेन का सफर किया। गौरतलब है कि सीएम स्टालिन का जापान दौरा और उनका बुलेट ट्रेन से राजधानी टोक्यो तक का सफर करना काफी अहम माना जा रहा है। बता दें कि बुलेट ट्रेन 500 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ती है। सफर के बाद सीएम एमके स्टॉलिन ने भी कहा कि भारत में भी ऐसी ट्रेन चलाई जानी चाहिए। जानकारी के अनुसार जापान की आधिकारिक यात्रा पर गए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को बुलेट ट्रेन से ओसाका से राजधानी टोक्यो तक 500 किलोमीटर की यात्रा की। उन्होंने भारत में भी इस तरह की ट्रेन सेवा शुरू होने से भारतीय नागरिकों को फायदा होने की बात कही है। जापान यात्रा पर गए तमिलनाडु के सीएम स्टॉलिन की यात्रा की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। स्टालिन ने खुद अपनी जापान यात्रा के दौरान बुलेट ट्रेन में सफर की कई तस्वीरों का साझा भी किया है।

इस दौरान स्टालिन ने ट्वीट कर लिखा-ओसाका से टोक्यो तक बुलेट ट्रेन की यात्राः ढाई घंटे से भी कम समय में लगभग 500 किमी की दूरी तय की। गौरतलब है कि भारत में भी बुलेट ट्रेन संचालन के लिए मुंबई और अहमदाबाद के बीच कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। भारत सरकार अगस्त 2026 तक अहमदाबाद से मुंबई तक 508 किलोमीटर के मार्ग पर देश की पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कर रही है। इससे पहले सीएम एमके स्टालिन ने अपनी यात्रा को लेकर काफी सुखद अहसास और खुशी होने का इजहार किया है। स्टालिन ने यह भी इच्छा जताई है कि भारत में भी ऐसी ही ट्रेन चलाई जानी चाहिए। गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को इसका लाभ मिलेगा और उनकी यात्रा आसान होगी।

पहलवानों ने बैरिकेड तोड़ा, पुलिस ने हिरासत में लिया

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। दरअसल, पहलवान पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़कर नए संसद भवन की तरफ मार्च करने की कोशिश कर रहे थे। जिस पर पुलिस ने उन्हें रॉयल प्लाजा गोल चक्कर से पहले ही हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार पहलवान साक्षी मलिक, संगीता फोगाट और बजरंग पूनिया को हिरासत में लिया गया है। उनके साथ कई और पहलवान भी हैं। वहीं, हिरासत में लिए गए पहलवानों को अलग-अलग पुलिस स्टेशन में ले जाया गया है। उनके साथ काफी संख्या में समर्थक भी हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस ने पहलवान जिस जगह पर प्रदर्शन कर रहे थे, उस जगह को अब खाली करा रही है।

जंतर मंतर से बड़े-बड़े कूलर, खाने-पीने के सामान, टेंट का सामान, गद्दे-फोल्डिंग, पलंग सभी को पुलिस की तरफ से हटाया गया है। पहलवानों के टेंट तंबू को पुलिस ने पूरी तरह से हटा दिया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार को पहलवानों द्वारा जारी किये गए वीडियो के बाद से काफी संख्या में

दिल्ली पुलिस के जवान अर्धसैनिक बलों के जवान महिला पुलिसकर्मी की जंतर-मंतर में तैनाती कर दी गई थी। वहीं दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे पहलवानों के समर्थन में रविवार को आयोजित होने वाली महिला सम्मान महापंचायत में शामिल होने के लिए दिल्ली यूपी के गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत व उनके साथ आये समर्थक को बॉर्डर पर ही पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान राकेश टिकैत ने कहा कि उन्हें दिल्ली जाने नहीं दिया जा रहा है, गाजीपुर बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर भारी तादाद में पुलिस बल को तैनात किया गया है। नई संसद भवन के उद्घाटन पर उन्होंने कहा कि अगर भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति करतीं तो अच्छा होता। राष्ट्रपति प्रधानमंत्री से बड़ा होता है। राष्ट्रपति उद्घाटन करता तो पूरे देश का सम्मान होता।

बढ़ती भीड़ को देखते हुए लगाई धारा 144 - किसान नेता राकेश टिकैत के दिल्ली जाने के आह्वान के बाद दिल्ली-यूपी-गाजीपुर बॉर्डर को सुबह ही पुलिस ने छावनी में तब्दील कर दिया था। किसानों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस के जवानों को बॉर्डर पर तैनात किया गया था। वहीं 11 बजते ही लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हुई। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर बैनर लगाकर साफ कर दिया है कि यहां धारा 144 लागू है और इसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला पंचायत में शामिल होने से रोकने पर जेएनयू के छात्रों ने प्रदर्शन किया। वहीं पुलिस ने बढ़ती भीड़ को देखते हुए 100 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर अलग-अलग थानों में उन्हें भेजा।

नेताओं ने भी दिया समर्थन - दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि देश का मान बढ़ाने वाले हमारे खिलाड़ियों के साथ ऐसा बर्ताव बेहद गलत एवं निंदनीय। वहीं दिल्ली के विकास मंत्री गोपाल राय ने ट्वीट कर कहा, देश की बेटियों के साथ केंद्र सरकार द्वारा दुर्व्यवहार बेहद दुःखद है। सत्ता के नशे में चूर हुक्मरानों को देश की बेटियों की चीख-पुकार आखिर सुनाई क्यों नहीं दे रही है। इस बीच दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने पहलवान साक्षी मलिक का फोटो ट्वीट में शेयर कर कहा, ये हैं साक्षी मलिक। ओलंपिक पदक विजेता, पद्म श्री और खेल रत्न पुरस्कार विजेता। इस तरह आज दिल्ली की सड़कों पर घसीटा गया। ये देश के चैम्पियंस हैं आतंकवादी नहीं, शर्मनाक।

वाराणसी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साह से सुनी 'मन की बात'

-मन की बात के 101वें संस्करण को कार्यकर्ताओं ने सराहा

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रविवार को भाजपा कार्यकताओं ने मन की बात के 101वें संस्करण को पूरे उत्साह के साथ सुना और प्रधानमंत्री के अपील को मूर्त रूप देने के लिए संकल्प भी दोहराया। रेडियो पर प्रसारित मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा काशी क्षेत्र के कार्यकर्ता सुधाकर रोड खजुरी स्थित पार्टी के पार्षद मदन मोहन दूबे के आवास पर जुटे। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले मन की बात में काशी तमिल संगमम का भी उल्लेख किया। सौराष्ट्र तमिल संगमम की बात की। प्रधानमंत्री की एक-एक बात कार्यकर्ता मन से सुनते रहे। कार्यक्रम में भाजपा काशी क्षेत्र के महामंत्री अशोक चौरसिया, महानगर महामंत्री जगदीश त्रिपाठी, धीरेंद्र शर्मा, मनीष चौरसिया, आदित्य गोयनका, कन्हैयालाल सेठ, शंकर जायसवाल, अमरीश जायसवाल आदि भी शामिल रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व अनूप जायसवाल, संचालन पार्षद मदन दुबे, धन्यवाद सोमनाथ विश्वकर्मा ने किया।

खजुरी विश्वेश्वर महादेव मंदिर में नए संसद भवन के उद्घाटन पर हवन पूजन - प्रधानमंत्री मोदी के मनकी बात कार्यक्रम को सुनने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर खजुरी में ही विश्वेश्वर महादेव मंदिर में विधिवत हवन पूजन किया। इस दौरान पार्टी के नेताओं ने कहा कि आज का दिन भारत वर्ष के लिए ऐतिहासिक क्षण है।

राजधानी नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन सनातन रीति रिवाज से किया है। तमिलनाडु के अधीनम संतों ने पूरे विधि-विधान के साथ अनुष्ठान कराया। पूजा में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला बैठे।

आंधी-पानी से प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाई जाए : योगी आदित्यनाथ

-आपदा से हुई जनहानि में प्रभावित हर परिवार को 04 लाख रुपये की राशि तत्काल मिले

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न जनपदों में हुई बारिश और आंधी को देखते हुए अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नजर रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें। मुख्यमंत्री योगी ने आपदा से हुई जनहानि में प्रत्येक प्रभावित परिवार को 04 लाख रुपये की अनुमन्य राहत राशि तत्काल दिए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई है, ऐसे प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता दी जाए। उन्होंने यह निर्देश भी दिए हैं कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराई जाए। ताकि इस सम्बन्ध में आगे की कार्यवाही की जा सके। उन्होंने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए हैं।

नया संसद भवन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में नया स्वर्णिम अध्याय : योगी आदित्यनाथ - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का नया स्वर्णिम अध्याय बताया है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि नया संसद भवन नए भारत की आशाओं, अपेक्षाओं की पूर्ति का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने पवित्र सेंगोल को भारत के न्याय, निष्पक्षता, संप्रभुता और सामर्थ्य का प्रतीक बताया। उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने नई दिल्ली में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर लिखा है, ऐतिहासिक क्षण! नए भारत की आशाओं, अपेक्षाओं और अभिलाषाओं की पूर्ति का प्रतीक, वैभवशाली, गौरवशाली व प्रेरणादायी नए संसद भवन को आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया है। सभी देश वासियों को हार्दिक बधाई। मुख्यमंत्री ने पवित्र 'सेंगोल' को भारत के न्याय, निष्पक्षता, संप्रभुता और सामर्थ्य का प्रतीक बताते हुए आगे लिखा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज नए संसद भवन में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पावन 'सेंगोल' की स्थापना भारत की सांस्कृतिक धरोहरों तथा उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सभी देश वासियों के आदर और विश्वास की समेकित अभिव्यक्ति है। आजादी के अमृत काल में, भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ता यह राष्ट्रीय कार्य 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव को और अधिक संवर्धित करेगा। योगी ने नए संसद भवन के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमजीवीगणों के सम्मान को लोकतंत्र में 'लोक' की सर्वोच्चता का उद्घोष और 'श्रमेव जयते' भाव के प्रति आदर व विश्वास का प्रतीक बताया है। मुख्यमंत्री ने सभी श्रमजीवियों का इसके लिए हार्दिक अभिनंदन किया है।

चार बार विधायक, कैबिनेट मंत्री रहने के बाद मृत्यु हुई तो खाते में थे महज 250 रुपये

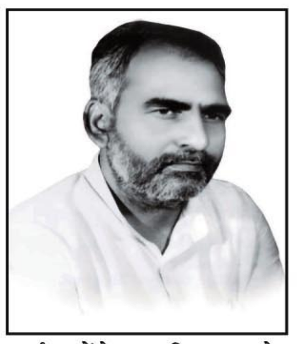

बलिया, (हि. स.)। आज के दौर में यह यकीन करना मुश्किल होगा कि कोई राजनेता लगातार चार बार विधायक और कैबिनेट मंत्री रहा हो और जब उसकी मृत्यु हो तो उसके बैंक खाते में महज 250 रुपये बचे हों। लेकिन आज से ठीक पच्चीस वर्ष पहले जब गौरी भैया की असामयिक मृत्यु हुई थी तो उनके खाते में इतने ही पैसे बचे थे। सागरपाली में जन्मे गौरीशंकर सिंह को लोग गौरी भैया के रूप में जानते थे। जिले के सबसे बड़े टीडी कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष से अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने वाले गौरी भैया पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर के सबसे करीबियों में से एक थे। उन्होंने चन्द्रशेखर का साथ मरते दम तक नहीं छोड़ा। कोपाचिट (वर्तमान में फेफना) विधानसभा क्षेत्र से 1977 से 1990 तक लगातार चार बार विधायक चुने गए। 1980 में दूसरी बार विधायक बनने पर पुरानी जीप खरीदी थी। 1990 में मुलायम सिंह यादव की सरकार में पहली बार कैबिनेट मंत्री बने तो बलिया आगमन पर उनके स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा था। क्षेत्र के लोगों की पैरवी बिना भेदभाव करते थे। चाहे वह उनका समर्थक हो या विरोधी, सबके लिए तुरंत चल देते थे। उनकी गरीबों का मसीहा की छवि थी। जन-जन के लिए हर समय सुलभ गौरी भैया का जब 28 मई 1998 को निधन हुआ तो उनके पास खाते में सिर्फ 250 रुपये थे। जबकि पत्नी, दो बेटियों और दो बेटों का भरा पूरा परिवार उनके पीछे था। गौरी भैया के बारे में कहा जाता है कि उनके पास जो भी कुछ रहता था, उसे अपने साथ के लोगों में बांट देते थे। शायद इसीलिए रविवार यानी 28 मई को उनकी पुण्यतिथि पर गौरी भैया को लोग एक जननेता के रूप में याद कर रहे हैं।

पुलिस ने माफिया विनोद उपाध्याय की नकेल कसी, 25 हजार इनाम

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर के वरिष्ठ पुलिए अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. गौरव ग्रोवर ने माफियाओं को नेस्तनाबूत करने की ठान ली है। माफिया अजित शाही और सुधीर सिंह के बाद अब माफिया विनोद उपाध्याय और उसके हिस्ट्रीशीटर भाई संजय उपाध्याय की नकेल कस यह संदेश दे दिया है। शनिवार को इनके ऊपर 25-25 हजार रुपया इनाम घोषित कर अपनी मंशा साफ कर दी है। हाल ही में इनके खिलाफ गुलरिहा थाना में मामला दर्ज हुआ है। उसी मामले में इनाम की धनराशि घोषित हुई है। ज्ञातव्य हो कि एक गैंगेस्टर के मामले में विनोद उपाध्याय पर पहले से ही एनबीडब्ल्यू जारी है। विनोद उपाध्याय के खिलाफ साल 2010 में दर्ज हुए मुकदमे में भी एक वारंट जारी है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक इस समय विनोद उपाध्याय पर 25 गंभीर मुकदमे दर्ज है। विनोद राजनीति का चोला भी पहन चुका है। एक पार्टी से राजनीति करते हुए वह अपराध में लिप्त पाया गया था। तब पार्टी ने उसे

राज्य के सभी जिलों में 13 जून को विरोध प्रदर्शन करेंगे वामदल

हजारीबाग, (हि.स.)। यहां के पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने रविवार को सीपीआई कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जल जंगल जमीन और भ्रष्टाचार के खिलाफ 13 जून को सीपीआई सहयोगी पार्टियों के साथ हजारीबाग जिला मुख्यालय सहित राज्य के सभी 24 जिलों में जिला कलेक्ट्रेट में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। मेहता ने कहा कि हजारीबाग ही नहीं पूरे झारखंड में सरकारी और बेशकीमती जमीन की लूट कर्मचारी से लेकर राजस्व विभाग के बड़े वरीय पदाधिकारी करा रहे हैं। हजारीबाग जिले के सदर कटकमसांडी कटकमदाग और बड़कागांव प्रखंड में जोरदार तरीके से जमीन की लूट की जा रही है, जिसमें अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी से लेकर सीआई और सीओ तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन तमाम मुद्दों को लेकर वाम दल के सीपीआई, सीपीएम, माले मासस, एनएसयूआई सहित अन्य वाम दल की सहयोगी पार्टियां राज्य सरकार और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन करेंगी। प्रेस वार्ता में जिला सचिव चांद खान, प्रखंड सचिव डाड़ी निमन यादव, निजाम अंसारी, महेंद्र राम, स्वदेशी पासवान, अनवर हुसैन, शब्बीर अहमद, मथुरा महतो, नरेश प्रजापति, कोलेश्वर भुइयां, इम्तियाज खान, तौकीर अहमद, अनिरुद्ध प्रसाद, लखेंद्र ठाकुर, समीम खान, अली हसन मौजूद थे।

कृषि योजना को जमीनी बनाने पर ही संभव होगी हरित क्रांति की सफलता : दीपक मिश्रा

-खरीफ महाअभियान की सफलता को ले जिला स्तरीय कार्यशाल आयोजित, प्रभारी डीएम दीपक मिश्रा ने किया उद्घाटन

नवादा, (हि .स.)। आत्मा नवादा के सौजन्य से रविवार को जिला कृषि प्रक्षेत्र (शोभिया), नवादा में खरीफ महाअभियान 2023 को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। दीपक कुमार मिश्रा प्रभारी जिला पदाधिकारी नवादा ने दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित कृषि अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों से संबंधित सरकार के द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचाये। फसल अवशेष प्रबंधन में अच्छी प्रगति हुई है। इसको शत-प्रतिशत अनुपालन कराना है। गुंजन कुमार सहायक निदेशक कृषि ने कहा कि सोयावीन का बीज पायलट प्रोजेक्ट के तहत कलस्टर में लगाने का लक्ष्य दिया गया है। इसके अलावे मोटे अनाज में यथा-मरूआ, बाजरा, सामा फसल का उत्पादन करने का लक्ष्य दिया गया है, जिसका शुभारम्भ कर दिया गया है। हरित चादर योजना के तहत ढ़ैंचा का बीज वांछित किसानों के बीच 27 क्विंटल वितरित किया गया है। खरीफ फसल उत्पादन के लिए जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय सवौर में 16 बैच में 25-25 यांत्रिक/किसानों को कृषि यंत्रों को मरम्मत के लिए विषेष प्रशिक्षण दिया जायेगा। सत्येन्द्र प्रसाद जन-सम्पर्क पदाधिकारी ने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए बिहार सरकार के द्वारा अनेकानेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। इससे किसान कम समय और कम लागत से बेहतर पैदावार और उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। प्रखंड कृषि पदाधिकारी, किसान सलाहकार, एटीएम और बीटीएम को कृषि से संबंधित उत्तम तकनीक और योजनाओं को लागू करने के लिए निर्देश दिया गया। अभिषेक रंजन सहायक निदेशक आत्मा, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, कृषि फार्म अधिकारी श्रीमती राजकुमारी ने भी खरीफ महाअभियान को सफल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये।

सपा ने की स्व. मनन दूबे के परिजनों को तीन लाख की आर्थिक मदद

बलिया, (हि. स.)। समाजवादी पार्टी ने अपने फ्रंटल संगठन के पदाधिकारी रहे स्व. मनन दूबे के परिजनों को तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर रविवार को मनन दूबे के पिता रमेश दूबे को तीन लाख रुपये का चेक सौंपा गया। समाजवादी छात्रसभा से जुड़े रहे मनीष दूबे "मनन" की तीन महीने पहले विद्युत स्पशार्घात से मौत हो गई थी। समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्व. मनन दूबे के परिजनों से उनके घर जाकर मुलाकात की थी और आर्थिक सहायता का भरोसा दिया था। पार्टी की तरफ से तीन लाख रुपये का चेक लेकर रविवार को जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव, विधायक संग्राम सिंह यादव व पार्टी प्रवक्ता सुशील पाण्डेय "कान्हजी" के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल युवा नेता स्व. मनीष दूबे "मनन" के घर पहुंचा, जहां उनके पिता रमेश दूबे को चेक सौंपा गया। पार्टी नेताओं ने रमेश दूबे से कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व व पूरी पार्टी हमेशा साथ खड़ी है।

देवघर के बसाहा पंचायत भवन में लगा डीसी का जनता दरबार

देवघर, (हि.स.)। डीसी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में पालोजोरी प्रखंड के बसाहा पंचायत भवन में रात्रि आज सुबह जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने संध्या चौपाल में आए हुए समस्याओं के साथ जनता दरबार में आई समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया। पंचायत भवन में उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए जांच से जुड़े मामलों का सत्यापन कराते हुए जल्द से जल्द समाधान का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया। जनता दरबार के दौरान कई लोगों ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। डीसी ने बसाहा पंचायत अंतर्गत मनरेगा के अलावा चल रहे विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। इसके अलावा उपायुक्त ने सिंचाई कूप, नल कूप आदि का निरीक्षण करते हुए बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा फलदार पौधा लगाने का निर्देश दिया।

जयंती पर याद किए गए भारत माता के सपूत वीर सावरकर

बेगूसराय, (हि.स.)। महान क्रांतिकारी, भारत माता के वीर सपूत, स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्रवादी विचारधारा से ओतप्रोत विनायक दामोदर सावरकर को रविवार को उनकी जयंती पर श्रद्धा पूर्वक याद किया जा रहा है। सुबह से राष्ट्रवादी विचारधारा जुड़े लोग सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें नमन कर रहे हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह एवं राष्ट्रवादी विचारक राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा ने भी वीर सावरकर को नमन किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि वीर सावरकर तेज, त्याग, तप, तत्व, तर्क और तारुण्य थे। सावरकर मतलब तेज, सावरकर मतलब त्याग, सावरकर मतलब तप, सावरकर मतलब तत्व, सावरकर मतलब तर्क और सावरकर मतलब तारुण्य है। मां भारती के अमर सपूत विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर उन्हें सादर नमन। राज्यसभा सदस्य (सांसद) प्रो. राकेश सिन्हा ने जेल का उस कक्ष के साथ ट्वीट किया है, जिसमें सावरकर सजा के दौरान रहे थे। उन्होंने कहा है कि यह काले पानी की वह कोठरी है, जहां वीर सावरकर ने मां भारती की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए दस सालों से अधिक भीषण यातनाएं सही। अपनी वाणी और लेखनी से उन्होंने राष्ट्रवाद को जीवंत बना दिया। हिंदुत्व के इस महान सिद्धांतकार की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन।

प्रधानमंत्री मोदी के नये भारत में बने इस नये संसद भवन में विरासत भी है : अंतर्यामी सिंह

- लोकतंत्र ही हमारी प्रेरणा है : निशिरंजन तिवारी

देवरिया, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नये संसद भवन के लोकार्पण के बाद भाजपा कार्यकताओं ने पार्टी कार्यालय पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष अंतयार्मी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नये भारत में बने इस नये संसद भवन में विरासत भी है, वास्तु भी है, इसमें कला भी है, कौशल भी है,इसमें संस्कृति भी है और संविधान के स्वर भी हैं। यह संसद भवन हर भारतीय के कर्तव्य भाव को जागृत करेगा। लोकतंत्र के ऐसे पवित्र मन्दिर के लोकार्पण का विपक्षी दलों द्वारा विरोध और बहिष्कार निन्दनीय है। मोदी विरोध के चक्कर मे विपक्ष हमेशा देश विरोध पर उतर आता है, इसे देश की जनता कत्तई स्वीकार नही करेगी। जिला उपाध्यक्ष भाजपा अरुण कुमार सिंह ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में बना यह संसद भवन देश को नई दिशा देने का अमृतकाल है। आजादी के इस अमृतकाल में यह भवन अनंत सपनों को,असंख्य आकांक्षाओं को पूरा करने का काम करेगा है। पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निशिरंजन तिवारी ने कहा लोकतंत्र ही हमारी प्रेरणा है। संविधान ही हमारा संकल्प है। इस प्रेरणा, इस संकल्प की सबसे श्रेष्ठ प्रतिनिधि हमारी ये संसद ही है और संसद के नये भवन का लोकार्पण देश को एक नयी पहचान देगा। इस दौरान जिलाउपाध्यक्ष राजेश कुमार दूबे, रविन्द्र किशोर कौशल, निर्मला गौतम, शिवकुमार राजभर, नित्यानंद पाण्डेय, अम्बिकेश पाण्डेय, तेजबहादुर पाल, उदयभान सिंह, मारकंडेय गिरी, बिजेन्द्र कुशवाहा, शिवेश पाण्डेय, शुभम मणि त्रिपाठी, राहुल कुमार, राणा राहुल सिंह, अमन शुक्ला, राजन मल्ल, रूपम पाण्डेय, अंकित श्रीवास्तव उपथित रहें।

नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से नहीं कराए जाने के खिलाफ रांची में कांग्रेस का धरना

-देश का लोकतंत्र खतरे में, इसे बचाना कांग्रेस का दायित्व: राजेश ठाकुर

रांची, (हि.स.)। देश के नये संसद भवन के उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाए जाने का कांग्रेस ने दमदार विरोध किया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार को रांची में विरोध स्वरूप बिरसा चौक पर धरना दिया। धरना में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक दल नेता एवं मंत्री आलमगीर आलम, राजीव रंजन प्रसाद, रवींद्र सिंह, राकेश सिन्हा, राकेश किरण, अमूल्य नीरज खलखो, चंद्रकांत शुक्ला, शमशेर आलम, कुमार राजा सहित कई नेता उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि देश के संवैधानिक प्रमुख, सेना प्रमुख और संसद के दोनों सदनों को संबोधित करने वाली राष्ट्रपति को नहीं बुलाना, उनसे उद्घाटन नहीं कराना, पूरी तरह से तानाशाही रवैया है। यह लोकतंत्र के लिए बहुत ही घातक है। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक संस्थानों को खत्म करने की साजिश है, जिसे कांग्रेस कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। विपक्ष के बार-बार आग्रह, मांग और निवेदन के बाद भी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी एक नहीं सुनी। आज देश का लोकतंत्र खतरे में है। इसे बचाना कांग्रेस का दायित्व है। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की आपत्ति यह नहीं है कि देश के प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन कर रहे हैं। आपत्ति यह है कि आप चार्टर्ड प्लेन से पंडित और पुजारी मंगवा रहे हैं लेकिन दिल्ली में बैठी देश के संवैधानिक प्रमुख राष्ट्रपति को उद्घाटन समारोह में नहीं बुला रहे हैं। यह कैसी जिद और कैसी नयी परंपरा की शुरूआत है। देश की जनता राष्ट्रपति के इस अपमान को कभी भूल नहीं पायेगी।

विश्व के सबसे ऊंचे विराट रामायण मंदिर के निर्माण कार्य में हुआ परिवर्त्तन

-बदला जायेगा निर्माण कंपनी,20 जून से शुरू होगा काम

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिले के कल्याणपुर प्रखंड स्थित कैथवलिया में बनने वाले विश्व के सबसे ऊंचे विराट रामायण मंदिर कार्य शुरू करने को लेकर परिवर्त्तन किया गया है। इसकी जानकारी देते धार्मिक न्यास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष किशोर कुणाल ने कहा कि निर्माण कार्य अब 20 जून से शुरू होगी। साथ ही निर्माण के लिए पूर्व में चयनित कंपनी को भी हटाया दिया गया है। श्री कृणाल मंदिर निर्माण को लेकर शुक्रवार निर्माण स्थल कैथवलिया में डीएम सौरभ जोरवाल, एसपी कांतेश कुमार मिश्र, चकिया एसडीओ सहित अन्य अधिकारियों व स्थानीय ग्रामीणो के साथ पत्रकारो को जानकारी देते बताया कि मंदिर निर्माण को लेकर कुछ लोगो द्वारा भ्रम पैदा किया जा रहा है लेकिन बता दे कि मंदिर के लिए 100 एकड़ जमीन अधिग्रहित किया जा चुका है। शेष जमीन के अधिग्रहण में आ रही अड़चन भी शीघ्र समाप्त करते अगामी 20 जून से निर्माण शुरू किया जायेगा। उन्होने कहा कि पूर्व में चयनित निर्माण कंपनी को हटा दिया गया।अब कौन सी कंस्ट्रक्शन कंपनी को मंदिर निर्माण का काम दिया जायेगा। इसकी जानकारी अगामी 6 जून को पटना में दी जाएगी। मंदिर का पूरा नक्शा बनकर तैयार है।जिसके अनुसार मंदिर 1080 फिट लंबा, 580 फिट चौड़ा और 270 फिट ऊंचा तीन मंजिल का होगा। नक्शे के अनुसार मंदिर का पूरा एरिया तीन लाख 76 हजार वर्ग फीट होगा।मंदिर में राम सीता के अलावा विश्व का सबसे बड़ा और विशाल शिवलिंग विराजित होगे। शिवलिंग का वजन 200 टन का होगा, जो 250 टन के एक हीं ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर को तराश कर बनाया जाएगा। उन्होने बताया जिस कंस्ट्रक्शन कंपनी को मंदिर निर्माण कार्य का जिम्मा दी जायेगी, उससे यह शर्त होगा कि वह केवल मजदूर और मशीन उपलब्ध कराएगा। बाकी रॉ मैटेरियल हमारा होगा।

उल्लेखनीय है कि कैथवलिया में जहां मंदिर निर्माण होगा वहां के बारे में ऐसी मान्यता है, कि वहां प्रभु श्री राम की बारात रूकी थी। इसी मान्यता के अनुरूप यहां विराट रामायण मंदिर का भूमि पूजन वर्ष 2012 में किशोर कुणाल ने किया था। वही वर्ष 2022 में इसका शिलान्यास भी किया गया। लेकिन निर्माण कंपनी की लचर स्थिति के कारण मंदिर निर्माण कार्य शुरू नही किया जा सका। लेकिन निर्माण कंपनी सहित अन्य परिवर्त्तन से ऐसा प्रतीत हो रहा है,कि अब जल्द ही मंदिर का काम शुरू हो जायेगा।

संपादकीय

लोगों की उलझन दूर करें

दो हजार रुपये के नोटों की वापसी की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई। अगर बैंकों से लंबी कतारें लगने या बेहिसाब भीड़ जमा हो जाने की खबरें नहीं आ रहीं तो इसकी एक वजह तो यही है कि इन नोटों का चलन काफी पहले से कम होता जा रहा था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2023 को सर्कुलेशन में मौजूद दो हजार के नोटों की संख्या कुल नोटों का 10.8 फीसदी ही रह गई थी। दूसरी वजह यह भी हो सकती है कि पिछली बार यानी 2016 में हुई नोटबंदी के विपरीत इस बार इन नोटों को लीगल टेंडर बनाए रखा गया है। इन्हें बदले जाने की समयसीमा भी ठीकठाक लंबी (30 सितंबर तक) रखी गई है। सोमवार को खुद आरबीआई गवर्नर ने स्पष्ट किया कि 30 सितंबर के बाद भी ये नोट मान्य होंगे और यह संकेत भी दिया कि जरूरत होने पर यह समयसीमा बढ़ाई जा सकती है। बावजूद इसके, दो हजार के नोट वापस लिए जाने की घोषणा करंसी मैनेजमेंट के लिहाज से कोई अच्छी मिसाल नहीं कही जाएगी। भले ही आबादी का बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर इस फैसले से प्रभावित न हो रहा हो, लेकिन इसमें हर आम ओ खास के लिए सरप्राइज एलीमेंट जरूर है। इसने सबको न केवल एक बार चौंका दिया बल्कि उनके जेहन में दर्ज नोटबंदी के कड़वे अनुभव को फिर ताजा कर दिया। इसके अलावा नोटबंदी के मुकाबले ज्यादा सतर्कता और ज्यादा सहजता से अमल किए जाने के प्रयासों के बावजूद इस बार भी अनिश्चितता और असमंजस की स्थिति टाली नहीं जा सकी। सोमवार को आए आरबीआई गवर्नर के स्पष्टीकरण के बाद भी अभी तक यह साफ नहीं है कि नोट बदलवाने के लिए बैंक जाने वालों को आईडी दिखाने और फॉर्म भरने की जरूरत होगी या नहीं। एसबीआई की घोषणा के मुताबिक इसकी जरूरत नहीं है लेकिन अलग-अलग बैंकों की ओर से बताया जा रहा है कि इसकी जरूरत होगी। यह भी तय नहीं है कि एक बार में अधिकतम 10 नोट बदलवाने की सीमा का क्या मतलब है। क्या यह सीमा एक दिन के लिए है या कतार में काउंटर पर आने वाली अपनी बारी से मतलब है। यानी क्या उसी समय दोबारा कतार में लगकर कोई चाहे तो दूसरी और फिर तीसरी बार भी 10-10 नोट बदलवा सकता है? इसके अलावा नोट वापसी की इस घोषणा ने यह विचित्र स्थिति पैदा कर दी है कि दो हजार के जो नोट देश की करंसी का हिस्सा हैं और आज भी लीगल टेंडर हैं, बाजार में स्वीकार नहीं किए जा रहे। इस स्थिति को निस्संदेह टाला जा सकता था। हालांकि यह बात रेखांकित किए जाने की जरूरत है कि अपने देश में करंसी की साख काफी अच्छी है। वरना डिजिटल ट्रांजिशन की इतनी तेज और सहज प्रक्रिया संभव नहीं थी। लेकिन हमारे नीति-निर्माताओं को पॉलिसी की स्थिरता से जुड़े सबकों पर शायद फिर से गौर करने की जरूरत है।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 31 मार्च 2023 को सर्कुलेशन में मौजूद दो हजार के नोटों की संख्या कुल नोटों का 10 .8 फीसदी ही रह गई थी। दूसरी वजह यह भी हो सकती है कि पिछली बार यानी 2016 में हुई नोटबंदी के विपरीत इस बार इन नोटों को लीगल टेंडर बनाए रखा गया है। इन्हें बदले जाने की समयसीमा भी ठीकठाक लंबी (30 सितंबर तक) रखी गई है। सोमवार को खुद आरबीआई गवर्नर ने स्पष्ट किया कि 30 सितंबर के बाद भी ये नोट मान्य होंगे और यह संकेत भी दिया कि जरूरत होने पर यह समयसीमा बढ़ाई जा सकती है। बावजूद इसके, दो हजार के नोट वापस लिए जाने की घोषणा करंसी मैनेजमेंट के लिहाज से कोई अच्छी मिसाल नहीं कही जाएगी। भले ही आबादी का बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर इस फैसले से प्रभावित न हो रहा हो, लेकिन इसमें हर आम ओ खास के लिए सरप्राइज एलीमेंट जरूर है।

गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही

तमाम योजनाओं एवं प्रयासों के गंगा मैली क्यों है?

ललित गर्ग

सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। सरकार यह समझे कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा।

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। सरकार यह समझे कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। गौरतलब है कि गंगा नदी पर अधिकार संपन्न कार्यबल यानी ईटीएफ की पिछले महीने हुई ग्यारहवीं बैठक में यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण इसके मलबे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा का प्रदूषित करने का जब जरिया बन रही है तो इसी गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीले कचरे बड़ी मात्रा में मिलते हैं, तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। इन बहुआयामी योजनाओं के बावजूद गंगा स्वच्छता अभियान अब तक कहां पहुंचा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आज भी गंगा जैसी अहम नदी को स्वच्छ बनाने की कोई पहल करनी पड़ रही है। हालत यह है कि अलग-अलग मौके पर लागू दिशा-निर्देशों के बावजूद कम से कम मलबा डालने पर भी रोक नहीं लगाई जा सकी है। प्रदूषित नालों से गन्दगी गंगा में लगातार डाली जा रही है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि समस्या शायद योजनाओं या कार्यक्रमों की नहीं होगी, उनके अमल में बरती गई लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य हो जा सकता है। अब एक बार फिर केंद्र सरकार ने गंगा नदी के किनारे मलबा डाले जाने या गांवों का गंदा पानी नदी में गिराने से प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर संज्ञान लिया है। इसके तहत सरकार नदी किनारे स्थित चार हजार गांवों से निकलने वाले लगभग चौबीस सौ नाले को चिन्हित करके इनकी 'जियो टैगिंग' करेगी। सरकार इनसे ठोस कचरा प्रवाहित होने से रोकने के लिए एक 'एरेस्टर स्क्रीन' लगाएगी। यह गंगा नदी में अलग-अलग वजहों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के अलावा किया जा रहा उपाय है। अब यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। एक ज्वलंत सवाल और होना चाहिए कि गंगा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए दशकों से लागू गंगा कार्ययोजना या नमामि गंगे जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम और अन्य नीतियों के बावजूद आज भी इतनी बड़ी तादाद में ठोस कचरा या अन्य तरह की गंदगी बहाने वाले नालों पर कैसे रोक नहीं लग सकी? भारत में मुख्य नदी खासतौर से गंगा भारतीय संस्कृति और विरासत से अत्यधिक गहरे रूप में जुड़ी हुई है। मार्च, 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने सत्ता में आने के बाद गंगा की स्वच्छता और निर्मलता सुनिश्चित करने के मोदी सरकार के लक्ष्य को आवश्यक गति और दिशा दी। अप्रैल, 2017 में कानपुर व कन्नौज में स्थित चमड़े के कारखानों को समयबद्ध योजना के तहत अन्यत्र स्थानांतरित करने की घोषणा की गई और औद्योगिक कचरे व अपशिष्ट पदार्थों के गंगा में मिलने से रोकने हेतु जलशोधन संयंत्र लगाने की योजना पर कार्य प्रारंभ किया गया। गंगा किनारे के गांवों में शौचालय निर्माण पर जोर देकर खुले में शौच पर रोक लगाने की दिशा में काम शुरू किया गया। 'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही हैं।

क्या मध्यवर्ग से मुंह मोड़ लिया है राजनीतिक पार्टियों ने?

बजट से लेकर चुनावी वादों तक, हाल के दिनों में आए तमाम राजनीतिक परिणामों में यह बात समान रूप से दिखी कि राजनीतिक दल गरीब और किसानों पर अधिक फोकस करते रहे हैं। गांव की आबादी उनकी प्राथमिकता में रही है। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि चुनावों में गांव में रहने वाले लोग, गरीब और किसान राजनीतिक दिशा तय करने में कहीं अधिक भूमिका निभाते रहे हैं। 2014 के बाद मोदी सरकार ने इनके लिए कई योजनाएं लॉन्च कीं और इस तबके के बीच उनकी लोकप्रियता बढ़ी भी है। सरकार ने इन पर लगातार फोकस किया। केंद्र के अधिकतर संसाधन किसान सम्मान निधि और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं के संचालन में गए। इसका सियासी लाभ भी उन्हें मिला। लेकिन इस हिसाब से मध्यवर्ग को सौगातें नहीं मिलीं। यह भी सही है कि सीमित आर्थिक संसाधनों में सरकार हर तबके को खुश नहीं रख सकती।

देश की राजनीति में मध्यवर्ग का बड़ा योगदान माना जाता रहा है। मुल्क की सियासत का नैरेटिव तय करने और उसे दिशा देने में इस तबके को सबसे बड़ा फैक्टर माना जाता है। पहले कई मौकों पर मध्यवर्ग ने इसे साबित भी किया है। लेकिन पिछले कुछ अरसे से यह अपनी सियासी पूंजी गंवाता हुआ दिख रहा है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, हाल के दिनों में मध्यवर्ग किसी की भी प्राथमिकता में नहीं दिख रही है। आखिर इस ट्रेंड के पीछे क्या वजह है? जानकार जल्दबाजी में इसे लेकर कोई राय नहीं बनाना चाहते, लेकिन इतना वे भी मानते हैं कि इधर राजनीतिक दलों की ओर से पेश किए जाने वाले सियासी मेन्यू में मध्यवर्ग के स्वाद का खयाल नहीं रखा जा रहा है। उदारीकरण के बाद नब्बे के दशक से मध्यवर्ग का राजनीति में दखल बढ़ा है। खासकर नैरेटिव बनाने में इस तबके की सबसे अहम भूमिका मानी जाने लगी थी। लेकिन यह बात भी सामने आई कि पिछले कुछ वर्षों में इस तबके को सरकार से अपेक्षा के मुताबिक सौगात नहीं मिली। वैसे इस बारे में सरकार का दावा है कि मध्यवर्गीय लोग उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे हैं। लेकिन मध्यवर्गीय लोग शायद ही इससे इत्तेफाक रखें। सच यह भी है कि मध्यवर्ग की अनदेखी की वजह हालिया सियासी नतीजे भी हो सकते हैं।

बजट से लेकर चुनावी वादों तक, हाल के दिनों में आए तमाम राजनीतिक परिणामों में यह बात समान रूप से दिखी कि राजनीतिक दल गरीब और किसानों पर अधिक फोकस करते रहे हैं। गांव की आबादी उनकी प्राथमिकता में रही है। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि चुनावों में गांव में रहने वाले लोग, गरीब और किसान राजनीतिक दिशा तय करने में कहीं अधिक भूमिका निभाते रहे हैं। 2014 के बाद मोदी सरकार ने इनके लिए कई योजनाएं लॉन्च कीं और इस तबके के बीच उनकी लोकप्रियता बढ़ी भी है। सरकार ने इन पर लगातार फोकस किया। केंद्र के अधिकतर संसाधन किसान सम्मान निधि और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं के संचालन में गए। इसका सियासी लाभ भी उन्हें मिला। लेकिन इस हिसाब से मध्यवर्ग को सौगातें नहीं मिलीं। यह भी सही है कि सीमित आर्थिक संसाधनों में सरकार हर तबके को खुश नहीं रख सकती। वह भी तब, जब पिछले कुछ वर्षों से देश की आर्थिक दशा वैसी मजबूत नहीं रही। वैसे इसका एक और पहलू है। सत्ता पक्ष का यह तर्क है कि केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में कई ऐसे कदम उठाए, जिनका अप्रत्यक्ष लाभ मध्यवर्ग को मिला है। सरकार से जुड़े एक सीनियर नेता ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर पर बहुत काम किया गया। सड़क और रेल सेवा बेहतर की गई। इन तमाम चीजों से सबसे अधिक लाभ मध्यवर्गीय आबादी को ही होता है। उनका तर्क था कि मिडल क्लास को सीधा लाभ देने से बेहतर है उसे बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना। सरकार ऐसा कर रही है और उसका लाभ भी इस वर्ग को मिल रहा है। उधर, विपक्ष ने भी गरीब और गांव में रहने वालों पर ही फोकस किया और उन्हें चुनावों में मुफ्त की चीजें देने का एलान किया। इसका लाभ भी उसे मिला। ऐसे में संदेश यह भी गया कि दोनों पक्ष इस सोच के साथ आगे बढ़े कि मध्यवर्ग और शहरी आबादी को कुछ समय के लिए नाराज करने का राजनीतिक जोखिम लिया जा सकता है। हालांकि विपक्षी दलों का कहना है कि उनके अजेंडे में मुफ्त बिजली और रोजगार जैसे मुद्दे हैं, जिनका सबसे अधिक सरोकार मध्यवर्गीय लोगों से है। दिल्ली में मुफ्त बिजली का सबसे अधिक लाभ इसी तबके को मिला और अरविंद केजरीवाल उसे राजनीतिक रूप से भुनाने में कामयाब रहे हैं। वैसे, शहरी आबादी और मध्यवर्ग को नाराज करने के भी जोखिम हैं। इसका खामियाजा 2004 में एनडीए सरकार झेल चुकी है। तब अप्रत्याशित तरीके से एनडीए को शहरी सीटों पर हार झेलनी पड़ी थी। पुरानी पेंशन बंद करना और महंगाई जैसे मोर्चे पर विफलता से तत्कालीन अटल सरकार मिडल क्लास का समर्थन खो बैठी थी। फिर 2010 में जब कांग्रेस की अगुआई में यूपीए लगातार मजबूत हो रहा था, तब अन्ना आंदोलन ने ही सबसे पहले सरकार की जड़ें हिलाईं। इस आंदोलन की कमान मध्यवर्ग के हाथों में थी। समय के साथ मध्यवर्गीय आबादी भी बढ़ रही है। दिलचस्प बात यह है कि इन हालात में सत्ता पक्ष और विपक्ष मध्यवर्ग को इग्नोर करने का जोखिम ले रहा है। हालांकि मोदी सरकार को पता है कि आगे कोर्स करेक्शन के कई मौके मिलेंगे। 2019 में भी आम चुनाव से ठीक पहले अंतिम बजट में इनकम टैक्स की सीमा पांच लाख रुपये कर इस तबके का बड़ा समर्थन हासिल किया था। साथ ही मौका आने पर पीएम मोदी चौंकाने वाले फैसले लेने में माहिर हैं। राजनीति के सधे खिलाड़ी पीएम मोदी को मध्यवर्ग की बेचैनी का अंदाजा न हो, यह तो नहीं माना जा सकता। यह भी सही है कि अभी भी इस आबादी का पीएम मोदी पर व्यक्तिगत भरोसा बहुत मजबूत है। ऐसे में आने वाले समय में मध्यवर्ग की नाराजगी दूर करने के मौके आ सकते हैं। 2019 आम चुनाव में करारी हार के बाद विपक्ष अब समझ चुका है कि मोदी-शाह से मुकाबले के लिए आर्थिक पिच ही एकमात्र विकल्प है। हिंदुत्व या राष्ट्रवाद जैसे मुद्दे पर लगातार बैकफुट पर धकेले जाने वाले विपक्ष ने अब अपना पूरा ध्यान इकॉनमी पर लगाया है। इकॉनमिक अजेंडे को आगे बढ़ाने में मिडल क्लास ही सबसे आगे आता है। अब देखना है कि इस वर्ग को अपने पक्ष में करने की यह लड़ाई किस दिशा में आगे बढ़ती है।

कुछ अलग

क्यों गलत है अमेरिका

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता, 2022 रिपोर्ट में चीन, ईरान और म्यांमार के साथ भारत में भी अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है, जिस पर भारत सरकार ने ठीक ही कड़ा ऐतराज जाहिर किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे खारिज किया है। उसने इस ओर ध्यान दिलाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की आधिकारिक यात्रा से एक महीने पहले जारी की गई यह रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण है और उसने नीयत पर भी सवाल उठाया है। रिपोर्ट में भारत के कई राज्यों में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर हमले होने, उनकी हत्या किए जाने और उन्हें डराए-धमकाए जाने का आरोप है। इसमें हेट स्पीच, गोरक्षकों और लव जिहाद जैसे मुद्दों के साथ कुछेक जगहों पर सांप्रदायिक हिंसा की भी बात कही गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 28 में से 13 राज्यों में धर्मांतरण पर रोक के लिए कानून बने हुए हैं। इनमें से कुछ राज्यों में शादी के लिए जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए जुर्माने का भी प्रावधान है। एक दिलचस्प बात यह भी है कि इस रिपोर्ट में भारत के खिलाफ वही बातें दी गई हैं, जो इससे एक साल पहले जारी की गई रिपोर्ट में थीं। वैसे, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि गोरक्षकों ने अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ लोगों को निशाना बनाया है। इसी तरह, हेट स्पीच के भी कुछ मामले सामने आए हैं। लेकिन इन अपराधों के पीछे अक्सर हाशिये के संगठन होते हैं या ऐसे लोग जिनका मकसद सुर्खियां बटोरना होता है। ऐसे अपराधियों से निपटने के लिए देश में कानून और अदालतें हैं। संविधान ने धार्मिक आजादी का जो अधिकार नागरिकों को दिया है, अदालतें उसकी संरक्षक हैं और वे अपना काम बखूबी कर रही हैं। हेट स्पीच की ही बात करें तो सुप्रीम कोर्ट का रुख इसे लेकर काफी सख्त रहा है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक से अधिक बार धार्मिक आधार पर नफरत फैलाने वालों को चेतावनी दे चुके हैं। इसके उलट चीन के शिनच्यांग में उइगुरों को संगठित तरीके से प्रताड़ित किया जा रहा है। वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर कई तरह की पाबंदियां लगा रखी हैं। उसे मस्जिदों का अरबी आर्किटेक्चर तक पसंद नहीं है। म्यांमार में भी रखाइन प्रांत में रहने वाले रोहिंग्या मुसलमानों को वहां के सैन्य शासकों ने निशाना बनाया। उनकी बड़े पैमाने पर हत्या की गई और रोहिंग्या को देश छोड़ने को मजबूर किया गया। इससे पूरे इलाके में बौद्धों और मुसलमानों की आबादी का अनुपात बदल गया। यही नहीं, इससे भारत और बांग्लादेश जैसे देशों में शरणार्थी संकट भी खड़ा हुआ। इसलिए किसी भी सूरत में चीन और म्यांमार जैसे देशों से भारत की तुलना नहीं की जा सकती। अमेरिका को यह सचाई समझनी होगी। उसे यह भी समझना होगा कि अगर भारत उभरते हुए वर्ल्ड ऑर्डर में अमेरिका का साझेदार है तो उसके साथ एक सहयोगी देश जैसा ही बर्ताव होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की आधिकारिक यात्रा से एक महीने पहले जारी की गई यह रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण है और उसने नीयत पर भी सवाल उठाया है। रिपोर्ट में भारत के कई राज्यों में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर हमले होने, उनकी हत्या किए जाने और उन्हें डराए-धमकाए जाने का आरोप है। इसमें हेट स्पीच, गोरक्षकों और लव जिहाद जैसे मुद्दों के साथ कुछेक जगहों पर सांप्रदायिक हिंसा की भी बात कही गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 28 में से 13 राज्यों में धर्मांतरण पर रोक के लिए कानून बने हुए हैं। इनमें से कुछ राज्यों में शादी के लिए जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए जुर्माने का भी प्रावधान है। एक दिलचस्प बात यह भी है कि इस रिपोर्ट में भारत के खिलाफ वही बातें दी गई हैं, जो इससे एक साल पहले जारी की गई रिपोर्ट में थीं। वैसे, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि गोरक्षकों ने अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ लोगों को निशाना बनाया है। इसी तरह, हेट स्पीच के भी कुछ मामले सामने आए हैं। लेकिन इन अपराधों के पीछे अक्सर हाशिये के संगठन होते हैं या ऐसे लोग जिनका मकसद सुर्खियां बटोरना होता है।

नागरिक बोध

जातीय हिंसा की आग जल्दी बुझाई जाए

इस महीने की 11 तारीख को, जब मणिपुर जातीय संघर्ष और हिंसा से जूझ रहा था, तब पड़ोसी राज्य मिजोरम से राज्यसभा सदस्य ने एक मार्मिक ट्वीट किया। यह सांसद हैं, मिजो नेशनल फ्रंट के के वनलालवेना, जिन्होंने लिखा था, 'मणिपुर में मिजो जातीय समुदाय की तमाम जनजातियां सोच सकती हैं कि उनके पास अपना कोई सांसद नहीं है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैं उनका सांसद हूं।' उनका यह ट्वीट कुकी और मिजो के मजबूत जातीय-सांस्कृतिक जुड़ाव की ओर इशारा कर रहा था। ये दोनों यहां के उस बडे. जनसमूह का हिस्सा हैं, जिनको अमूमन कुकी-मिजो-चिन कहकर संबोधित किया जाता है। हालांकि, इनके सामूहिक नाम 'जू' को कुछ हद तक सामाजिक स्वीकृति मिल चुकी है। वे पूर्वोत्तर भारत की पहाड़ियों, म्यांमार की चिन पहाड़ियों और बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी इलाके में रहते हैं। देश की भौगोलिक सीमा को पार कर चुके इस एकीकरण की कल्पना- और इसे बढ़ावा देने वाला बंधन- सैमुअल हंटिंगटन की प्रसिद्ध किताब द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन में बताई गई सभ्यता का एकीकरण से, जो युद्ध के समय में सजातीय देश के पीछे एकजुट होने को प्रेरित कर सकता है, विपरीत नहीं है। इस सांस्कृतिक निकटता को जानने के बाद ही हम उस आग को समझ सकते हैं, जिससे इन दिनों मणिपुर झुलस रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में भी हमने इंफाल में हिंसा का नया दौर देखा। बुधवार शाम तो एक राज्य मंत्री के घर पर भी हमला हुआ। भारतीय संसद में पूर्वोत्तर के राज्यों से करीब 40 प्रतिनिधि हैं। अभी किसी भी सदन में मणिपुर से कुकी सांसद नहीं है। वनलालवेना के शब्दों का यह अर्थ लगाया जा सकता है कि मणिपुर के कुकी लोगों के पास बेशक कोई निर्वाचित सांसद नहीं है, पर राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका एक प्रतिनिधि जरूर मौजूद है। इस भाव से कुकी, जिनके स्वजातीय लोग मणिपुर में हैं, उत्साहित लग रहे थे। इस ट्वीट को जबर्दस्त प्रतिक्रिया भी मिली, हालांकि कुछ लोगों ने तथाकथित ग्रेटर मिजोरम की मांग भी कर डाली। मौजूदा संकट को समझने के लिए हमें लोगों की इस भावना पर भी गौर करना होगा। 1960 और 1970 के दशक में हुए मिजो विद्रोह में मणिपुर के कुकियों ने काफी सक्रिय हिस्सेदारी निभाई थी। मणिपुर नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) की प्रमुख मांगों में एक मांग थी मिजो आबादी वाले क्षेत्रों का एकीकरण। इसी मांग ने अंतिम समय में एमएनएफ और केंद्र सरकार की वार्ता बेपटरी कर दी थी। अंततः जिस समझौते पर हस्ताक्षर हुए, उसे आधिकारिक तौर पर मिजोरम समझौता कहा गया, न कि मिजो समझौता। इससे कुकी निराश हुए। हाल के वर्षों में मिजोरम और मणिपुर पड़ोसी देश म्यांमार और बांग्लादेश की घटनाओं से काफी ज्यादा प्रभावित हुए हैं। भारत आने वाले शरणार्थी उन समुदायों से हैं, जो कुकी व मिजो से जुड़े हैं।

देश दुनीया से

आदिम जातियों को बल से नहीं, प्रेम से जीतिए

अध्यक्ष महोदय, मैं इस वाद-विवाद में भाग लेना नहीं चाहता था, किंतु मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से सदस्य असम की आदिम जातीय स्थिति को अच्छी प्रकार नहीं समझते, और इससे बड़ी बात यह है कि कई सदस्य परामर्शदात्री उप-समिति की सिफारिशों की पृष्ठभूमि समझने में असमर्थ रहे हैं, जिसे संविधान सभा ने असम की आदिम जातीय स्थिति के विषय में छानबीन करने के लिए नियुक्त किया था। मैं यह कहना चाहता हूं श्रीमान, कि असम में तीन प्रकार की आदिम जातियां हैं। ...इस समय अभिकरण क्षेत्रों में इन आदिम जातियों की स्वशासन संस्थाएं नहीं हैं। संविधान के मसौदे में उपबंध है कि इन क्षेत्रों पर सीधा राज्यपाल का प्रशासन होगा और उस पर कोई निर्बंधन नहीं होगा, किंतु ऐसा समय आ सकता है, जब वे अपना शासन स्वयं करने के योग्य हो जाएं। प्रस्थापना यह है कि उस समय उन्हें स्वायत्तशासी जिलों की श्रेणी में ले लिया जाए। ...पहले वे क्षेत्र बिल्कुल अपवर्जित क्षेत्र थे, क्योंकि मैदानों में से कोई भी वहां जाकर उनसे संपर्क स्थापित नहीं कर सकता था। 15 अगस्त, 1947 तक, जब भारत स्वाधीन हुआ था, यही स्थिति थी। ...इन क्षेत्रों में से कुछ संग्रामीय प्रदेश थे, युद्ध काल में तत्कालीन शासकों और अधिकारियों ने इन आदिम जातीय लोगों में अलगाव की भावना पैदा कर दी थी और उन्हें आश्वासन दे दिया था कि युद्ध के अंत में वे स्वतंत्र राज्य बनाकर अपने घर का स्वयं प्रबंध करेंगे। उन्हें यह विश्वास दिला दिया गया कि समस्त पर्वतीय क्षेत्रों का एक प्रांत बना दिया जाएगा...। इस क्षेत्र के लोगों में पहले से ही यह अलगाव के भाव भरे हुए थे। इस समिति के समक्ष सबसे अधिक आवश्यक बात यह थी कि क्या एकीकरण के प्रयोजन के लिए शक्ति के उपाय... प्रयुक्त होने चाहिए, अथवा ऐसे उपाय काम में आने चाहिए, जिनसे इन लोगों से हार्दिक सहयोग प्राप्त करते हुए इन क्षेत्रों पर शासन किया जा सके। श्रीमान, यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि इन पर्वतीय आदिम जातियों में कुछ सस्थाएं हैं, जो मेरे विचार में इतनी अच्छी हैं कि यदि हम उन्हें नष्ट करना चाहें, तो मैं उसे बहुत बुरा समझता हूं। एक बात, जो इन आदिम जातियों में मुझे बहुत अच्छी लगी, उनकी झगड़े सुलझाने की प्रणाली है, जो मामले हमारी दंड संहिता के अनुसार हत्या कहलाएंगे, उन्हें ये लोग केवल पंचायत के निर्देशों से और प्रतिकर देकर निपटा दिया करते हैं। ...उनके ग्राम्य प्रशासन का उदाहरण लीजिए। वहां जैसे काम होता है, उसे देखते हुए जिला अधिकारियों को कुछ नहीं करना पड़ता। ...वे एक प्रकार की स्वायत्तता का उपयोग कर रहे हैं, जिसको मेरे विचार में और आदिम जातीय उप-समिति के विचार में, नष्ट करने के बजाय बनाए रखना चाहिए। सुशासन के लिए जिस वस्तु की आवश्यकता है, वह वहां पहले ही है। यह सत्य है कि इन आदिम जातीय लोगों में से कुछ लोग कभी-कभी नराखेट करते हैं, किंतु यह स्पष्टतः समझ लेना चाहिए कि ऐसा तभी होता है, जब एक उप-जाति की दूसरी उप-जाति से शत्रुता होती है। इन लोगों में वंश परंपरा से सामूहिक घृणा की भावना होती है। अतः हमारे सामने यह प्रश्न पेश हुआ था कि क्या हम बल प्रयोग करके उनमें शत्रुता व घृणा की भावना उत्पन्न करें या हम उन्हें सद्भावना तथा प्रेम द्वारा शासन के विस्तृत सिद्धांतों के अंतर्गत लाएं। मंत्रणा समिति ने सोचा कि बाद वाला उपाय ही अपनाना चाहिए। मैं स्वयं गांधीवाद में दृढ़ विश्वास रखता हूं। अतः यदि गांधी प्रणाली का अनुसरण करना है, तो वही तरीका अपनाना पड़ेगा, जो हमने सर्वोत्तम समझा है। ...इस बीच, भारत की शासन-व्यवस्था में बहुत परिवर्तन हो गए हैं। अब केंद्र को अधिक शक्तियां दी जा रही हैं, जितनी पहले कल्पना नहीं थी। अतः इस समय उन शक्तियों को समुचित स्थान पर रखना है। जो संशोधन पेश किए गए हैं, उन पर की गई आलोचना से इसी प्रवृत्ति का संकेत मिलता है कि हमने इन स्वायत्तशासी परिषदों को अधिक शक्तियां दे दी हैं, शायद उनसे भी कहीं अधिक, जो असम राज्य का विधानमंडल दे सकता था। मैं इस विचार से सहमत नहीं हूं।

संविधान के मसौदे में उपबंध है कि इन क्षेत्रों पर सीधा राज्यपाल का प्रशासन होगा और उस पर कोई निर्बंधन नहीं होगा, किंतु ऐसा समय आ सकता है, जब वे अपना शासन स्वयं करने के योग्य हो जाएं। प्रस्थापना यह है कि उस समय उन्हें स्वायत्तशासी जिलों की श्रेणी में ले लिया जाए। ...पहले वे क्षेत्र बिल्कुल अपवर्जित क्षेत्र थे, क्योंकि मैदानों में से कोई भी वहां जाकर उनसे संपर्क स्थापित नहीं कर सकता था। 15 अगस्त, 1947 तक, जब भारत स्वाधीन हुआ था, यही स्थिति थी। ...इन क्षेत्रों में से कुछ संग्रामीय प्रदेश थे, युद्ध काल में तत्कालीन शासकों और अधिकारियों ने इन आदिम जातीय लोगों में अलगाव की भावना पैदा कर दी थी और उन्हें आश्वासन दे दिया था कि युद्ध के अंत में वे स्वतंत्र राज्य बनाकर अपने घर का स्वयं प्रबंध करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

नवाज शरीफ पर हमले से जुड़ा ट्वीट पीएमएल-एन कार्यकर्ता ने किया डिलीट

लंदन। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर लंदन में उनकी कार पर हमला किए जाने की खबर है। इस हमले में शरीफ बाल-बाल बच गए। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ के परिजनों ने कहा कि कोई हमला नहीं हुआ है। नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन के कार्यकर्ता खुर्रम बट ने ट्वीटर पर लिखा कि पीटीआई के कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के वाहन पर हमला किया। नवाज शरीफ ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि बाद में खुर्रम बट ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया है। वहीं, शरीफ परिवार के एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ पर कोई हमला नहीं हुआ। नवाज शरीफ सामाजिक संगठन ब्लैक लाइव्स मैटर और पुलिस के बीच झड़प के समय संयोग से वहीं थे। पास में ही शरीफ का वाहन खड़ा था। कहीं से फेंकी गई कॉफी उस वाहन पर गिरी। इसका मकसद नवाज शरीफ को निशाना बनाना नहीं था।

पाकिस्तान में 6.0 तीव्रता के भूकंप से हिली धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई हिस्सों में रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इससे दहशत फैल गई और लोगों को अपने घरों से बाहर निकलने को मजबूर होना पड़ा। मुल्क के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्र में 223 किलोमीटर की गहराई में था। इस वजह से विनाशकारी प्रभाव नहीं पड़ा। इस केंद्र के अधिकारियों ने कहा है कि इस्लामाबाद, पेशावर, स्वात, हरिपुर, मलकंद, एबटाबाद, बाटग्राम, कश्मीर, टेक्सलिया, पिंड दादान खान और देश के कई अन्य हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अभी तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। उल्लेखनीय है कि 2005 में पाकिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में 74,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

प्रधानमंत्री प्रचंड के भारत दौरे में प्रमुख ऊर्जा परियोजनाओं पर करार की तैयारी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की 31 मई से प्रस्तावित चार दिवसीय भारत यात्रा के दौरान ऊर्जा से संबंधित बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इसके मद्देनजर नेपाल के निवेश बोर्ड ने एक अहम फैसला लिया है। निवेश बोर्ड की रविवार सुबह हुई बैठक में 669 मेगावॉट लोअर अरुण हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट डेवलपमेंट एग्रीमेंट करने का फैसला किया गया है। प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत यात्रा के दौरान 480 मेगावाट के फुकोट करनाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए दोनों देशों के बीच समझौते को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। निवेश बोर्ड की बैठक में 679 मेगावाट के तमोर जलाशय परियोजना से चीनी कंपनी पावर चाइना से निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ाने पर स्पष्टीकरण मांगने का फैसला किया गया है। इसके मद्देनजर इस बात की भी संभावना जताई जा रही है कि नेपाल सरकार इस परियोजना से चीनी कंपनी से निर्माण कार्य वापस ले सकती है।

रूस का राष्ट्रपति बनना चाहते हैं प्रिगोझिन क्या हैं उनके बदले तेवर के मायने

मास्को। यूक्रेन के बाखमुट में रूस को जीत दिलवाने के बाद प्राइवेट आर्मी वागनर ग्रुप के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन का कद रूस में तेजी से बढ़ा है। यहां ऐसी चर्चा है कि अपनी नई बनी हैसियत के कारण प्रिगोझिन में देश का राष्ट्रपति बनने की महत्त्वाकांक्षा जग गई है। प्रिगोझिन इन दिनों रक्षा मंत्री सहित देश के पूरे सैनिक नेतृत्व की कड़ी आलोचना कर कर रहे हैं। उनके इस बदले तेवर को उनकी इसी महत्त्वाकांक्षा से जोड़ कर देखा जा रहा है।

प्रिगोझिन ने आरोप लगाया है कि रूस सरकार अपने बलों को पर्याप्त मात्रा में गोला-बारूद मुहैया नहीं करा रही है। उन्होंने यह भी कहा है कि जब वागनर ग्रुप के सैनिक बाखमुट के अंदरूनी इलाकों में लड़ रहे थे, तब रूसी सेना अपने मोर्चे की रक्षा करने में नाकाम रही। उन्होंने इस सिलसिले में राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन पर भी कटाक्ष किया है। एक बयान में उन्होंने पुतिन को उनके लिए रूस में प्रचलित संबोधन 'दादाजी' कह कर संबोधित किया।

अपनी आलोचना का दायरा बढ़ाते हुए अब उन्होंने यहां तक कह दिया है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ना एक बड़ी गलती थी, जो रूस के लिए विनाशकारी साबित हो रही है। क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय) ने इस पर चुप्पी साधे रखी है। इसे रहस्यमय माना जा रहा है। जबकि बाखमुट में नौ महीनों तक चली लड़ाई में भले वागनर ग्रुप के सैनिकों ने मुख्य भूमिका निभाई, लेकिन उसका कमान प्रिगोझिन के हाथ में नहीं था। यह नेतृत्व तो सैन्य कमांडरों सर्गेई सुरोविकिन और मिखाइल मिजिन्तसेव ने किया। प्रिगोझिन के बारे में बताया गया है कि वे प्रशिक्षित सैन्य कमांडर नहीं हैं। रूसी मामलों के विशेषज्ञ और वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर सिक्युरिटी पॉलिसी में सीनियर फेलॉ स्टीफन ब्रायन ने कहा है कि पुतिन और सेना की आलोचना पर क्रेमलिन की चुप्पी आश्चर्यजनक है, क्योंकि गुजरे महीनों में रूस में ऐसी आलोचना वर्जित रही है। ऐसे करने वाले आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया है। इस सिलसिले में ब्रायन ने जिक्र किया है कि 2024 में रूस में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। पुतिन 70 साल के हो चुके हैं। ब्रायन के मुताबिक पुतिन संभवतः अभी तक यह फैसला नहीं कर पाए हैं कि वे चुनाव मैदान में उतरेंगे या नहीं। ऐसे में इन कयासों को बल मिला है कि संभवतः पुतिन प्रिगोझिन को अपने उत्तराधिकारी के रूप में देख रहे हों।

विश्लेषकों के मुताबिक हालांकि प्रिगोझिन ने हाल में पुतिन पर भी कटाक्ष किए हैं, लेकिन अभी भी उन्हें पुतिन विश्वासपात्रों में माना जाता है। पुतिन के अन्य विश्वासपात्रों में रूस की खुफिया एजेंसी एफएसबी के पूर्व प्रमुख निकोलाई पेत्रुशेव और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव भी हैं। पुतिन के संभावित उत्तराधिकारियों में हाल तक इन दोनों के नाम की चर्चा रही है। लेकिन बाखमुट युद्ध में जीत के बाद इसमें प्रिगोझिन का नाम भी जुड़ गया है।

पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह का दावा

कानून प्रवर्तन अधिकारियों को झूठे मामलों में फंसाने की साजिश रच रही पीटीआई

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक ओर जहां उनकी पार्टी के नेता एक के बाद एक उनसे किनारा करते जा रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान की गठबंधन सरकार पीटीआई पर बैन लगाने की तैयारी में है। इस बीच, पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने इंटरसेप्टेड फोन कॉल से इमरान खान की पार्टी की फर्जी छापेमारी की साजिश का खुलासा हुआ है।

पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने दावा किया है कि खुफिया एजेंसियों को एक इंटरसेप्टेड फोन कॉल से पता चला है कि इमरान खान की पार्टी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को बदनाम करने की साजिश रच रही है। सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई के इस कदम का उद्देश्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों को फर्जी आरोपों में फंसाना और बाद में इस मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाना था। हालांकि, सनाउल्लाह ने अपने दावों को पुख्ता करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है।

27 साल पुरानी पीटीआई पर प्रतिबंध की तलवार; 9 मई के प्रदर्शन के बाद 60 नेताओं ने छोड़ा इमरान का साथ

पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक और राजनैतिक संकटों का सामना कर रहा है। एक ओर जहां उसके दिवालिया होने का खतरा मंडरा रहा है वहीं, दूसरी ओर इमरान खान को लेकर गहराया वर्तमान राजनैतिक संकट भी भयावह होता जा रहा है। इस बीच सामने आया है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई अपने अस्तित्व के सबसे कठिन दौर में है। हाल ही में संकेत मिले थे कि पाकिस्तान की गठबंधन सरकार 27 साल पुरानी पार्टी पर प्रतिबंध लगा सकती है। दरअसल, 9 मई, 2023 को भ्रष्टाचार एक मामले में इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद देश भर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। खान को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट से गिरफ्तार किया था। अधिकारियों का आरोप है कि खान और उनकी पत्नी ने एक चैरिटेबल ट्रस्ट के जरिए एक रियल एस्टेट कारोबारी से रिश्वत के रूप में लाखों डॉलर की जमीन हासिल की। 25 अप्रैल, 1996 को लाहौर में इमरान खान द्वारा स्थापित की गई पार्टी से कई नेताओं ने हालिया घटनाओं के बाद किनारा कर लिया है। इनमें इमरान के करीबी पूर्व मंत्री असद उमर, शिरीन मजारी, फवाद चौधरी और फिरदौस आशिक अवान का नाम भी शामिल है।

इमरान खान ने किया सनाउल्लाह पर पलटवार

वहीं, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान ने रविवार को सनाउल्लाह पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री साफ तौर पर मीडिया में आने वाली डरावनी कहानियों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि अगर जेलों में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के बारे में कोई संदेह था, तो प्रेस कॉन्फ्रेंस से ऐसे सभी संदेह दूर हो जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ राज्य द्वारा कभी भी इतना दुर्व्यवहार और उत्पीड़न नहीं किया गया, जितना कि इस फासीवादी सरकार द्वारा किया गया है, जब वे शांतिपूर्वक विरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर रही थीं।

पीटीआई पर बैन की तैयारी

सत्तारूढ़ पीडीएम सरकार उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को इसकी पुष्टि की थी कि सरकार पीटीआई पर पाबंदी लगाने पर विचार किया जा रहा है। नौ मई की घटनाओं के बाद खान की पार्टी के 60 से अधिक नेता अलग हो गए हैं। पार्टी छोड़ने वाले प्रमुख नेताओं में महासचिव असद उमर, वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी और पूर्व मंत्री शिरीन मजारी शामिल हैं।

अफगानिस्तान-ईरान में पानी को लेकर बॉर्डर पर मुठभेड़

गोलीबारी 4 लोगों की मौत तालिबान बोला- हम 24 घंटे में ईरान को जीत सकते हैं

तहरान/काबुल। अफगानिस्तान और ईरान की सेनाएं रविवार को बॉर्डर पर भिड़ गईं। दोनों देशों के बीच इस्लामिक रिपब्लिक बॉर्डर पर भारी गोलीबारी हुई। ये लड़ाई ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत और अफगानिस्तान के निमरोज प्रांत की सीमा पर हुई। इसमें तालिबान के एक लड़ाके और ईरानी आर्मी के 3 सैनिकों की मौत हो गई।

दोनों देशों के बीच हेलमंद नदी के पानी पर अधिकार को लेकर विवाद है। ईरानी मीडिया इरना ने तालिबान को पहले गोलीबारी शुरू करने का जिम्मेदार ठहराया। वहीं तालिबान के मुताबिक, इस जंग की शुरुआत ईरान ने की थी। तालिबान के एक कमांडर हामिद खोरासानी ने कहा- अगर तालिबानी नेताओं ने मंजूरी दी तो हम 24 घंटे के अंदर ईरान पर जीत हासिल कर लेंगे।

तालिबानी कमांडर और पक्तिया प्रांत के अहमदाबाद जिले के पूर्व गवर्नर अब्दुल हामिद खोरासानी ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा- जिस उत्साह के साथ हम अमेरिकियों के खिलाफ लड़े थे, उससे कहीं ज्यादा जोश के साथ हम ईरान के खिलाफ लड़ेंगे। ईरान को तालिबानी नेताओं के धैर्य का शुक्रगुजार होना चाहिए। अगर तालिबान के सीनियर नेता हमें इजाजत देते हैं, तो हम ईरान पर जीत हासिल कर लेंगे।

ईरान बोला- हमारी सेना हर हमले का जवाब देगी- दूसरी तरफ, ईरान ने भी लड़ाई में तालिबान को हराने का संकल्प लिया है। ईरान के पुलिस चीफ अहमदरजा रदान ने कहा- हमारी बॉर्डर फोर्स हर हमले का जवाब देगी। अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करने का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उसे अपने एक्शन्स का जवाब देना होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तालिबान इस लड़ाई में मिसाइल, तोपों और मशीन गन्स का इस्तेमाल कर रहा है। सोशल मीडिया पर जंग से जुड़े कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इनमें बॉर्डर के पास सड़कों पर बख्तरबंद गाड़ियां भी नजर आ रही हैं। इनमें से ज्यादातर हथियार 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद अमेरिकी सेना वहां छोड़ गई थी।

तुर्किये में दूसरे चरण का मतदान जारी, राष्ट्रपति पद के लिए एर्दोगन को कड़ी चुनौती

अंकारा। तुर्किये में दूसरे चरण का राष्ट्रपति चुनाव रविवार को जारी है। लंबे समय से सत्ता में काबिज रेसेप तैयप एर्दोगन और विपक्षी नेता केमल किलिकडारोग्लू राष्ट्रपति चुनाव में दौड़ रहे हैं। रविवार को हो रहे मतदान के लिए कुल 191,885 मतपेटियां लगाई गई हैं। देश में कुल 6.4 करोड़ मतदाता रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 19 लाख से अधिक विदेशी लोगों ने पहले ही मतदान कर दिया है।

तुर्किये मीडिया के अनुसार, 24 मई को विदेशी मतदान किए गए थे। रविवार को मतदान वहां के समयानुसार, शाम पांच बजे तक चलेंगे। इसके पहले 14 मई को राष्ट्रपति चुनाव का पहला चरण आयोजित किया गया था। दूसरे चरण के मतदान से पहले राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा था कि देश और बच्चों के भविष्य के लिए मजबूत विकल्प चुनना होगा। वहीं विपक्षी नेता केमल ने कहा कि पहली बार देश को दो उम्मीदवारों और दो विचारों के बीच किसी एक को चुनना होगा। बता दें, 29 अक्टूबर को तुर्किए को अस्तित्व में आए 100 साल पूरे हो जाएंगे। इसके लिए एर्दोगन ने तुर्की की सदी नाम से देश की रणनीति तैयार की है। चुनावों के बाद कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई गई थी। अपने आखिरी रैली में एर्दोगन ने विपक्ष पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष को पश्चिमी देशों से आदेश दिया जा रहा है। यदि उनकी सरकार बनती है तो वे पश्चिमी देशों की इच्छाओं के आगे झुक जाएंगे। विश्लेषकों ने अनुमान लगाया कि राष्ट्रपति की दौड़ में एर्दोगन, मुख्य विपक्षी उम्मीदवार केमाल किलिकदारोग्लु और रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी और छह पार्टी राष्ट्र गठबंधन के लिए उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर होने वाली है। तुर्किये के उप विदेश मंत्री ने बताया कि विदेशों में रहने वाले तुर्की के लोगों ने पहले ही मतदान कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस साल फरवरी में आए भूकंप में जिन क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा था, उनमें से अधिकतर इलाका राष्ट्रपति एर्दोगन का गढ़ था। राष्ट्रपति की दौड़ में एर्दोगन और किलिकदारोग्लु के अलावा राइट विंग एंसेस्ट्रल अलाइंस के उम्मीदवार सिनान ओगन भी शामिल है। वहीं सेंट्रिस्ट होमलैंड के उम्मीदवार इंस ने बताया कि उनके खिलाफ चलाए गए बदनामी अभियान के बाद उन्होंने इस दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया था। वे तुर्की के सोशल मीडिया पर हफ्तो तक झूठे आरोपो का सामना करते रहे। साल 2018 में उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव की रेस में शामिल हुए थे लेकिन एर्दोगन के हाथों उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

पिछले साल यूएस में ठंड से मरे थे 4 भारतीय

जिस व्यक्ति पर लगा था मौत का आरोप, उसने कहा- मैं दोषी नहीं

हस्टन। फ्लोरिडा के एक व्यक्ति ने खुद पर लगाए गए मानव तस्करी के आरोपों से साफ इनकार कर दिया है। उसका कहना है कि उसने कोई मानव तस्करी नहीं की है। गौरतलब है, 48 वर्षीय स्टीव शैंड पर अमेरिकी कानून का उल्लंघन कर भारतीय प्रवासियों को देश में अवैध रूप से लाने का आरोप है। वहीं, इस पर चार भारतीय प्रवासियों के ठंड से जमकर मौत होने का भी आरोप लगा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मिनेसोटा के डुलुथ में सुनवाई हो रही थी। इस दौरान जब मजिस्ट्रेट न्यायाधीश लियो ब्रिस्बोइस ने कहा कि तुम पर मानव तस्करी का आरोप है। इस पर क्या कहोगे। तो शैंड ने कहा कि मैं दोषी नहीं हूं।

बता दें, शैंड पर जिन चार लोगों की जान लेने का आरोप है उनकी पहचान 39 वर्षीय जगदीश पटेल, उनकी 37 वर्षीय पत्नी वैशालीबेन, उनकी 11 साल की बेटी विहंगी और तीन वर्षीय बेटे धार्मिक के रूप में हुई है। वहीं, इस परिवार की मौत का भारत में भी तीन लोगों पर आरोप लगा है।

गौरतलब है, शैंड अपनी वैन में दो भारतीयों को बगैर वैध दस्तावेजों के कनाडा से लेकर अमेरिका में घुसा था। उसे कनाडा-अमेरिका सीमा के दो किलोमीटर दूर ग्रामीण इलाके में पकड़ लिया गया था। जब इन दोनों भारतीयों व शैंड को पेम्बिना बॉर्डर चौकी पर लाया जा रहा था तब वहां सुरक्षा एजेंसियों को पांच और भारतीय मिल गए। ये मिनसोटा के एक गैस संयंत्र की ओर जा रहे थे, जहां स्टाफ की जरूरत थी। इन पांचों भारतीयों ने बताया कि ये इस आस में पैदल आ गए थे कि उन्हें कनाडा के सीमावर्ती इलाके से कोई लेने आएगा। उनके पास पूर्व में आए चार भारतीयों के बैग भी थे। इसके बाद 19 जनवरी को खबर मिली कि रॉयल माउंटेड कनाडा पुलिस को चार शव मिले हैं, जो बर्फ व ठंड कारण जम गए हैं। ये शव कनाडा की अंतरराष्ट्रीय सीमा के अंदर मिले हैं। ये उन्हीं भारतीयों के शव हैं, जो उक्त लोगों से बिछुड़ गए थे।

अमेरिका के दिवालिया होने का खतरा टला : कर्ज सीमा 2 साल बढ़ेगी, स्पीकर बोले-

सरकारी की मनमानी रुकेगी, नया टैक्स भी नहीं थोपेंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका के दिवालिया होने का खतरा फिलहाल टल गया है। शनिवार को राष्ट्रपति जो बाइडेन और रिपब्लिकन पार्टी से स्पीकर केविन मैक्कार्थी के बीच 2 साल के लिए कर्ज की सीमा बढ़ाने पर सहमति बन गई है। इस दौरान सरकारी खर्चों में कटौती की जाएगी। इस डील के साथ सरकार ने कर्ज लेने की सीमा इतनी बढ़ाई है कि अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में कोई दिक्कत न हो।

अमेरिका में फिलहाल कर्ज की सीमा 31.4 ट्रिलियन डॉलर है। डील फाइनल होने के बाद बुधवार को अमेरिकी संसद में इस पर वोटिंग होगी। इससे पहले शनिवार को डील के लिए बाइडेन और मैक्कार्थी के बीच करीब 90 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई। कैपिटल ऑफिस के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैक्कार्थी ने कहा- हमने एक ऐतिहासिक एग्रीमेंट किया है। इससे सरकार के खर्चों में कटौती होगी और अमेरिका की जनता को गरीबी से बाहर आने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे सरकार की मनमानियों पर लगाम लगेगी और जनता पर कोई नया टैक्स नहीं थोपा जाएगा।

स्पीकर मैक्कार्थी ने ट्वीट करते हुए कहा- मेरी राष्ट्रपति से बात हुई। महीनों तक समय बर्बाद करने के बाद आखिरकार उन्होंने एक ऐसे एग्रीमेंट पर सहमति जताई है जो देश की जनता के हित में है। उन्होंने कहा कि हमें डील पर रातभर काम करके इसका विधेयक तैयार करना है, जिससे बुधवार को इस पर वोटिंग की जा सके। कांग्रेस से पास होने के बाद ये बिल राष्ट्रपति बाइडेन के पास साइन होने के लिए भेजा जाएगा। दरअसल, अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स यानी निचले सदन में बाइडेन की पार्टी के सांसदों की संख्या कम है। ऐसे में वो विपक्षी दलों को मनाने की कोशिश कर रहे थे। जबकि ट्रंप की पार्टी के सांसदों की मांग थी कि बाइडेन सरकार खर्च कम करे, तभी वो कर्ज बढ़ाने का समर्थन करेंगे। अप्रैल में रिपब्लिकन पार्टी ने एक बिल पास किया था, जिसमें ये प्रस्ताव रखा गया था कि अगर बाइडेन अपने हेल्थ, क्लाइमेट चेंज और सोशल प्रोग्राम जैसी योजनाओं में 14 प्रतिशत की कटौती करने को तैयार हैं तो वो कर्ज की सीमा को बढ़ा देंगे। रिपब्लिकन पार्टी लगातार अर्थव्यवस्था पर डेमोक्रेट्स को घेरती रही है।

अमेरिका में सरकार के कर्ज की एक सीमा तय होती है। वो देश चलाने के लिए उससे ज्यादा उधार नहीं ले सकती है। बीते सालों में सरकार को कैशलेस होने से बचाने के लिए ये सीमा कई बार बढ़ी है। अमेरिका की ओर से इस तिमाही में 726 बिलियन डॉलर की राशि उधार लेने का लक्ष्य रखा गया है। यह जनवरी में पेश किए गए अनुमान से 449 बिलियन डॉलर अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का बजट घाटा बहुत ज्यादा है। इसका मतलब ये हुआ कि सरकार का खर्च उसकी कमाई से कहीं ज्यादा है। इसके चलते उसे अपने कामकाज के लिए कर्ज लेना पड़ता है। अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक मार्च 2023 में वहां की सरकार का बजट घाटा 30 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया था। रिसर्च सेंटर के मुताबिक 2022 में अमेरिका की जीडीपी पर 121 प्रतिशत का कर्ज था। इससे समझा जा सकता है कि वहां की सरकार अपने खर्चों के लिए किस हद तक कर्ज पर निर्भर करती है। अमेरिका पर 2019 से 2021 तक कर्ज बढ़ने की कई वजह हैं। विकसित देश रेवेन्यू कमाने के लिए कर्ज बाजार में पैसा लगाते हैं। साथ ही सरकार पर बेरोजगारी बढ़ने, ब्याज दर में कटौती जैसे कारणों से भी कर्ज बढ़ते हैं। ब्याज दर में कटौती से अमेरिका में महंगाई बढ़ी। सरकार ने खर्च पर रोक न लगाकर कर्ज लेकर उसकी भरपाई की। कॉरपोरेट टैक्स 2019 में 35 प्रतिशत से घटाकर 21 प्रतिशत कर दिया गया।

व्हाइट हाउस पहुंची नीरा टंडन ने कहा, आप्रवासन पर करेंगी काम, कहा-अभी मोदी की यात्रा में जुटा है प्रशासन

वाशिंगटन। मेरिका में सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ नीरा टंडन ने कहा कि वह अप्रवासियों की बेटी के रूप में अपना अनुभव प्रवासी समुदाय के साथ बांटेंगी। उन्होंने कहा, वह व्हाइट हाउस घरेलू नीति सलाहकार के रूप में अपनी नई भूमिका में अप्रवासन के मुद्दे पर काम करेंगी। टंडन ने कहा, व्हाइट हाउस अभी पीएम नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा की तैयारी में जुटा है और भारतवंशी समृद्ध समुदाय दो देशों के लिए एक संपत्ति है।

52 वर्षीय टंडन ने शनिवार को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुसान राइस की व्हाइट हाउस में घरेलू नीति सलाहकार की जगह ली। यह व्हाइट हाउस में सबसे शक्तिशाली पदों में से एक है। उन्होंने कहा, मैं घरेलू नीति परिषद सलाहकार के रूप में कार्यभार संभालने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने एक कानून पर हस्ताक्षर कर वजन और लंबाई जैसे शारीरिक मापदंडों के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंध कर दिया। वजन और लंबाई अब नस्ल, लिंग और धर्म जैसे संरक्षित वर्गों की सूची में शामिल हो गए हैं। मेयर ने कहा, हम सभी रोजगार-आवास तक समान पहुंच के पात्र हैं, भले ही हम कैसे भी दिखते हों।

इनेलो शासन में रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा युवाओं को : अभय चौटाला

हिसार (हिंस)। इनेलो के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार से हर वर्ग दुखी है और जनता इनसे छुटकारा चाहती है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन पदयात्रा में हर वर्ग निर्णायक भूमिका अदा करें। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि इनेलो सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। अभय सिंह चौटाला रविवार को हरियाणा परिवर्तन पदयात्रा के 87वें दिन जिले के गांवों में जनता से मिल रहे थे। वे हांसी व नारनौंद विधानसभा हलकों में लोगों से मिले। इनेलो नेता ने जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2024 में भाजपा और उसके गठबंधन के सहयोगी दलों को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में खामियाजा भुगतना होगा क्योंकि प्रदेश की जनता ने अब देश और प्रदेश में परिवर्तन लाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में हर तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। अब देश एवं प्रदेश की सरकारों के खिलाफ उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन पदयात्रा देश और प्रदेश में बड़ा बदलाव लेकर आएगी। इस बदलाव के लिए युवाओं की भूमिका अहम है और इनेलो 50 प्रतिशत टिकटें युवाओं को देगी। अभय चौटाला ने कहा कि वो दिन दूर नहीं है जब हरियाणा में इनेलो की सरकार ही नहीं बनेगी बल्कि एक स्वर्णिम युग का भी आगाज होगा, पढ़े-लिखे युवा को रोजगार के लिए नहीं भटकना पड़ेगा, लोगों को विकास के लिए बाट नहीं जोहनी पड़ेगी, किसानों को हक अधिकार के लिए सड़कें नहीं मापनी पड़ेगी, कर्मचारियों को अपनी मांगों की पूर्ति के लिए आंदोलन नहीं करना पड़ेगा और बिजली-पानी की कोई किल्लत नहीं रहेगी। अभय चौटाला ने कहा कि हरियाणा में विकास का सूत्रधार एकमात्र इनेलो ही है और इनेलो की इस परिवर्तन यात्रा में हर वर्ग को मिलकर एकता के साथ अपनी निर्णायक भूमिका अदा करनी पड़ेगी। इनेलो महासचिव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा-जजपा सरकार ई-टैंडरिंग के मामले में सरपंचों की भावनाओं से खिलवाड़ ही नहीं कर रही बल्कि जनता के इन प्रतिनिधियों के संवैधानिक पद का अपमान भी कर रही है। उन्होंने कहा कि इस तानाशाही गठबंधन सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए अब एकजुटता के साथ इनेलो का साथ देना होगा। अभय चौटाला ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की गठबंधन सरकार को घेरते हुए कहा कि सरपंचों की मांगें बिल्कुल जायज है लेकिन प्रदेश की यह सरकार इस वर्ग के भी खिलाफ फैसले लेकर तुगलकी नीति लागू करना चाह रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने विधानसभा में सत्र के दौरान जजपा नेताओं द्वारा किए जा रहे जमीन घोटालों पर जब पर्दा उठाने का प्रयास किया तो सत्ता पक्ष ही नहीं बल्कि विपक्ष में बैठे लोग भी सरकार का समर्थन करते हुए अपना विपक्ष का धर्म भूल बैठे।

यमुनानगर में आमजन के साथ संपर्क बनाएं भाजपा कार्यकर्ता : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर जिला यमुनानगर में महासम्पर्क अभियान चलाया जाएगा। उसी की तैयारियों को लेकर रविवार को भाजपा जिला कार्यालय यमुना कमल हुड्डा जगाधरी में भाजपा जिला कोर कमेटी की बैठक हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा ने बताया कि महा संपर्क अभियान के तहत पूरे जिला यमुनानगर में भाजपा व उसके विभिन्न मोर्चा व प्रकोष्ठ भाजपा सरकार के लाभार्थियों से संपर्क करेंगे। व्यापारियों, महिलाओं, युवाओं के सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। भाजपा सरकार की उपलब्धियों पर प्रर्दशनी लगाई जाएगी। यह अभियान भाजपा बूथ स्तर से आगे पन्ना प्रमुख के जरिए हर घर तक महा संपर्क करेंगी व आमजनों को भाजपा सरकार व भाजपा संगठन की योजनाओं से अवगत कराएंगे। उन्होंने बताया 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 23 जून को स्वर्गीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि व 25 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को लेकर विभिन्न भाजपा मोर्चा व प्रकोष्ठों की ड्यूटियां लगाई गई है। यह महा संपर्क अभियान एक साथ भाजपा व उसके सहयोगी सभी मोर्चे 30 मई से 30 जून तक चलाएंगे। स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कोर कमेटी की बैठक में कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार व हरियाणा की मनोहर सरकार की उपलब्धियों व नीतियों से जनता को अवगत कराना अति आवश्यक है ताकि आम जन को इन सभी सरकारी योजनाओं का लाभ जल्द से जल्द पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि हमारे भाजपा कार्यकर्ता आमजन के साथ लगातार संपर्क बना कर रखें व उसके सुख दुख में शामिल हो, आम जनता के हितों से जुड़े सार्वजनिक कार्यों को आगे बढ़कर करवाए। इस मौके पर भाजपा सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, मेयर मदन चौहान, प्रदेश सचिव ईश्वर पलाका सहित बड़ी संख्या में जिला भाजपा पदाधिकारी सदस्य भी शामिल रहें।

केंद्र की भाजपा सरकार के कुशासन के विरुद्ध कांग्रेस का प्रदर्शन

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में रविवार को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह खाचरियावास के आह्वान पर केंद्र की भाजपा सरकार के नौ वर्ष के कुशासन, झूठ, फरेब और धोखे के विरोध में जयपुर के सभी ढाई सौ वार्डों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन कर विरोध किया। इस दौरान वार्डों में इकट्ठे हुए सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और नोटबंदी के विरुद्ध भाजपा के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की। सुभाष नगर शास्त्री नगर के दूध मंडी चौराहे पर कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि भाजपा के नौ वर्ष के कुशासन के कारण पूरे देश की जनता महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी से परेशान है। डॉलर के मुकाबले रुपया बुरी तरह से पिट गया है। पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर की महंगाई ने कमर तोड़ दी है, जनता की सुनने वाला कोई नहीं है। खाचरियावास ने कहा कि पहले महंगाई, भ्रष्टाचार हटाने और काला धन वापस लाने के नाम पर 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए गए और यह कहा कि 500 और 1000 के नोट बंद करके काला धन लेकर आऊंगा। उस दौरान 500-1000 के नोट नष्ट करने और नए नोट छापने में 50 हजार करोड़ रुपए खर्च हो गए। जनता के खून पसीने की गाड़ी कमाई पानी में मिला दी और अब सिर्फ साढे छह वर्षों के बाद 2000 का नोट बंद करके पूरे देश की जनता को फिर लाइनों में खड़ा कर दिया। खाचरियावास ने कहा भाजपा देश की जनता को परेशान करके खुश होती है यह लोकतंत्र का अपमान है। ऐसा लगता है भय भूख गरीबी और बेरोजगारी से भाजपा को कोई लेना देना नहीं है। भाजपा के शासन में पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है, जनता की सुध लेने वाला कोई नहीं है। खाचरियावास ने कहा कि धर्म के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़का कर भाजपा देश पर शासन करना चाहती है लेकिन यह तय है जैसे कर्नाटक में बजरंगबली ने कांग्रेस को आशीर्वाद दिया उसी तरह राजस्थान में भी बजरंगबली कांग्रेस को आशीर्वाद देंगे और भाजपा का सफाया हो जाएगा।

प्रदेश में मानव तस्करी की जांच के लिए एसआईटी गठित

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने नौकरी और अच्छे वेतन का लालच देकर महिलाओं को मध्य एशिया के देशों में अवैध तरीके ले जाने की घटनाओं की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने के साथ-साथ ऐसे मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज करने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी है। आईपीएस अधिकारी रणधीर कुमार के नेतृत्व में गठित एसआईटी राज्य से मानव तस्करी के सभी मामलों की जांच करेगी। ब्यूरो आफ इनवेस्टीगेशन (बीओआई) ने एसआईटी के गठन के साथ ही रणधीर कुमार को यह अधिकार दिया है कि वह संबंधित पुलिस थाना, जहां एफआईआर दर्ज की गई है, से जुड़े किसी भी अधिकारी को जांच में सहयोग के लिए एसआईटी में शामिल कर सकते हैं। इसके साथ ही, लुधियाना रेंज के आईजी कौस्तुभ शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो ऐसे मामलों में बिना किसी रुकावट के पंजाब भर में एफआईआर दर्ज किए जाने के काम की निगरानी करेंगे। बीओआई के निदेशक एलके यादव की ओर से जारी उपरोक्त

आदेश में कहा गया है कि सामने आया है कि कई महिलाओं को अच्छा रोजगार और वेतन देने का लालच देकर भारत से मध्य पूर्व के देशों में अवैध तरीके और मानव तस्करी के जरिए ले जाया गया है। लेकिन वहां इन महिलाओं को कैदी बना कर रखा गया या जिंदा रहने और भुखमरी से संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया। ऐसी ही एक घटना को लेकर फिरोजपुर के घल खुर्द पुलिस थाने में गत 2 मई को एफआईआर दर्ज की गई है। बीओआई ने इस संबंध में जारी आदेश में पूरे राज्य में पुलिस को ऐसे मामलों की गंभीरता और गहराई को देखते हुए, बिना समय गंवाए एफआईआर दर्ज करने को कहा है। पंजाब से महिलाओं को नौकरी और आकर्षक वेतन का लालच देकर मध्य एशिया के देशों में बेच दिए जाने के अनेक मामले सामने आते रहे हैं, जिनमें स्थानीय सांसदों और सियासी नेताओं के प्रयासों से कई महिलाओं को बचाकर भारत लाया गया है। ताजा मामला फिरोजपुर के घल खुर्द पुलिस थाने में 2 मई को एक महिला की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में सामने आया है, जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि विदेश में नौकरी के लिए उसके एक रिश्तेदार ने हैदराबाद के एक ट्रैवल एजेंट अहमद अब्दुल्ला से संपर्क कराया, जिसने उसे 2 साल के वर्क वीजा पर ओमान भेजने की बात कही।

पूर्व सीएम चन्नी के कार्यकाल में चमकौर साहिब में हुए कार्यों की विजिलेंस जांच शुरू

रोपड़। पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच करने के साथ विजिलेंस ने अब उनके विधानसभा क्षेत्र चमकौर साहिब में हुए विकास कार्यों की छानबीन में जुट गई है। शुक्रवार को विजिलेंस की टीम चमकौर साहिब पहुंची और वहां हुए विकास कार्यों से जुड़े दस्तावेज जब्त कर साथ ले गई। टीम चन्नी के मुख्यमंत्री रहते हुए इस्तेमाल की गई सरकारी ग्रांट की जांच कर रही है। पिछले ही दिनों सीएम भगवंत मान ने चन्नी पर अपने भांजे व भतीजे द्वारा एक खिलाड़ी को नौकरी देने के लिए पैसे मांगने के भी आरोप लगाए थे। लगभग छह महीने पहले स्थानीय पार्षदों ने चमकौर साहब में हुए विकास कार्यों में गड़बड़ी की शिकायत की थी। विजिलेंस के अधिकारी चांद कुमार सिंगला की अगुवाई में टीम ने शुक्रवार को छह घंटे तक जांच की, लेकिन इस बारे में कोई जानकारी देने से इन्कार कर दिया। इस शिकायत में पार्षद सुखवीर सिंह, भूपिंदर सिंह, कमलेश वर्मा के पति दर्शन वर्मा, परमजीत कौर के पति शमशेर सिंह ने काउंसिल अध्यक्ष पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया था। इस शिकायत में सीवरेज लाइन, अवैध कॉलोनियां व अवैध निर्माण को मंजूरी देने के आरोप लगाए गए थे।

प्रदेश में परिवर्तन और बदलाव की लहर चली, कांग्रेस फिर बनाएगी सरकार : दीपेंद्र

फतेहाबाद (हिंस)। राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि आज प्रदेश में बदलाव और परिवर्तन की लहर चल रही है। आने वाले चुनावों में प्रदेश की जनता भाजपा सरकार को चलता करेगी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा फिर से प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। वे रविवार को फतेहाबाद में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल का कार्यक्रम जनसंवाद न होकर जन अपमान दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री को अपनी प्रशंसा की आदत हो गई है। भाजपा-जजपा सरकार का घमंड 7वें आसमान पर नजर आ रहा है। ऐसे में अब कांग्रेस जनता के साथ मिलकर इस सरकार घमंड तोड़ने का काम करेगी। पहलवानों के समर्थन में किसान नेताओं को नजरबंद करने के सवाल पर दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्वक अपनी आवाज उठाने का सभी को

अधिकार है। पहलवान दिल्ली में आत्मसम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं। शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर न्याय मांग रहे हैं लेकिन भाजपा सरकार बेटियों को न्याय देने की बजाए उन्हें परेशान करने का काम कर रही है। रविवार का दिन भाजपा के लिए झटकों भरा रहा। आज फतेहाबाद में कांग्रेस में बंपर ज्वाइनिंग हुई। फतेहाबाद पहुंचे राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा की मौजूदगी में फतेहाबाद नगरपरिषद के पूर्व प्रधान एवं भाजपा विधायक दुड़ाराम के खासमखास रहे जुगलाल टुटेजा अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए। इसके अलावा फतेहाबाद, भूना और भट्टू से भी अनेक विपक्षी दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का दामन थामा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक अरोड़ा व पूर्व मुख्य संसदीय सचिव एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा के प्रयासों से कांग्रेस को यह जबरदस्त सफलता मिली है। रविवार को होटल मेजबान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कांग्रेस में शामिल होने वालों को कांग्रेस का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया और पार्टी में पूरा मान-सम्मान देने की बात कही। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक अरोड़ा, पूर्व मंत्री परमवीर सिंह, विधायक शीशपाल केहरवाला, व्यापार मंडल प्रधान बजरंग दास गर्ग, पूर्व सांसद डॉ. सुशील इंदौरा, रतिया के पूर्व विधायक जरनैल सिंह, पूर्व विधायक नरेश सेलवाल सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए शिक्षण संस्थानों में किया गया पूर्वाभ्यास

सोनीपत (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल के निर्देशन में रविवार को जिला में गांवों, शहरों तथा शिक्षण संस्थानों में आयुष विभाग के योग सहायकों द्वारा योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राजलूगढ़ी में कार्यरत एएमओ डॉ. बलविंद्र सिंह के नेतृत्व में योग सहायक अनिल कुमार, धीरज कुमार तथा मीनाक्षी ने विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों को योग प्रशिक्षण दिया। योग सहायकों ने विद्यार्थियों को प्राणायाम, ताड़ासन, वक्रासन, भुजंगासन, कपालभांति, अनुलोम-विलोम का अभ्यास करवाया। योग सहायकों ने कहा कि योगाभ्यास शरीर, मन, विचार एवं कर्म के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग व्यायाम होने के साथ-साथ स्वयं के साथ विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अंदर जागरूकता उत्पन्न करता है। इसलिए हर मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन योग करना चाहिए।

पहलवानों के समर्थन में दिल्ली कूच कर रहे खेलप्रेमियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिवानी (हिंस)। जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पहलवानों के समर्थन में यहां से दिल्ली के लिए कूच करने वाले खेल प्रेमी किसानों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल, यौन शोषण के आरोपों को लेकर न्याय की मांग को लेकर भारतीय पहलवान करीबन एक माह से दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरनारत है। इन धरनारत खिलाड़ियों के समर्थन में अखिल भारतीय किसान सभा ने रविवार को दिल्ली कूच कर खिलाड़ियों के समर्थन में धरने देने का आह्वान किया गया था। तय कार्यक्रम अनुसार रविवार को दिल्ली कूच कर रहे किसान सभा के सदस्यों को भिवानी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से किसान सभा के सदस्यों में खासा रोष है। इस दौरान दिल्ली कूच कर रहे करीबन 34 किसान एवं महिलाओं को गिरफ्तार कर लोहारू थाना में ले जाया गया। पुलिस की कार्रवाई की निंदा करते हुए कामरेड ओमप्रकाश एवं कमल प्रधान ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार महिला पहलवानों के कथित यौन शोषण कारियों को बचाने के लिए तानाशाही कार्रवाई पर उतर आई है। शांतिपूर्ण आंदोलन को पुलिस की मदद से कुचलने का हथकंडा अपना रही है, लेकिन सरकार इन सब हथकंडों के बावजूद भी जनआंदोलन को कुचला नहीं सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि आज देश के हालात हालात वर्ष 1975 के आपातकाल से भी बुरे हो गये हैं। प्रजातंत्र का गला घोट दिया है। उन्होंने कहा कि जितनी ताकत से सरकार दमन पर उतरेगी, उतनी ही वह जनता से अलग-थलग पड़ेगी तथा उसका जनाधार सिकुड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह देश की बेटियों के सम्मान की लड़ाई है और उनके समान के लिए किसान-मजदूर सर्वस्व कुर्बानी देने के लिए आगे आएगा। उन्होंने कहा जब तक आरोपित गिरफ्तार नहीं होगे और बेटियों को न्याय नहीं मिलेगा तब तक संघर्ष और आन्दोलन तेज होता जाएगा। इस मामले में एसएचओ सुनील कुमार ने बताया कि कोई असामाजिक तत्व अप्रिय घटना को अंजाम ना दे सकें, इस उद्देश्य को लेकर यह कार्रवाई की गई थी।

करंट से दादा-पोते की मौत, ग्रामीणों का प्रदर्शन, डिस्कॉम ने किया लाइनमैन को सस्पेंड

श्रीमाधोपुर (हिंस)। श्रीमाधोपुर थाना क्षेत्र के नांगल-लिसाड़िया सड़क मार्ग पर पकोड़ी ढाणी (ढाणी बहादुरसिंह वाली) में रविवार को करंट की चपेट में आने से दादा-पोते की मौत हो गई। दोनों को बचाने के प्रयास में एक अन्य पोता भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को जयपुर रेफर किया गया है। घटना आक्रोशित ग्रामीणों व परिजनों ने अजीतगढ़ के सरकारी हॉस्पिटल में करीब साढ़े 3 घंटे तक प्रदर्शन किया और मुआवजे की मांग की। घटना में डिस्कॉम ने लापरवाही के आरोप में एक लाइनमैन को निलंबित कर दिया है। बताया गया कि पकोड़ी ढाणी (ढाणी बहादुरसिंह वाली) में भागीरथदास स्वामी (65) अपने 17 साल के पोते अंकित स्वामी पुत्र मुकेश स्वामी के साथ रविवार सुबह खेत पर काम करने के लिए गया था। करीब साढ़े 7 बजे भागीरथ खेत में सड़क किनारे लगी डीपी के पास फावड़े से घास की खुदाई कर रहा था। पास ही ताण (खंभे का सपोर्टिंग वायर) में करंट था, जिसकी चपेट में आकर भागीरथ तड़पने लगा। दादा को तड़पते देख 17 वर्षीय पोता अंकित स्वामी उन्हें बचाने के लिए पहुंचा तो वह भी चपेट में गया। इसी दौरान पास से गुजर रहे भागीरथ के बड़े भाई का पोता 18 वर्षीय विमल पुत्र श्रवण ने भी दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन वो भी करंट की चपेट में आने से घायल हो गया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने लाइनमैन को कई बार फोन किया लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। बाद में बिजली सप्लाई बंद होने पर परिजनों ने तीनों को अजीतगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने भागीरथ और अंकित को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल विमल (18) पुत्र श्रवण को जयपुर के लिए रेफर कर दिया। करंट से दादा-पोता की मौत की खबर के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने अजीतगढ़ के राजकीय अस्पताल में करीब साढ़े तीन घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप था कि बिजली विभाग की लापरवाही से घटना हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद अजीतगढ़ नायब तहसीलदार ज्योति वर्मा एवं अजीतगढ़ बिजली निगम के सहायक अभियंता भागीरथ शर्मा मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया। ग्रामीण मुआवजा मिलने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराने पर अड़े रहे। ग्रामीण मृतक के परिवार को 50 लाख रुपए, एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी और लापरवाही बरतने वाले डिस्कॉम कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे।

राजस्थान के लिए नजीर बन रहा बीकानेर का चारागाह मॉडल

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान में बीकानेर जिले की 25 ग्राम पंचायतों के 864.32 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किए जा रहे 32 चारागाह पूरे प्रदेश के लिए नजीर बन रहे हैं। इन चारागाहों में जहां पशुओं के लिए प्रचुर मात्रा में सेवण और घामण घास उगाई गई है। यह चारागाह, मनरेगा श्रमिकों को रोजगार के साथ राजीविका के महिला स्वयं समूहों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का जरिया बन रहे हैं। कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि बीकानेर अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बसा जिला है। यहां की जलवायु शुष्क होने के साथ बड़ी संख्या में पशु संपदा है। इन पशुओं के लिए बड़ी मात्रा में पोष्टिक चारे की जरूरत होती है। इसके मद्देनजर नवाचार करते हुए जिले में मॉडल चरागाह की परिकल्पना की गई। उन्होंने बताया कि चरागाह के इन कार्यों को मनरेगा के तहत लिया गया तथा इनके लिए कुल 1101.73 लाख रुपए स्वीकृत किए गए। जिला कलेक्टर ने बताया कि बीकानेर पंचायत समिति की 8 ग्राम पंचायतों के 286.32 हेक्टेयर क्षेत्र में 10 तथा श्रीकोलायत की 4 ग्राम पंचायतों के 338 हेक्टेयर क्षेत्र में 9 मॉडल चारागाह विकसित

किए जा रहे हैं। इनके अलावा पूगल में चार, लूणकरणसर में तीन, पांचू में 2 तथा खाजूवाला, बज्जू, श्रीडूंगरगढ़ और नोखा में एक-एक मॉडल चारागाह विकसित किया जा रहा है। कलाल ने बताया कि इन 32 चरागाहों में सेवण और धामण जैसी पौष्टिक घास, ग्वारपाठा के अलावा कई प्रकार के फलदार पौधे लगाए गए हैं। पौधों की सुरक्षा के लिए इन्हें प्लास्टिक व झाड़ियों से ढका जाता है। वहीं चारागाहों के चारों ओर 48 हजार 250 रनिंग मीटर डिच कम बंड फेंसिंग (पशुओं से सुरक्षा की दृष्टि से चारों ओर गहरा गड्ढा खोदना) कार्य किया गया है। इन चारागाहों में अब तक ग्वारपाठे के 42 हजार, सहजन फली के 4 हजार 350 पौधे लगाए गए हैं। वहीं 21 हजार से अधिक छायादार और फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। पानी के लिए जलकुंड, डिग्गी, कच्ची तलाई व ड्रिप सिंचाई का प्रावधान भी रखा गया है। चारागाहों के इन कार्यों से बड़े भूभाग में हरियाली होगी, जो इको सिस्टम को मजबूत करने में भी अपना योगदान देगी। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नित्या के. ने बताया कि यह नवाचार राजीविका के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण की राह खोल रहा है। मॉडल चारागाह की रख-रखाव तथा इनमें पानी देने आदि कार्य इन महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। वहीं एलोवेरा और सहजन फली के पौधों के मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाकर इनका विक्रय भी इन महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा।

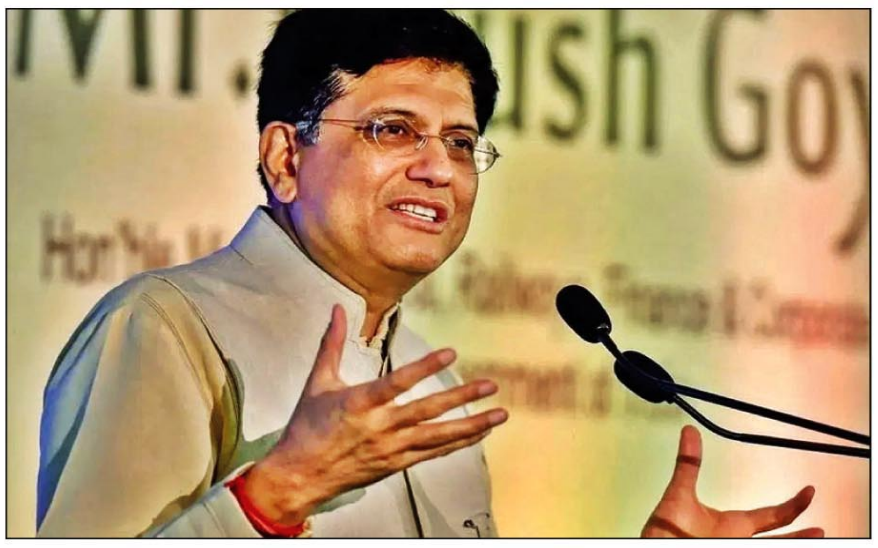

आईपीईएफ के तहत आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी हुई, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली ।

हिंद प्रशांत आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ) के सदस्यों ने लॉजिस्टिक और संपर्क में सुधार सहित आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर वार्ता को काफी हद तक पूरा कर लिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और कारोबार निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सदस्य देशों को सहयोग करना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 14 देशों के समूह आईपीईएफ की शुरुआत अमेरिका और भारत-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों ने मिलकर 23 मई को टोक्यो में की थी। व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (कर और भ्रष्टाचार रोधी जैसे मुद्दे) से संबंधित चार स्तंभों के आधार पर यह ढांचा तैयार किया गया है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने दी जानकारी

भारत व्यापार को छोड़कर सभी स्तंभों में शामिल हो गया है। अमेरिका की मेजबानी में डेट्रॉयट में दूसरी आईपीईएफ मंत्रिस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस बैठक में शामिल हुए। आईपीईएफ में ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड, वियतनाम और अमेरिका सहित 14 भागीदार देश शामिल हैं।

आर्थिक जुड़ाव मजबूत करने पर जोर

आईपीईएफ का लक्ष्य क्षेत्र में विकास, शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ भागीदार देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव को मजबूत करना है। इस मंत्रिस्तरीय बैठक में आपूर्ति खंडों के तहत व्यापक स्तर पर बातचीत हुई, जबकि अन्य आईपीईएफ स्तंभों के तहत भी अच्छी प्रगति दर्ज की गई है। आपूर्ति श्रृंखला के तहत आईपीईएफ भागीदार आपूर्ति श्रृंखला को अधिक लचीला, मजबूत और अच्छी तरह से एकीकृत बनाने की मंशा रखते हैं। इस स्तंभ के तहत अपने संबोधन में गोयल ने बातचीत में तेजी लाने की सराहना की।

न्यूज ब्रीफ

विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से अब तक कुल 37317 करोड़ के शेयर खरीदे

नई दिल्ली । विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार में पिछले साल अगस्त के बाद सर्वाधिक निवेश किया है। मई में अब तक इन निवेशकों ने कुल 37,317 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं, जबकि अगस्त में 51,204 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। उसके बाद नवंबर में इन्होंने 36,239 करोड़ रुपए का शेयर खरीदा था। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिट लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक एफआईआई ने कुल 22,738 करोड़ रुपये का निवेश किया है। 2022 में इन्होंने 1.21 लाख करोड़ रुपए की निकासी की थी जबकि 2021 में 25,752 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे। इस तरह से 2020 के बाद का सालाना आधार पर यह अब तक रिकॉर्ड निवेश है। आंकड़ों के मुताबिक 1 से 15 मई तक के पखवाड़े में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा निवेश किया गया है, उसमें ऑटोमोबाइल एवं उसके कलपुर्जे 4,705 करोड़, वित्तीय सेवा 8,382 करोड़ और तेल एवं गैस 2,319 करोड़ है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, सात उभरते देशों में केवल भारत में मई में एफआईआई का निवेश सकारात्मक रहा है। भारतीय बाजार में एफआईआई के निवेश का मूल्य 46.7 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। कुल बाजार पूंजीकरण में एफआईआई का हिस्सा 17.2 फीसदी है। भारत में विदेशी निवेशक इसलिए निवेश कर रहे हैं क्योंकि यहां लगातार महंगाई घट रही है। एफआईआई जब भी सकारात्मक निवेश करते हैं, भारतीय बाजार में इसका असर दिखता है। 2020 और 2021 में एफआईआई के भरोसे बाजार तेजी में रही, लेकिन जब 2022 में एफआईआई ने पैसे निकाले तो बाजार में गिरावट रही। इस साल एफआईआई की वापसी के बाद एक बार फिर भारतीय बाजार 62 हजार के पार पहुंच कर कारोबार कर रहा है।

मई में एफआईआई का सर्वाधिक निवेश, अब तक कुल 37317 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे

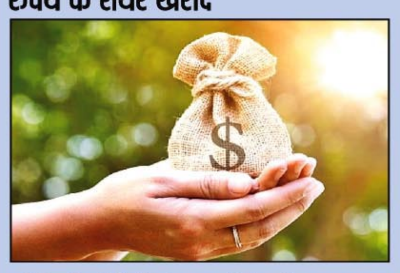

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार में पिछले साल अगस्त के बाद सर्वाधिक निवेश किया है। मई में अब तक इन निवेशकों ने कुल 37,317 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं, जबकि अगस्त में 51,204 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। उसके बाद नवंबर में इन्होंने 36,239 करोड़ रुपये का शेयर खरीदा था। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिट लि. (एनएसडीएल) के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक एफआईआई ने कुल 22,738 करोड़ रुपये का निवेश किया है। 2022 में इन्होंने 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी जबकि 2021 में 25,752 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। इस तरह से 2020 के बाद का सालाना आधार पर यह अब तक रिकॉर्ड निवेश है। आंकड़ों के मुताबिक, 1 से 15 मई तक के पखवाड़े में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा निवेश किया गया है, उसमें ऑटोमोबाइल एवं उसके कलपुर्जे (4,705 करोड़), वित्तीय सेवा (8,382 करोड़) और तेल एवं गैस (2,319 करोड़) है।

छोटी योजनाओं में 10 लाख के निवेश पर कमाई का सबूत जरूरी, मनी लॉन्ड्रिंग पर लगाम के लिए नई व्यवस्था

नई दिल्ली। डाकघर की छोटी बचत योजनाओं में अब 10 लाख या इससे ज्यादा का निवेश करने पर कमाई का सबूत देना होगा। मनी लॉन्ड्रिंग व आतंकी गतिविधियों की फंडिंग रोकने के लिए सरकार नया नियम लाई है। डाक विभाग की ओर से 'ग्राहक को जानो' (केवाईसी) के संबंध में जारी परिपत्र के अनुसार, अब सभी योजनाओं में निवेश के लिए पैन व आधार देना होगा। भारत के बाहर रहने वाले राजनीतिक रूप से जोखिम वाले व्यक्तियों (पीईपी) से संबंधित खाते उच्च जोखिम श्रेणी के अंतर्गत आएंगे। बैंक या डाकघर खाते का विवरण, जिसमें पैसे की पूरी जानकारी हो।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के नोटिस का नहीं दिया जवाब तो बढ़ेगी परेशानी, आयकरदाताओं के लिए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली ।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 'जांच के दायरे में लिए जाने वाले मामलों के बारे में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत ऐसे आयकरदाताओं जिन्होंने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं दिया है, उनके मामलों की जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी। वहीं, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उन मामलों की जांच भी करेगा जहां किसी लॉ इंफोर्समेंट एजेंसी या रेगुलेटरी अथॉरिटी द्वारा टैक्स चोरी से संबंधित विशिष्ट जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

पिछले सप्ताह चला था अभियान

गौरतलब है, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के निर्देश पर आयकर विभाग ने इस महीने 16 तारीख से देशभर में टैक्स चोरी, जीएसटी चोरी, फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन जैसे मामलों को रोकने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान जिन आयकरदाताओं के दस्तावेज संदेहास्पद मिले हैं उन्हें सीबीडीटी ने नोटिस भेजा था। वहीं, इंडीविजुअल करदाताओं को भी नोटिस भेजा गया था, लेकिन जिन लोगों ने अब तक जवाब नहीं दिया है उनके मामलों की जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी।

ये है नई गाइडलाइन

नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, कर अधिकारियों को आय में गड़बड़ियों के बारे में करदाताओं को 30 जून तक आयकर अधिनियम की धारा 143(2) के तहत नोटिस भेजना होगा। इसके बाद आयकरदाताओं को इस बारे में संबंधित दस्तावेज पेश करने होंगे। बता दें, नए दिशा-निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि जहां अधिनियम की धारा 142(1) के तहत नोटिस के जवाब में कोई रिटर्न नहीं दिया गया है, ऐसे मामले को नेशनल फेसलेस असेसमेंट सेंटर (एनएएफएसी) को भेजा जाएगा, जो आगे की कार्रवाई करेगा।

आपको बता दें, आयकर अधिनियम की धारा 142(1) इनकम टैक्स अधिकारियों को रिटर्न दाखिल किए जाने की स्थिति में एक नोटिस जारी कर और स्पष्टीकरण या जानकारी मांगने का अधिकार देती है। जिन मामलों में रिटर्न दाखिल नहीं किया गया हो उन्हें निर्धारित तरीके से आवश्यक जानकारी पेश करने को कहा जाता है। ऐसे मामलों में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट एक इंटीग्रेटेड लिस्ट जारी करता है, जिनमें सक्षम प्राधिकरण द्वारा छूट को रद्द या वापस किए जाने के बावजूद टैक्सपेयर्स इनकम टैक्स रियायत या कटौती की मांग करता है। इसके अलावा कहा गया है कि अधिनियम की धारा 143(2) के तहत आयकरदाताओं को एनएएफएसी के माध्यम से नोटिस दिया जाएगा।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए लीटर है तो डीजल 89.62 रुपए लीटर के हिसाब से बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। बीते 1 साल से ज्यादा समय से पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, तेलंगाना, पंजाब, झारखंड, सिक्किम, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए के ऊपर बिक रहा है। वहीं डीजल भी ओडिशा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 100 रुपए से ऊपर है। भारत में सबसे महंगा फ्यूल राजस्थान के श्रीगंगानगर में बिक रहा है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 113.30 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 98.07 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई है। वहीं महाराष्ट्र के परभणी में पेट्रोल 109.26 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.66 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं पोर्ट ब्लेयर में सबसे सस्ता पेट्रोल-डीजल बिक रहा है। यहां पेट्रोल की कीमत 84.10 रुपए प्रति लीटर और डीजल का भाव 79.74 रुपए प्रति लीटर है। 21 मई 2022 में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव किया गया था। तब पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क घटाया गया था। इससे पेट्रोल और डीजल के दाम 9.5 रुपए और 7 रुपए कम हो गए थे। जुलाई 2022 में, महाराष्ट्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर वाट में 5 रुपए और 3 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी।

5 जून से शुरू होगा एपल का वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस 2023 इवेंट

आईओएस 17 और नए मैकबुक के साथ पहला मिक्स्ड रियल्टी हेडसेट लॉन्च कर सकती है कंपनी

नई दिल्ली ।

टेक कंपनी एपल का साल का सबसे बड़ा इवेंट वर्ल्ड वाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस 2023 अगले महीने 5 जून से 9 जून तक होगा। चार दिन के वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस में कंपनी न्यू आईफोन, मैक और एपल वॉच के साथ नेक्स्ट जनरेशन ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस 17 पेश करेगी। इसके अलावा एपल मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट, 15 इंच का मैकबुक एयर और सिलिकॉन के साथ मैकबुक प्रो लॉन्च कर सकता है। हम यहां उन प्रोडक्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें एपल अपने इवेंट में लॉन्च कर सकता है या फिर उसके बारे में जानकारी दे सकता है।

मिक्स्ड रियल्टी हेडसेट

एपल इस साल के वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस इवेंट में सबकी नजर मिक्स्ड रियल्टी हेडसेट पर रहेगी। एपल पिछले 7 सालों से मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट पर काम कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अपने पहले मिक्स्ड रियल्टी हेडसेट को रियल्टी प्रो के नाम से लॉन्च कर सकती है। हेडसेट की एक्सपेक्टेड कीमत लगभग 3000 अमेरिकी डॉलर (2.48 लाख रुपए) है।

नेक्स्ट जनरेशन ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस 17

एपल इस इवेंट में नेक्स्ट जनरेशन ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस 17 को पेश कर सकती है। इस नए ऑपरेटिंग सिस्टम में कई नए फीचर्स देखने को मिलेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी डायनेमिक आइलैंड में नए फीचर्स शामिल करेगी। इसके साथ ही एपल न्यू जर्नालिंग ऐप, हेल्थ ऐप और मूड ट्रैकर फीचर को शामिल कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो एपल इस साल के इवेंट में 15 इंच का पहला मैकबुक एयर पेश कर सकता है। इसके साथ ही कंपनी 13 इंच का मैकबुक प्रो और 24 इंच का आईमेक पेश कर सकती है।

जर्मनी में आई आर्थिक मंदीः सीआईआई ने दी चेतावनी, कहा- भारत के कुछ क्षेत्रों का निर्यात हो सकता है प्रभावित

नई दिल्ली ।

यूरोप का इंजन कहे जाने वाले जर्मनी की अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी में आ गई है। जर्मनी में आई इस आर्थिक मंदी से यूरोप के आर्थिक संकट में फंसने का खतरा मंडराने लगा है। पूरी दुनिया सहमी हुई है। बताया जा रहा है कि जर्मनी में आई आर्थिक मंदी से भारत का रसायन, मशीनरी, परिधान और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों का यूरोपीय संघ (ईयू) को निर्यात प्रभावित हो सकता है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की निर्यात-आयात (एग्जिम) पर समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि जर्मनी में आई आर्थिक मंदी का भारतीय निर्यात पर असर जानना अभी जल्दबाजी होगी।

बता दें, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश जर्मनी मंदी का सामना कर रहा है। इसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2022 की चौथी तिमाही में 0.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 2023 की पहली तिमाही में 0.3 प्रतिशत और गिर गया।

बुधिया ने कहा कि पिछले साल भारत के कुल निर्यात में जर्मनी का हिस्सा 4.4 प्रतिशत था। भारत ने मुख्य रूप से जैविक रसायनों, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, फुटवियर, लौह-इस्पात के साथ-साथ चमड़े की वस्तुओं का निर्यात किया था। उन्होंने कहा कि हालांकि जर्मनी में मंदी के भारत पर प्रभाव का अभी आकलन करना जल्दबाजी होगा, लेकिन उपरोक्त क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

घर बैठे आधार में अपडेट कर सकते हैं एड्रेसः बिना एड्रेस प्रूफ के भी बदल सकते हैं पता

नई दिल्ली ।

आधार कार्ड हमारे देश में एक जरूरी डॉक्यूमेंट है। इसमें सभी जानकारियां जैसे आपका नाम, मोबाइल नंबर और पता सहित अन्य चीजें सही होना जरूरी है। कई बार देखा जाता है लोग शहर या पता बदलने पर आधार में इसे अपडेट नहीं करा पाते हैं। उन्हें ये झंझट का काम लगता है, जबकि ऐसा नहीं है। आपको आधार कार्ड में घर का पता बदलवाने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप घर बैठे ऑनलाइन ही इसे अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए आपको 50 रुपए शुल्क देना होगा। हम आपको इसकी पूरी प्रोसेस बता रहे हैं।

एड्रेस प्रूफ के साथ ऐसे करें आधार में पता अपडेट

सबसे पहले आधिकारिक साइट पर जाएं। यहां लॉगिन करने के लिए आपको अपना 12 अंकों का आधार नंबर डालना होगा। इसके बाद कैप्चा कोड डालकर सेंड पर क्लिक करें। इसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। उसे डालकर लॉगिन करें। अब आधार अपडेट ऑप्शन पर जाएं। इसके बाद प्रोसीड टू आधार अपडेट के ऑप्शन पर क्लिक करें। इसके बाद अगले पेज पर एड्रेस पर सिलेक्ट करके प्रोसीड टू आधार अपडेट के ऑप्शन पर क्लिक करें। ऐसा करने पर आपके सामने आपका मौजूदा एड्रेस आजाएगा। इसके बाद आप जो एड्रेस अपडेट करना चाहते हैं उसका ऑप्शन आएगा। यहां आपको अपने नए एड्रेस की जानकारी भरनी होगी। इसके बाद एक डॉक्यूमेंट सबमिट करना होगा जिस पर आपको नया एड्रेस हो। इसके बाद आपको नीचे दिए दोनों चेक बॉक्स पर क्लिक करके नेस्ट पर क्लिक करना होगा। अब आपके सामने पेमेंट का ऑप्शन आएगा। यहां आप नेट बैंकिंग या कार्ड जैसे भी चाहें पेमेंट कर सकते हैं। पेमेंट पूरा होते ही आपको एक रसीद मिलेगी। इसके बाद करीब 30 दिन में आपका आधार अपडेट हो जाएगा। बिना डॉक्यूमेंट के भी अपडेट कर सकते हैं पता परिवार के मुखिया की इजाजत से आधार में ऑनलाइन पता अपडेट करने की सुविधा भी देता है। इसके तहत घर का मुखिया ऑनलाइन आधार एड्रेस अपडेट के लिए अपने बच्चे, पति या पत्नी, माता-पिता के एड्रेस को अप्रूव कर कर सकता है। 18 साल से ज्यादा आयु का कोई भी व्यक्ति हो सकता है। ये है पूरी प्रोसेस सबसे पहले वेबसाइट पर जाएं। हां लॉगिन करने के लिए आपको अपना 12 अंकों का आधार नंबर डालना होगा। इसके बाद कैप्चा कोड डालकर सेंड ओटीपी पर क्लिक करें। इसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। उसे डालकर लॉगिन करें।

वॉट्सऐप में जल्द मिलेगा स्क्रीन शेयरिंग फीचर

वीडियो कॉलिंग के दौरान यूजर्स शेयर कर सकेंगे स्क्रीन

नई दिल्ली ।

पॉपुलर मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप एंड्रॉएड डिवाइस यूजर्स को जल्द स्क्रीन शेयरिंग फीचर देने वाला है। रिपोर्ट के अनुसार, वॉट्सऐप बीटा वर्जन 2.23.11.19 में वीडियो शेयरिंग के दौरान स्क्रीन-शेयरिंग फीचर टेस्ट कर रहा है, जिसके जरिए वह कॉलिंग एक्सपीरियंस को बेहतर करना चाहता है। यूजर्स को वॉट्सऐप का ये नया फीचर वीडियो कॉलिंग के दौरान कैमरा स्विच ऑप्शन के बगल में मिलेगा। यह फीचर तभी एक्टिव होगा, जब ऐप यूजर अपनी स्क्रीन शेयरिंग की परमिशन देंगे। इसके साथ ही यूजर्स कभी भी स्क्रीन शेयरिंग को रोक सकेंगे।

कैसे काम करेगा स्क्रीन शेयरिंग फीचर - जब आप वीडियो कॉल के दौरान स्क्रीन शेयरिंग वाले ऑप्शन पर टैप करेंगे तो वॉट्सऐप में एक वार्निंग मैसेज डिस्प्ले होगा। इसके बाद स्टार्ट नाउ बटन पर टैप करना होगा। अब आप अपनी स्क्रीन को दूसरे यूजर्स के साथ शेयर कर सकेंगे। स्क्रीन शेयरिंग फीचर यूज करने से एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड नहीं रहेगी वीडियो कॉल खास बात यह है कि जो स्क्रीनशॉट शेयर किया है उसमें लिखा है कि इस फीचर को यूज करते समय जो भी जानकारी आप दूसरे यूजर्स के साथ शेयर करेंगे उसे वॉट्सऐप भी एक्सेस कर सकेगा। इसमें पासवर्ड, पेमेंट डिटेल, फोटो, मैसेज और ऑडियो शामिल हैं। यानी कि इस फीचर को यूज करने से वीडियो कॉलिंग एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड नहीं रहेगी।

जल्द वॉट्सऐप में सेट कर सकेंगे यूनिक यूजर नेम - पॉपुलर मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप में जल्द यूजर नेम सेट करने का ऑप्शन मिलेगा, जिसके जरिए यूजर्स अपने अकाउंट के लिए यूनीक यूजर नेम सेट कर सकेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यूजर एक्पीरियंस और लोगों की प्राइवेसी को और बेहतर बनाने के लिए वॉट्सऐप नया फीचर लाने के लिए काम कर रहा है, जो बीटा वर्जन 2.23.11.15 के डेवलपमेंट फेज में है। यूजर्स को वॉट्सऐप का ये नया फीचर ऐप के सेटिंग के प्रोफाइल सेक्शन में मिलेगा। इसके बाद वॉट्सऐप अकाउंट की पहचान के लिए मोबाइल नंबर पर निर्भर रहने के बजाय एक यूनीक यूजर नेम ऑप्शन भी चूज कर सकेंगे। हाल ही में वॉट्सऐप ने रोल आउट किए हैं मैसेज एडिट और चैट लॉकिंग फीचर वॉट्सऐप ने हाल ही में मैसेज एडिट और चैट लॉकिंग फीचर रोल आउट किया है। मैसेज एडिट फीचर में यूजर्स भेजे गए मैसेज को 15 मिनट तक एडिट कर सकते हैं। इसके साथ ही चैट लॉक फीचर के जरिए यूजर्स किसी ग्रुप या इंडिविजुअल चैट को लॉक कर सकते हैं। ये फीचर इनेबल करने के बाद यूजर्स डिवाइस पिन या बायोमैट्रिक्स लॉक का यूज करके सिर्फ खुद ही अपनी चैट एक्सेस कर पाएंगे। वॉट्सएप पर मैसेज एडिट करने के लिए मैसेज पर लॉन्ग प्रेस करना पड़ेगा। मैन्यू में आए एडिट ऑप्शन पर क्लिक कर मैसेज में चेंज किया जा सकेगा।

बीते सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली । बीते कारोबारी हफ्ते में सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। वैसे हफ्ते के दौरान सोने की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया। पर चांदी की कीमत में अच्छी गिरावट आई। जहां सोने की कीमतों में 133 रुपए की गिरावट आई, तो वहीं चांदी की कीमत 1284 रुपए कम हुई। 19 मई को चांदी की कीमत 71784 रुपए पर बंद हुई थी, जबकि 26 मई को यह 70500 रुपए पर बंद हुई। इस तरह चांदी बीते हफ्ते 1284 रुपए कम हुई। चांदी की कीमतें बीते हफ्ते सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को बढ़ी थीं, जबकि बाकी दिनों में इसकी कीमत कम हुई। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने का भाव 60829 रुपए प्रति 10 ग्राम पर और मंगलवार को 60342 रुपए पर बंद हुआ था। बुधवार को सोना 60680 रुपए, गुरुवार को 59987 रुपए और शुक्रवार को 60142 रुपए पर बंद हुआ था। दिल्ली के सर्राफा बाजार में इस समय सोने की कीमत 59460 रुपए पर दिख रही है। सोने की कीमतें सपाट हैं और इनमें कोई बदलाव नहीं देखने को मिल रहा है। वहीं चांदी भी सपाट 71230 रुपए पर है। एक रिपोर्ट के अनुसार चांदी के लिए विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी कीमत 90000 रुपए तक जा सकती है।

अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी से डेब्यू कर रही सनी लियोनी

मुंबई (ईएमएस)। अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी से एक्ट्रेस सनी लियोनी कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू कर रही हैं। यह फिल्म एक अनिद्राग्रस्त पूर्व पुलिस अधिकारी केनेडी की कहानी है, जिसे सालों से मृत मान लिया गया है। सनी लियोनी ने फिल्म में चार्ली नाम की एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह एक जटिल किरदार है। वह जिस चीज को सबसे ज्यादा छिपाती है, वह है हंसी। मेरा मानना है कि वह एक ऐसी महिला है जो दो अलग-अलग दुनिया में फंसी हुई है, एक वह है जिसमें वह रहना चाहती है और एक वह है जिसमें वह फंसी हुई है। मुझे इस किरदार को निभाने में बहुत मजा आया। वह हर पल जितना संभव हो सके, उतना मजबूत होने की पूरी कोशिश कर रही है। फिल्म में लियोन की हंसी बेहद खास है। उन्होंने बताया कि मेरी हंसी को मेरे करेक्टर से मैच करने के लिए कश्यप अड़े रहे थे। एक्ट्रेस ने बताया यह कुछ ऐसा है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया, इसलिए मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। मैंने कार चलाने की प्रैक्टिस की, मैंने अपने परिवार, अपने बच्चों, अपने पति, अपने दोस्तों के सामने प्रैक्टिस की। मैंने सेट पर गाने की शूटिंग या किसी चीज की शूटिंग के बीच में चार्ली की तरह हंसने की प्रैक्टिस की। एक्ट्रेस ने कहा, इस तरह, जब मैं सेट पर पहुंची, तो यह मेरे सिस्टम से बाहर था, जो सिर्फ मेरे करेक्टर का हिस्सा था।

शाहरुख हमेशा सीने से लगाए रखते है माता-पिता की फोटो

-वीडियो हो रहा सोशल मीडिया पर वायरल

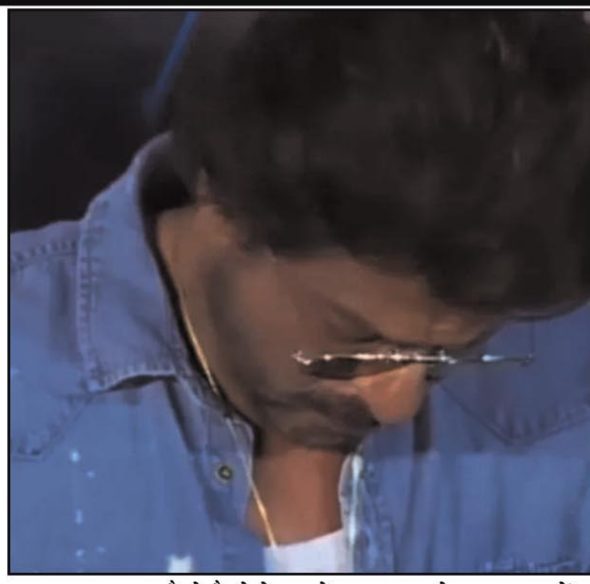

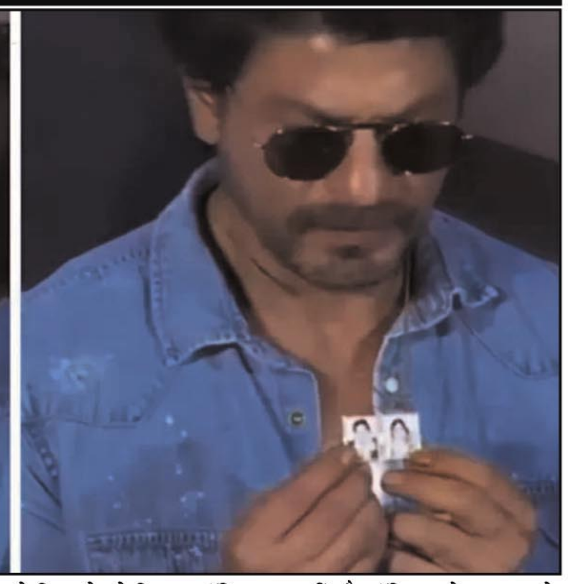

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान अपने माता-पिता की फोटो हमेशा गले में लटकाए फिरते हैं। शाहरुख खान का एक थ्रोबैक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। शाहरुख खान वीडियो में अपने गले में लटकी लॉकेट को खोलकर दिखा रहे हैं। एक्टर के गले में जो चेन है उसमें वह माता-पिता की फोटो हमेशा रखकर साथ चलते हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। शाहरुख खान अक्सर जब भी इंटरव्यू दिया करते हैं वो अपनी मां का नाम लेना नहीं भूलते। शाहरुख खान की हर बात में से साफ दिखता है कि वह अपने पैरेंट्स से कितना प्यार करते हैं। शाहरुख खान का एक वीडियो इंटरनेट पर छाया है जिसमें वो ये दिखा रहे हैं कि कैसे वह हमेशा अपने माता-पिता की फोटो अपने सीने से लगाए रखते हैं। शाहरुख खान का ये थ्रोबैक वीडियो एक बार फिर से सुर्खियों में है। इस वीडियो में शाहरुख खान अपने गले से लगे लाकेट को खोलकर दिखा रहे हैं। शाहरुख खान ने दिखाया है कि कैसे वो अपने दिवंगत पिता मीर ताज मोहम्मद खान और दिवंगत मां लतीफ फातिमा खान की फोटो हर वक्त अपने साथ रखते हैं। शाहरुख इस वीडियो में अपना लॉकेट खोलकर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं और जब वह खुल जाता है तो कैमरे के सामने वह माता-पिता दोनों की झलक दिखाते हैं। यह वीडियो उस दौरान की है जब साल 2017 में उनकी फिल्म रईस का प्रमोशन कर रहे थे। इस वीडियो पर उनके फैन्स अपने चहेते सितारे पर भरपूर प्यार लुटा रहे हैं। बता दें कि शाहरुख खान ने साल 1981 में अपने पिता को खो दिया था और फिर साल 1990 में मां भी चल बसीं। शाहरुख ने तब फिल्मी दुनिया से पहले टीवी में डेब्यू किया था और वह चाहते थे कि अपनी मां को अपना पहला फेमस शो दिखा सकें। हालांकि, उस वक्त शाहरुख की मां हॉस्पिटलाइज थीं और हॉस्पिटल से उनका उनके शो सर्कस दिखाने की परमिशन भी ली गई थी। हालांकि, शाहरुख की मां की हालत तब इतनी खराब थी कि वह टीवी पर अपने ही बेटे को पहचान नहीं पाईं। इसे लेकर शाहरुख खान अपने इंटरव्यू में अपना दर्द बता चुके हैं।

शाहिद को ब्लडी डैडी के प्रदर्शित होने का इंतजार

-ट्रेलर में एक्शन अवतार में नजर आए

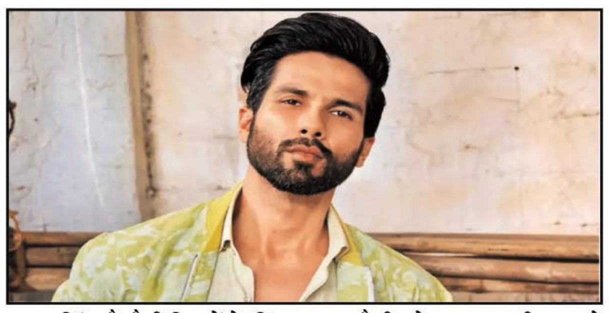

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर शाहिद कपूर अपनी आगामी फिल्म ब्लडी डैडी के प्रदर्शित होने का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के पोस्टर और टीजर के बाद प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा हो गया, निमार्ताओं ने 24 मई को ट्रेलर जारी किया। इस सीरीज को जियो सिनेमा पर सीधे ओटीटी रिलीज के लिए चुना जा रहा है। ट्रेलर के मुताबिक, शाहिद कपूर कोकीन के एक बैग के लिए अपराधियों के एक गिरोह से लड़ते नजर आएंगे। हालांकि, यह एक रहस्य बना हुआ है कि अभिनेता के चरित्र को किस बात का खतरा है। रोनित रॉय और संजय कपूर अन्य दुष्ट लोग हैं जो अपनी हेरोइन की खेप के लिए शाहिद के पीछे पड़े हैं। ट्रेलर को शाहिद ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी शेयर किया। उन्होंने क्लिप को एक कैप्शन के साथ साझा किया, एक नरक की एक खूनी रात ... ट्रेलर अब बाहर! #ब्ल्डीडेडी। पोस्ट में सभी को चौंकाते हुए उन्होंने यह भी खुलासा किया कि फिल्म स्ट्रीम करने के लिए स्वतंत्र होगी। पोस्ट में जोड़ा गया, देखिए #ब्ल्डीडेडीऑनजियो सिनेमा, 9 जून को फ्री स्ट्रीमिंग !शाहिद के अलावा, इस सीरीज में रोनित रॉय और संजय कपूर खलनायक के रूप में नजर आएंगे, जो अपने ड्रग पार्सल के लिए शाहिद के पीछे पड़े हैं। सुल्तान और टाइगर ज़िंदा है जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध अली अब्बास जफर शाहिद कपूर के साथ पहली बार काम कर रहे हैं, उन्होंने शाहिद को एक अलग अंदाज में परदे पर पेश किया। जब एक्शन की बात आती है तो प्रशंसकों के बीच जबरदस्त प्रत्याशा को बढ़ावा देते हुए, ट्रेलर शीर्ष पायदान पर है। शाहिद का अभिनय इसमें और इजाफा करता है।

जफर की आझ फिल्म्स, ऑफसाइड एंटरटेनमेंट और द वर्मिलियन वर्ल्ड के सहयोग से जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, फिल्म को स्टाइलिश रिलेंटलेस एक्शन से भरपूर राइड के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह सीरीज 9 जून को डायरेक्ट-टू-डिजिटल रिलीज के लिए तैयार है। ब्लडी डैडी की शूटिंग के दौरान शाहिद कपूर ने खूब एन्जॉय किया। यह बहुत मजेदार था। मेरे पास एक एक्शन फिल्म करने का एक अच्छा समय था, मुझे वास्तव में अली के साथ काम करने में बहुत मजा आया। वह शैली को बहुत अच्छी तरह से समझते हैं। अब दुविधा यह है कि यदि आप इस पैमाने पर कुछ कर रहे हैं, तो ओटीटी पर, आप बड़े पर्दे पर क्या करते हैं? कपूर ने यह भी कहा कि नृत्य के उनके अनुभव ने उन्हें एक्शन कोरियोग्राफी को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। शाहिद कपूर, जो अपने ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं, अपने आगामी ब्लडी डैडी के साथ प्रशंसकों को उनके सोफे से चिपकाए रखने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर जियो सिनेमा पर होगा। निमार्ताओं ने टीजर जारी करने के बाद, ट्रेलर के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया। एक्शन से भरपूर मनोरंजक ट्रेलर पावरपैक सीक्वेंस से भरा है जहां जब वी मेट अभिनेता अपना उग्र रूप दिखाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अपने अनुकूल लुक से शुरू करते हुए जब वह खलनायक के रूप में अपने स्वैग में चलते हैं, तो दर्शक उन्हें इस रूप में देखकर प्रशंसित होते हैं।

बालीवुड फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने किए भगवान बद्रीविशाल के दर्शन

-देशभर से पहुंचे श्रद्धालुओं का किया अभिवादन

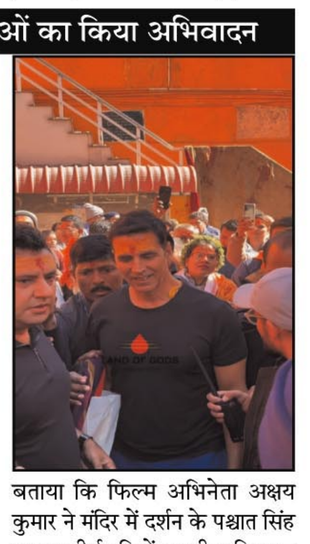

बदरीनाथ धाम, (हि.स.)। बालीवुड फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार आज रविवार प्रातः को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री बदरीनाथ धाम दर्शन को पहुंचे। हेलीपैड से श्री बदरीनाथ मंदिर पहुंचे और भगवान बदरीविशाल के दर्शन किये और वेदपाठ -पूजा अर्चना की। श्री बदरीनाथ मंदिर परिसर में श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने फिल्म अभिनेता का हेलीपेड पर स्वागत किया। तथा मंदिर में भगवान बदरी-विशाल का प्रसाद, तुलसी माला भेंट की। इस अवसर पर यात्रा मजिस्ट्रेट युक्ता मिश्रा, प्रभारी अधिकारी अनिल ध्यानी, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, थाना प्रभारी केसी भट्ट आदि मौजूद रहे। इससे पहले फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार 23 मई को केदारनाथ धाम दर्शन को पहुंचे थे। श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने मंदिर में दर्शन के पश्चात सिंह द्वार पर तीर्थयात्रियों का भी अभिवादन किया। अभिनेता अक्षय ने यात्रा व्यवस्थाओं को भी सराहते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखंड आकर वह अभिभूत हुए हैं। उल्लेखनीय है आज फिल्म अभिनेता श्री जागेश्वर शिव मंदिर अल्मोड़ा में दर्शन के पश्चात सीधे बदरीनाथ धाम पहुंचे।

जरा हटके जरा बचके का नया गाना रिलीज

-गाने में सारा और विक्की नाच रहे हैं झूम कर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान और विक्की कौशल की जरा हटके जरा बचके का नया गाना हाल ही रिलीज किया गया है। गाने में सारा और विक्की झूम कर नाच रहे हैं और अपने सुपर देसी मूव्स की कुछ झलक दिखा रहे हैं। सॉन्ग बेबी तुझे पाप लगेगा बेवफाई का नया एंथम बनने वाला है। इन दोनों की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर नजर आने वाली है। जहां इसके दमदार बीट्स और मसाला लिरिक्स पूरी तरह से धमाकेदार हैं, वहीं गायक हिमेश रेशमिया के सिग्नेचर वोकल्स, ट्रैक को और भी अट्रैक्टिव बना रहे हैं। गाने की फंकी कोरियोग्राफी भी एक बड़ा आकर्षण है।सचिन-जिगर का कंपोज किया गया, हिमेश रेशमिया और सचिन-जिगर का गाये इस गाने को अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है, बेबी तुझे पाप लगेगा अपने फ्रेंड्स, फैमिली के साथ मस्ती करने और डांस करने के लिए एकदम सही मेलोडी है। गाने के बारे में बात करते हुए, संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर कहते हैं, यह गाना आपके चेहरे पर मुस्कान लाने के साथ-साथ आपको झूमने पर मजबूर कर देगा। हम इस धुन में उस मस्ती भरे वाइब को बनाना चाहते थे जो फिल्म की आत्मा को भी परिभाषित करता है। जरा हटके जरा बचके एक साधारण पति-पत्नी की असाधारण कहानी है। फिल्म एक ऐसे कपल की कहानी है जो कभी एक-दूसरे के बिना रह नहीं पाते थे और शादी के कुछ समय बाद ही दोनों एक दूसरे से अलग होना चाहते हैं। लक्ष्मण उतेकर की यह फिल्म 2 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। जियो स्टूडियोज और दिनेश विजान की पेश-कश जरा हटके जरा बचके की निमार्ता ज्योति देशपांडे भी हैं। सारा और विक्की कौशल इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी है। बता दें कि सारा अली खान इन दिनों अपनी फिल्म जरा हटके जरा बचके का प्रमोशन करने में व्यस्त हैं। कुछ दिन पहले सारा अली खान ने जयपुर में इसका प्रमोशन किया था। बीते दिन वे मुम्बई में प्रमोशन करती नजर आई थी, जहाँ से वे ऑटो सवारी के जरिए घर पहुँची।

प्रियंका का कातिलाना अंदाज देख छूटे फैंस के पसीने

अंतर्राष्ट्रीय स्टार प्रियंका चोपड़ा ने बैकलेस ड्रेस में बोल्ड फोटोशूट करवाया, जिसे देखकर फैंस के पसीने छूट गए। प्रियंका ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह अपनी कातिल अदाओं से फैंस को मदहोश करती नजर आ रही हैं। दरअसल, प्रियंका चोपड़ा ने कैलीफोर्निया में एक मैगजीन के लिए फोटोशूट करवाया है, जिसकी तस्वीरें उन्होंने फैंस के साथ शेयर की हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि प्रियंका अलग-अलग सेक्सी आउटफिट में नजर आ रही हैं। ब्लू और नियोन कलर के बैकलेस गाउन में देसी गर्ल बोल्डनेस का तड़का लगा रही हैं। इस आउटफिट में एक्ट्रेस बेहद किलर लग रही हैं और अपनी टोन्ड बॉडी फ्लॉन्ट कर रही हैं। वहीं अन्य तस्वीरों में भी प्रियंका कातिलाना पोज दे रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देख मदहोश हो रहे हैं और कमेंट कर उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि प्रियंका चोपडा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैंस के साथ अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

एनटरटेंन करने में पीछे रह गई जोगीरा सारा रा रा

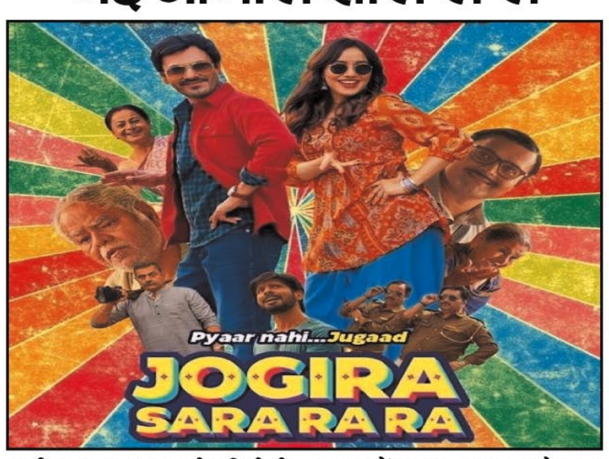

बालीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी और नेहा शरमा की फिल्म जोगीरा सारा रा रा लोगो को एनटरटेंन करने में पीछे रह गई। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 40 लाख की कमाई ही की है। यह कमाई उम्मीद से बहुत ही कम है। जोगीरा सारा रा रा की कहानी लखनऊ के जोगी की है, जो शानदार इवेंट कंपनी का मालिक है। वह लोगों की शादियां करवाता है, और अपने सारे काम जुगाड़ से पूरे करता है। मगर डिंपल की एंट्री होने के बाद उसकी लाइफ में सब उलट-पुलट हो जाता है। बीते शुक्रवार को सिनेमा घरों में रिलीज हुई। इस फिल्म की रिलीज डेट को कई बार पोस्टपोन किया गया, जिसके बाद फाइनली इसे 26 मई को रिलीज किया गया। कुशान नदी के निर्देशन में बनी जोगीरा सारा रा रा लाइट कॉमेडी फिल्म है। स्टोरी लखनऊ के एक आम आदमी की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी लाइफ में डिंपल यानी नेहा शर्मा की एंट्री के बाद कई ट्विस्ट आते हैं।

आमिर बेटी की उम्र की फातिमा से कर हैं शादी!

-कमाल आर खान ने किया यह ट्वीट

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर आमिर खान और सना शेख के रिश्ते पर कमाल आर खान ने ट्वीट किया है। सेल्फ क्लेम्ड क्रिटिक और एक्टर कमाल आर खान ने एक ट्वीट करते हुए बताया कि आमिर खान और फातिमा सना शेख जल्द ही शादी करने वाले हैं। उन्होंने लिखा, ब्रेकिंग न्यूज- आमिर खान अपनी बेटी की उम्र की फातिमा सना शेख के साथ बहुत जल्द शादी करने जा रहे हैं। आमिर फिल्म दंगल के टाइम से सना को डेट कर रहे हैं। कमाल आर खान के इस ट्वीट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आमिर खान दे चुके हैं दूसरी पत्नी को तलाक बता दें कि एक्टर आमिर खान अपनी दूसरी पत्नी किरण राव से भी अलग हो चुके हैं। बीते साल किरण और आमिर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को बताया था कि वह अलग हो रहे हैं। लेकिन वह दोनों अपने बेटे आजाद की परवरिश साथ मिलकर करेंगे। अलग होने के बाद भी आमिर और किरण अक्सर साथ में स्पॉट होते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे। टॉम हैंक्स की फॉरेस्ट गंप पर आधारित इस फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर भी मुख्य भूमिका निभाती नजर आई थीं। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई, जिसके बाद आमिर खान पूरी तरह से टूट गए थे। बाद में आमिर खान ने कुछ समय के लिए एक्टिंग से दूरी बनाने का फैसला लिया और अब एक्टर अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। बता दें कि फिल्म सितारों को लेकर सोशल मीडिया पर आए दिन कुछ न कुछ बोलने वाले कमाल आर खान ने अब आमिर खान को अपने निशाने पर लिया है। उन्होंने आमिर खान और फातिमा सना शेख को लेकर एक ट्वीट किया है, जिस पर लोग जबरदस्त प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। गौरतलब है कि आमिर खान इन दिनों दंगल एक्ट्रेस फातिमा सना शेख संग अपने लिंकअप रूमर्स को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। दरअसल हाल ही में आमिर खान और फातिमा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें यह दोनों स्टार्स साथ में पिकलबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस यह अंदाजा लगा रहे हैं कि आमिर और फातिमा एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि अभी तक ना तो फातिमा और ना ही आमिर ने अपने रिश्ते पर कोई चुप्पी तोड़ी है।

बोल्ड लुक से फैंस को इम्प्रेस करती नजर आई किम

हाल ही में हॉलीवुड स्टार किम कार्दशियन को न्यूयॉर्क के सिप्रियानी वॉल स्ट्रीट रेस्टोरेंट में 74 वें वार्षिक पार्सन्स बेनिफिट में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने बोल्ड लुक से फैंस को इम्प्रेस करती नजर आईं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान किम रॉयल ब्लू कलर के क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग लॉन्ग स्कर्ट में बेहद बोल्ड नजर आईं। थाई हाई स्लिट स्कर्ट में एक्ट्रेस अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती दिखीं। इसके साथ एक्ट्रेस ने हाई हील्स पेयर कीं और एक पैर में पायल और कमर पर कमरबंद पहने नजर आईं। न्यूड मेकअप और खुले बालों से लुक को कंप्लीट करती किम का अंदाज देखते ही बन रहा है। कैमरे के सामने किलर पोज देते हुए एक्ट्रेस फैंस को इम्प्रेस करने में कामयाब हो रही हैं। बता दें कि हॉलीवुड स्टार किम कार्दशियन अक्सर अपने लुक्स और फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उन्हें अक्सर पार्टीज और इवेंट में बोल्ड लुक्स के साथ स्पॉट किया जाता है।

सूडोकु नवताल- 6445

★★★✮☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6444 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्दजाल - 7192

कु	क	ल	ह	वा	म	ह	ल	सी	गे	ज
र	तु	ल	दे	र	ण	थ	म्भौ	र	ट	वा
त	स	ब	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	वे	द
वि	ज	ज	मी	पु	र	रा	प	र	ऑ	ब
वे	गा	इं	ग	ना	लं	ज	जं	गी	फ	र्निं
का	क	व	डि	ह	र	पू	त	ता	इं	ग
नें	अ	स	त	या	प	त	र	ज	डि	ट्रे
द	ता	दा	ई	ह	गे	सा	मं	ड	या	ला
स्मा	बा	चे	न	ब्रा	जी	ट	त	ल	प	ल
र	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	झी	स्त्री	कि
क	रा	जी	व	ता	ज	म	ह	ल	म	ला

शब्दजाल में दस पर्यटन स्थलों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

ताजमहल,लालकिला,कुतुबमीनार,जंतर मंतर,इंडिया गेट, हवा महल, गेटवे ऑफ इंडिया,डलझील,विवेकानंद स्मारक, रणथम्भौर

शब्दजाल - 7191 का हल

उ	जा	ला	ह	दा	प	उ	ड़ी	सा	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	मो	ल	ब्ब	तें	शा	अ
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ज	ढा	र	ला	ब
ज	कु	उ	ल	बे	ला	लू	उ	त	रा	ना
स	ति	श	द	व	दा	ल	उ	ग	वी	ट
री	रं	ल	चु	बि	लि	र्त	क्ष	दा	प	च
जो	उ	ल	के	गा	ला	म	उ	कौ	र	ले
श	ता	जीं	स	त	क	व	क	ग	श	ता
म	व	मि	न	व	न	ज	सा	शा	जू	द
द	ला	ल	म	ह	उ	ठ	ना	स	प	ना
थो	औ	र	प्या	र	उ	ल	झ	न	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6145

	4	5		7		
	28	1	36	2	30	4
2	3			6		
	33	2	34	3	29	6
4	5		7		2	
	33	7	37		33	
1			4	5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6144 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	38	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	30	2	40	7	32	6
6	1	4	7	2	5	3
2	24	1	36	4	30	5
1	3	6	7	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेलो इंडिया के मुकाबले शुरू, खिलाड़ियों ने खास दांव पर किया है अभ्यास, नामचीन पहलवानों पर सबकी नजर

वाराणसी।

आईआईटी बीएचयू के रमेश श्रीनिवासन स्टूडेंट एक्टिवटीज सेंटर में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कुश्ती के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। यहां अगले दो दिनों तक देश के कई नामचीन और युवा पहलवान अपने दमखम और दांवपेच से विरोधियों को पस्त करते दिखेंगे।

तीन दिनों तक चलने वाले कुश्ती के मुकाबले में 68 विश्वविद्यालयों के कुल 234 पहलवान पदक के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं। इनमें कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं और वे अपने पदक की मजबूत दावेदार पेश कर रहे हैं।

खिलाड़ियों ने खास दांव पर किया है जमकर अभ्यास

वर्ल्ड स्कूल गेम्स में स्वर्ण पदक हासिल करने वाली चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ की काजल यादव 55 किलो वेट कैटेगरी में पदक के लिए दावेदारी करेंगी। वह एशियन चैंपियनशिप के कैंप में चयनित की गई हैं। काजल का कहना है कि कालाजंग और डबल लेग दाव में खूब अभ्यास किया है। इसका इस्तेमाल मुकाबले के दौरान करेंगी।

खिलाड़ियों को दी जा रही बेहतर सुविधाएं

जेएनडीयू हरियाणा की स्वीटी जूनियर एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल कर चुकी हैं। बातचीत में स्वीटी ने कहा कि हरियाणा व मध्य प्रदेश के खिलाड़ी काफी अच्छा खेलते हैं और मुझे इनसे चुनौती मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मैंने डबल लेग दांव का जमकर अभ्यास किया है। वहीं चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ के कोच रविंद्र कुमार का कहना है कि खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए काफी पसीना बहाया है।

न्यूज ब्रीफ

डब्लूटीसी फाइनल के दौरान घोषित होगा वर्ल्डकप शेड्यूल व वेन्यूः जय शाह बोले- अभी 15 स्टेडियम चयनित, संख्या बढ़ाई जा सकती है

अहमदाबाद। भारत में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप का शेड्यूल और वेन्यू वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान घोषित किया जा सकता है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने विशेष आम बैठक के बाद यह जानकारी दी। टेस्ट फाइनल 7 जून से ओवल में होना है। शाह ने यह भी कहा कि वर्ल्ड कप के लिए अभी 15 स्टेडियम का चयन किया गया है। इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है। एशिया कप को लेकर बीसीसीआई सचिव ने कहा, एशियन क्रिकेट काउंसिल के सदस्य आईपीएल फाइनल के दौरान मौजूद रहेंगे। उनसे चर्चा के बाद आगामी कुछ दिनों में इस पर फैसला लिया जाएगा। वहीं, अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज वर्ल्ड कप के पहले आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी स्टेट बोर्ड में स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच व स्पोर्ट्स मेडिसिन टीम होगी। माना जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में खेला जा सकता है। वहीं वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला भी 5 अक्टूबर को न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में खेला जा सकता है। इंग्लैंड पिछले वर्ल्ड कप का विनर था और न्यूजीलैंड उप-विजेता। वहीं भारत अपना पहला मुकाबला चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल सकता है। अभी इसकी तारीख नहीं आई है।

विराट को लेकर एमएसके प्रसाद ने कर दी भविष्यवाणी, कहा- मुझे यकीन है वह डब्लूटीसी फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला जाएगा। 7 जून को इंग्लैंड के द ओवल में दोनों के बीच भिडंत होगी। रोहित में की कप्तानी में भारत पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने की कोशिश करेगा। पहले एडिशन में भारत कोहली की कप्तानी में न्यूजीलैंड से फाइनल मैच हार गया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की गैर-मौजूदगी भारतीय टीम के लिए चिंता का विषय है, लेकिन विराट कोहली और शुभमन गिल का फॉर्म में होने से टीम राहत की सांस लेगी। कोहली के फॉर्म में वापस आने पर पूर्व बीसीसीआई चीफ सेलेक्टर एमएसके प्रसाद ने भविष्यवाणी की है। एमएसके प्रसाद ने कहा कि कोहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। एमएसके प्रसाद ने एएनआई से बात करते हुए इस बात का खुलासा किया। पूर्व बीसीसीआई चीफ सेलेक्टर प्रसाद ने कहा, कोहली अपने बेहतरीन फॉर्म और सीनियर होने के नाते डब्लूटीसी का फाइनल खेलेंगे। 2020-21 उनके लिए अच्छा नहीं रहा, लेकिन पिछले साल एशिया कप से वह गजब के फॉर्म हैं। हम उनसे उम्मीद करते हैं कि वह फाइनल में अपना बेस्ट प्रदर्शन करेंगे। 2013 के बाद भारत के आईसीसी ट्रॉफी ना जीत पाने के सवाल पर कहा, उनके दिमाग में होना चाहिए कि भारत ने कई सालों से आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है और भारत को जीतने में मदद करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी चाहिए।

कोहली, धोनी और रोहित की तरह खेलेंगे शुभमन : रैना

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में एक बेहतरीन बल्लेबाज बनकर विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा की तरह खेलेंगे। पहले क्वालीफायर में शुभमन ने 129 रनों की शानदार पारी खेली थी। रैना ने इसके साथ ही यह भी कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुभमन की बॉडी लैंग्वेज और मनोबल काफी उंचे स्तर का था। रैना ने कहा, हमने जो शांति देखी। इतने बड़े मैच में उनकी बॉडी लैंग्वेज बहुत अहम रही है। मैच में बाद में उन्होंने जो छक्के मारे, जिन्हें हम पिक-अप शॉट कहते हैं। उन्होंने कुमार कार्तिकेय को एक छक्का मारा और उसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि वह कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनका आत्मविश्वास पसंद आया। जिससे लगता है कि शुभमन को बड़े मैचों में खेलने की आदत पड़ गई है। इससे तय है कि वह भविष्य में एक बेहतर बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

राफेल नडाल की अनुपस्थिति में कार्लोस अल्कारेज पर नजर, 23वें ग्रैंडस्लैम के लिए उतरेंगे जोकोविच

नई दिल्ली ।

स्पेन के दिग्गज राफेल नडाल चोटिल होने के कारण शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। ऐसे में नई पीढ़ी और दुनिया के मौजूदा नंबर एक कार्लोस अल्कारेज के पास चैंपियन बनने का अवसर है। लाल बजरी के बादशाह नडाल ने क्लेकोर्ट के इस ग्रैंडस्लैम में 2005 से 14 खिताब जीते हैं। 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन से ही अपनी चोट से परेशान हैं और अगले साल उनके टेनिस कोर्ट को विदा कहने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। रोलां गैरो पर नडाल के हमवतन स्पेनिश खिलाड़ी अल्कारेज अन्य दावेदार सर्बिया के नोवाक जोकोविच को रोकने की कोशिश करेंगे। हाल ही में बीस साल के अल्कारेज ने बार्सिलोना और मैड्रिड में खिताब जीतकर अपनी तैयारियों के संकेत दिए हैं। पिछले साल उन्होंने यूएस ओपन पर कब्जा किया था। जोकोविच की निगाह अपने 23वें ग्रैंडस्लैम खिताब पर हैं।

कई टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए जोकोविच

जनवरी में जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के साथ नडाल के 22 ग्रैंडस्लैम की बराबरी की थी। वैसे उनकी तैयारियां ज्यादा आदर्शपूर्ण तो नहीं कही जा सकती। टीकाकरण न कराने के कारण वह इंडियन वेल्स और मियामी में नहीं खेल पाए। इसके अलावा कोहनी की चोट ने उन्हें मैड्रिड से दूर रखा। फिर रोम में वह फिटनेस से परेशान रहे और डेन होल्गर रुने से हार गए, जो बाद में उपविजेता बने। हालांकि, रुने मानते हैं कि जोकोविच पेरिस में अपना तीसरा खिताब जीतने के सबसे मजबूत दावेदार हैं। खुद जोकोविच का कहना है कि यह मौका नई पीढ़ी के चमकने का है। जोकोविच ने कहा कि अल्कारेज अच्छा खेल रहे हैं। हम कई वर्षों से कह रहे हैं कि टेनिस में नई पीढ़ी दस्तक दे रही है। लेकिन खिताब जीतने की मेरी भूख भी अभी बाकी है। देखना है कि मैं अपनी चुनौती कितनी आगे ले जाता हूं। अन्य दावेदार रूस के डेनिएल मेदवेदेव ने इस सत्र में क्लेकोर्ट पर अच्छा प्रदर्शन किया है। दो साल पहले यहां क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे मेदवेदेव इंडियन वेल्स के फाइनल में भी पहुंचे थे।

डोमिनिक थिएम का भी दावा मजबूत

पिछले साल के उपविजेता कैस्पर रुड ने इस साल एस्टोरिल में खिताब जीता। वह रोम में सेमीफाइनल में पहुंचे। मोंटे कार्लो में अच्छा प्रदर्शन करने वाले आंद्रे रूबलेव अपनी लय हासिल कर रहे हैं। दो साल पहले जोकोविच के हाथों खिताब गंवाने वाले स्टेफनोस सितसिपास के अलावा दो बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले डोमिनिक थिएम के दावे को भी खारिज नहीं किया जा सकता।

महिला वर्ग में स्वियातेक को सबालेंका की चुनौती

महिला वर्ग में दुनिया की नंबर एक इगा स्वियातेक, आर्यना सबालेंका और एलेना रिबाकिना के पास खिताब जीतने के साथ नंबर एक बनने का भी मौका है। इस साल इन तीनों खिलाड़ियों ने सात खिताब जीते हैं और वे साल के इस दूसरे ग्रैंडस्लैम में भी प्रमुख दावेदार मानी जा रही हैं। गत विजेता स्वियातेक से जब सबालेंका और रिबाकिना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमने एक-दूसरे के खिलाफ इतने मैच खेले हैं कि एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह समझते हैं। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन 21 साल की स्वियातेक ने 2020 में भी पेरिस में खिताब जीता था। इस साल उन्होंने कतर और स्टुटगार्ट में खिताब जीते और दुबई और मैड्रि में क्लेकोर्ट के फाइनल में पहुंचीं। दुनिया की नंबर दो 25 साल की सबालेंका ने इस साल तीन खिताब जीते हैं और स्वियातेक की नंबर एक कुर्सी को खतरा हैं। हालांकि, वह फ्रेंच ओपन में तीन राउंड से आगे नहीं बढ़ी हैं पर वह मई में मैड्रिड में क्लेकोर्ट पर स्वियातेक को हरा चुकी हैं। जबकि दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी रिबाकिना अपने दूसरे ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने के लिए बेताब होंगी।

भारत को एफआईएच प्रो लीग में मिली लगातार दूसरी हार, ब्रिटेन ने दी शिकस्त

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) प्रो लीग के यूरोपीय चरण में ब्रिटेन के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। एक दिन पहले भारतीय टीम को बेल्जियम ने 2-1 से हराया था। भारत की यह लगातार दूसरी हार है। छठे मिनट में टिमोथी ने मेजबान टीम का खाता खोला लेकिन सात मिनट बाद हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कॉर्नर पर बराबरी दिला दी। सोरबी थामस ने 31वें मिनट में ब्रिटेन का दूसरा गोल किया। दो मिनट बाद ली मोर्टन ने ब्रिटेन की बढ़त 3-1 कर दी। एक बार फिर हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल (42वां मिनट) किया। अब हरमनप्रीत के प्रो लीग में सर्वाधिक 35 गोल हो गए हैं। 53वें मिनट में ब्रिटेन का चौथा गोल निकोलस ने किया।

डब्लूटीसी - 2023 फाइनल के लिए इंग्लैंड जाएंगे यशस्वी

बीसीसीआई ने रेड बॉल से प्रैक्टिस करने के लिए कहा; बतौर स्टैंड-बाय ओपनर गायकवाड को करेंगे रिप्लेस

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान रॉयल्स के स्टार ओपनर यशस्वी जायसवाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 फाइनल के लिए इंग्लैंड जाएंगे। जायसवाल बतौर स्टैंड-बाय प्लेयर टीम इंडिया में ऋ तुराज गायकवाड की जगह लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि गायकवाड अगले महीने कि शुरुआत में शादी कर रहें हैं, जिसकी वजह से वो डब्लूटीसी फाइनल के लिए इंग्लैंड नहीं जा पाएंगे। ऐसे में यशस्वी को उनकी जगह चुना गया है।

बीसीसीआई ने यशस्वी को रेड बॉल से प्रैक्टिस करने के लिए कहा

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने यशस्वी को रेड बॉल से प्रैक्टिस करने के लिए कहा है। उनके पास पहले से हीच का वीसा है, इसलिए वो कुछ दिनों में इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। बीसीसीआई ने शुरू में ऋतुराज गायकवाड के अलावा मुकेश कुमार और सूर्यकुमार यादव को भी डब्लूटीसी के स्टैंड-बाय प्लेयर्स के रूप में रखा है।

द्रविड़ ने सेलेक्टर्स से रिप्लेसमेंट की मांग की

बीसीसीआई अधिकारी ने बताया, जायसवाल टीम इंडिया को ज्वॉइन करेंगे क्योंकि गायकवाड ने बता दिया है कि अपने शादी की वजह से वो इंग्लैंड समय पर नहीं जा पाएंगे। वो 5 जून के बाद ही वहां पर पहुंच पाएंगे, लेकिन कोच राहुल द्रविड़ ने सेलेक्टर्स से रिप्लेसमेंट की मांग की थी। इसके बाद जायसवाल को चुना गया और वो जल्द ही इंग्लैंड रवाना होंगे। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में यशस्वी जायसवाल ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। 14 मैचों में जायसवाल ने 48 के औसत और 164 के स्ट्राइक रेट से 625 रन बनाए। राजस्थान के ओपनर यशस्वी जयसवाल 13 ही गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी कर आईपीएल में तेजी से फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। 21 साल के यशस्वी जायसवाल आईपीएल के 16वें सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 5 बल्लेबाजों में शामिल हैं।

सहवाग ने आईपीएल सत्र के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में यशस्वी , रिंकू जैसे युवाओं को शामिल किया

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अनुभवी के साथ ही युवा क्रिकेटरों ने ही शानदार पारियां खेली हैं। साथ ही कहा कि आईपीएल के इस 16 वें सत्र के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायस्वाल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ी हैं। सहवाग ने पांच ऐसे खिलाड़ी चुने है, जिनको वह इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज मानते हैं। सहवाग ने अपनी इस सूची में फाफ डु प्लेसी और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी शामिल नहीं किया है। उनका मानना है कि शुरुआती बल्लेबाजों को रन बनाने के काफी अवसर मिलते हैं, इसलिए उन्होंने अपनी इस सूची में एक ही सलामी बल्लेबाज को जगह दी है। सहवाग ने इस सत्र के अपने शीर्ष-पांच सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुने हैं। उन्होंने रिंकू , शिवम, जायसवाल, सूर्युकुमार और क्लासेन को इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना है। सहवाग ने कहा, मेरे पांच पांडव, क्रिकेट के पांडव। इस सत्र के आईपीएल के मेरे पसंदीदा पांच बल्लेबाजों में मैं ज्यादा सलामी बल्लेबाजों को नहीं चुन रहा हूँ, क्योंकि उनको पारी की शुरुआत करते हुए रन बनने के बहुत से अवसर मिलते है। मेरे ध्यान में पहला नाम रिंकू सिंह का आता है। आपके ध्यान में ऐसा खिलाड़ी नहीं आएगा, जिसने लगातार पाँच छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई हो। एकमात्र बल्लेबाज रिंकू ने ऐसा किया है। वहीं दूसरे नंबर पर मध्य क्रम के बल्लेबाज शिवम दुबे है। सहवाग ने साथ ही कहा , इसमें तीसरे बल्लेबाज के तौर पर एक सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को जगह दी है। इसके बाद सूर्युकुमार यादव का नाम आत है। वहीं पांचवें नंबर पर हेनरिक क्लासेन हैं। रिंकू ने 14 मैच, 474 रन बनाय हैं और उनका औसत 59.25, स्ट्राइक रेट 149.53 रहा है। यशस्वी जायसवाल ने 14 मैच, 625 रन बनाये हैं और उनका औसत 48.08, स्ट्राइक रेट 163.61 रन रहा है। शिवम दुबे ने 15 मैच, 386 रन बनाये हैं और उनका औसत 35.09, स्ट्राइक रेट 158.05 रन रहा है। सूर्यकुमार यादव के 16 मैच में 605 रन के साथ ही औसत 43.21 और स्ट्राइक रेट 181.14 रहा है। हेनरिक क्लासेन के 12 मैच में 448 रन और उनका औसत 49.78 व स्ट्राइक रेट 177.08 रन है।

एच एस प्रणय ने रचा इतिहास: मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बने, चीन के होंगयांग को हराया

कुआला लम्पुर।

भारत के स्टार शटलर एच एस प्रणय ने मलेशिया के कुआला लुम्पुर में खेले जा रहे मलेशिया मास्टर्स में गोल्ड मेडल जीत इतिहास रच दिया। प्रणय ने फाइनल मुकाबले में चीन के वेंग होंगयांग को तीन गेम में 21-19, 13-21 और 21-18 से 2 में हरा कर जीत हासिल की। दोनों के बीच मुकाबला 94 मिनट तक चला। प्रणय साइना नेहवाल और पीवी सिंधु के बाद मलेशिया मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने वाले तीसरे भारतीय बन गए है। साथ ही मेंस सिंगल्स कैटेगरी में जीतने वाले पहले भारतीय बने। इस सीजन यह प्रणय का पहला मेडल है।

भारत ने अब चार बार जीती चैंपियन शिप - प्रणय के साथ ही भारत को चैंपियनशिप में अब 4 बार जीत मिल गई है। पहली बार मेंस सिंगल्स में गोल्ड आया। वहीं, तीन बार विमेंस सिंगल्स में भारत को गोल्ड मिला है। 2 बार पीवी सिंधु और एक बार साइना नेहवाल ने चैंपियनशिप में जीत हासिल की।

सेमीफाइनल में प्रणय को वॉकओवर मिला - प्रणय ने शनिवार को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के क्रिस्टियन अदीनाता के खिलाफ वॉकओवर मिला। मैच के दौरान एडिनाटा के घुटने में चोट आ गई। पहले सेट के दौरान प्रणय 19-17 से आगे चल रहे थे। इस दौरान एडिनाटा का बाएं घुटना मुड़ गया और उनके घुटने में चोट आ गई। भारत के एचएस प्रणय मलेशिया में जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दुनिया के नंबर 6 चाउ टीएन चेन, मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग और मैड्रिड मास्टर्स 2023 के विजेता केंटा निशिमोतो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

सिंधु सेमीफाइनल में हारी - भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु सेमीफाइनल में हार गई। विमेंस सिंगल्स के मुकाबले में उन्हें दो सेट में लगातार हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिसाका ने पहले सेट में 14-21 से हराया और फिर दूसरे सेट में 17-21 से शिकस्त दी। इसके साथ ही लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और मालविका बंसोड़ को क्रमश राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फाइनल्स और राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा।

मलेशिया मास्टर्स में दुनियाभर के 84 शटलर्स ने हिस्सा लिया था। वहीं, इसमें 108 डबल्स टीमें भी शामिल थी। मलेशिया मास्टर्स की शुरुआत 2009 में हुई थी और तब से यह हर साल मलेशिया के अलग-अलग वेन्यू पर खेला जाता है।

पहलवानों पर पुलिस एक्शन का विपक्ष में रोष

राहुल-प्रियंका गांधी, केजरीवाल, भूपेंद्र-दीपेंद्र हुड्डा, खड़गे, उदयभन ने किया ट्वीट; सत्ता पर किया कटाक्ष

पानीपत।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर रेसलर्स पर एक्शन के बाद विपक्षी पार्टियों में रोष है। उनके समर्थन में नई संसद भवन के सामने महिला महापंचायत होनी थी। जब पहलवान महापंचायत के लिए रवाना हुए तो उससे पहले ही दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

उन्हें सड़कों पर लेटा कर, जबरदस्ती गले और गर्दन से पकड़ उन्हें बसों में डाला गया। सभी पहलवानों को अलग-अलग थाने में दोपहर से ही हिरासत में बैठाया हुआ है। उनको वहां से ले जाने के बाद पुलिस ने जंतर-मंतर पर लगाए टेंट, तंबू व अन्य दूसरा सामान भी जब्त कर लिया है। धरना स्थल को पूरी तरह खाली कर दिया गया। पहलवानों के साथ हुई जोर-जबरदस्ती की वीडियो, फोटो, बयान सामने आने के बाद विपक्ष ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। खिलाड़ियों के पक्ष में सत्ता पक्ष पर खूब कटाक्ष किया है। राज्याभिषेक पूरा हुआ - अहंकारी राजा सड़कों पर कुचल रहा जनता की आवाज़!

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे - नई संसद के उद्घाटन का हक राष्ट्रपति जी से छीना, सड़कों पर महिला खिलाड़ियों को तानाशाही बल से पीटा! सत्ताधीशों के 3 झूठ अब देश के सामने बे-पर्दा हैं। लोकतंत्र, राष्ट्रवाद, बेटी बचाओ। याद रहे मोदी जी, लोकतंत्र केवल इमारतों से नहीं, जनता की आवाज़ से चलता है।

कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी - खिलाड़ियों की छाती पर लगे मेडल हमारे देश की शान होते हैं। उन मेडलों से, खिलाड़ियों की मेहनत से देश का मान बढ़ता है। भाजपा सरकार का अहंकार इतना बढ़ गया है कि सरकार हमारी महिला खिलाड़ियों की आवाजों को निर्ममता के साथ बूटों तले रौंद रही है। ये एकदम गलत है। पूरा देश सरकार के अहंकार और इस अन्याय को देख रहा है।

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल - देश का मान बढ़ाने वाले हमारे खिलाड़ियों के साथ ऐसा बर्ताव बेहद ग़लत एवं निंदनीय।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान - देश के खिलाड़ी और हरियाणा की शान म्हारी बेटियां को सड़कों पर घसीटा जा रहा है, पिटा जा रहा है। तानाशाही की ये तस्वीर लोकतंत्र के चिथड़े उड़ा देने के लिए काफी है। देश की आन बान और शान महिला पहलवानों के साथ जिस तरह की ज्यादती हो रही है वह घोर निंदनीय है।

हरियाणा पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा - लोकतंत्र जनसंवाद और जन सम्मान से मजबूत होता है। न्याय की आवाज को कुचलने की कार्यवाही अलोकतांत्रिक है। पहलवान बेटियां देश का गौरव हैं। इनको लाठियां नहीं, न्याय दो !

हरियाणा कांग्रेस राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा - जिस देश की परंपरा में दुश्मन की बहन-बेटी को भी अपनी बहन-बेटी माना जाता हों, उस देश में साक्षी मलिक, विनेश समेत 7 देश की गौरव खिलाड़ी बहनों की इज्जत को राजनीति, धर्म, जाति या क्षेत्र के आधार पर कैसे देखा जा सकता हैं क्या यह राजधर्म हैं

रोज शेप और लुक बदलती कार...

बगल से जब कोई लंबी कार 150 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गुजरती है, तो आपके मन में विचार नहीं आता कि इतनी स्पीड कैसे। जमाना हाईटेक है और इस जमाने में रोजाना नए प्रयोग हो रहे हैं, जो कारों की दुनिया को और हाईटेक कर रहे हैं। जर्मनी की कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने अपनी स्पोर्ट्स कंसेप्ट कार जीना यानी जियोमेट्री एंड फंक्शंस इन एडेप्शंस का पर्दापण किया, तो अन्य कार निर्माता कंपनियों के साथ-साथ पूरी दुनिया के लोग हैरान रह गए। यह एक ऐसी कार है जिसका शेप और लुक हर रोज बदला जा सकता है। इसकी बॉडी किसी तरह के मेटल या प्लास्टिक की बनी हुई नहीं है बल्कि इसे बनाने में फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है। इसी वजह से इस कार को मनपसंद लुक देना बेहद आसान है। यह तकनीक पहली बार बीएमडब्ल्यू ने इस्तेमाल की है। जीना को बनाने में फ्लेक्सिबिलिटी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जीना के एक्सटीरियर और इंटीरियर का हर हिस्सा फ्लेक्सिबल है। इस तकनीक के तहत कार के फैब्रिक स्किन के नीच मूवेबल मेटल वायर्स लगाए गए हैं और इन्ही वायर्स को एडजस्ट करके कार की शेप को बदला सकता है। मेटल फ्रेम एडजस्ट करने के लिए एक बटन दबाना होता है और इलेक्ट्रो-हाइड्रॉलिक डिवाइस यह काम कर देती है।

डिब्बाबंद चीजों पर जरूरी है अच्छी लेबलिंग

डिब्बाबंद खाद्यपदार्थो में नमक की अधिक मात्र लोगों को रोगों का शिकार बना रही है। शोध के अनुसार ब्रिटेन में होने वाले 14 प्रतिशत पेट के कैंसर के मामलों को नमक का कम सेवन करके रोका जा सकता है। ब्रिटेन में प्रत्येक व्यक्ति 8.6 ग्राम नमक खाता है, व्यक्ति को सिर्फ 6 ग्राम नमक खाने की सलाह दी जाती है। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थो पर उचित लेबलिंग और तत्वों की स्पष्ट जानकारी कई रोगों से बचा सकती है।

स्वस्थ रहना है तो सोना सीखिए

हर किसी के सोने की खास मुद्रा यानी स्लीपिंग पोजिशन होती है। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए। कुछ लोग बिस्तर पर लेटते तो सामान्य पोजिशन में हैं, पर जैसे-जैसे नींद गहराती है, उनकी मुद्रा तरह-तरह के आकार ले लेती है। बात रोचक भले ही लगे, मगर मत भूलिए कि ये मुद्राएं आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती हैं। कुछ आपको सेहत लाभ देती हैं तो कुछ आपकी सेहत को बिगाड़ भी सकती हैं।

शरीर को पुन सक्रिय और स्वस्थ बनाने के लिए नींद बेहद जरूरी है, जिसे 'रेस्टोरेशन एंड रिकवरी थ्योरी ऑफ स्लीप' कहते हैं। कोई पेट के बल सोता है, कोई पीठ के तो कोई करवट लिए, मगर कुछ मुद्राएं इससे भी अलग और रोचक होती हैं। हर व्यक्ति की सोने की खास मुद्रा होती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोने के समय आपके शरीर की हर मुद्रा आपकी मनोदशा उजागर करती है। यों तो हर उम्र की खास मुद्राएं होती हैं, मगर युवा अवस्था में सबसे अधिक निद्रा मुद्राएं होती हैं। यह मुद्राएं शरीर को प्रभावित करती हैं और सीधे व्यक्ति के तन और मन की सेहत से जुड़ती हैं। यहां तक कि शरीर में पनपते कुछ रोग विशेष निद्रा मुद्रा के कारण गंभीर अवस्था में भी आ जाते हैं तो वहीं कुछ निद्रा मुद्राएं शरीर को आराम पहुंचा कर स्वास्थ्य लाभ कराती हैं।

फुल फीट्स पोजिशन

शरीर को आनंद देने और आराम पहुंचाने वाली श्रेष्ठ मुद्रा है 'फुल फीट्स पोजिशन। अगर आप अपने पैरों को ठोड़ी की ओर मोड़ कर सोते हैं तो आप पूर्ण आनंदमयी मुद्रा में हैं। इससे आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। तंत्रिका तंत्र में कोई तनाव नहीं रहता।

डाउन टुवर्डस बेड

इस कड़ी में दूसरी आम मुद्रा है 'अधो मुख'। यह मुद्रा असल में निद्रावस्था का जागृतावस्था से रिश्ता बताती है। इस निद्रावस्था में पेट के बल सोते हुए पैर सीधे फैले रहते हैं और हाथ सिर की ओर होते हुए या तो सिर को थामे रहते हैं या फिर कैंची का आकार बना लेते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इसे बेहतर निद्रा मुद्रा नहीं कहा जा सकता। चूंकि इस तरह सोने वाला निद्रा जगत और चेतना जगत दोनों पर हावी रहता है, इसलिए वह दिनभर की उधेड़बुन को छोड़ नहीं पाता और तनाव में रहता है। मोटे तौर पर यह शरीर को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ले जाने वाली अवस्था है। जिन युवाओं या बच्चों में सोते में 'दांत पीसने' की आदत है, उनके लिए यह खतरनाक मुद्रा है। यह निचले जबड़े को दांतों से घायल कर सकती है। दूसरे जिन्हें अपच यानी बिगड़ी पाचन क्रिया की शिकायत है, उनके लिए भी यह मुद्रा नुकसानदेह है। ज्ञात हो कि पाचन तंत्र चित्त अवस्था में बेहतर कार्य करता है। जिन लोगों को खर्राटे लेने की आदत है, वह यदि इस मुद्रा में सोते हैं तो उनके खर्राटे रुक जाते हैं, कारण गुरुत्वाकर्षण के

विपरीत होने के कारण यह गले की मांसपेशियों को झोल देने से रोकती है और खर्राटे नहीं आते, मगर यह मुद्रा गले को अवरुद्ध यानी 'चोक' भी कर सकती है।

पिलो होल्डिंग स्लीपिंग पोजिशन

इसमें व्यक्ति पीठ के बल लेटता है, मगर अपने सीने पर दोनों हाथों से तकिया या फिर जाड़ों में रजाई दबाए रहता है। यह मुद्रा तल्लीनता का भाव जगाती है। जो युवा अपने अध्ययन के प्रति समर्पित हैं, वह अकसर ऐसे ही सोते हैं। चिकित्सीय आधार पर यह बेहतर नींद दिलाने वाली मुद्रा है। अगर आप 'इनसोमेनिया' यानी अनिद्रा के शिकार हैं तो यह बेहतर मुद्रा है।

चेन गेंग पॉजिशन

एक अन्य मुद्रा है कड़ी मुद्रा या 'चेन गेंग पोजिशन'। इसमें सोने वाले हाथ पैर की एक कैंची-सी बना डालते हैं यानी हाथ ऊपर की ओर एक कड़ी बनाते हैं तो पैर नीचे की ओर। इस प्रकार सोने वाले 'फोबिया' यानी भय से पीड़ित होते हैं। यह मुद्रा कुंवारी लड़कियों में अधिक पाई जाती है। चिकित्सीय विश्लेषण के अनुसार यह भय एक ग्रंथि बन मानसिक रोग पनपाता है, अत-इस मुद्रा से बचना चाहिए।

स्पिंक्स पोजिशन

स्पिंक्स पोजिशन यानी रहस्यमयी मुद्रा। इसमें व्यक्ति असाधारण रूप से घुटने के सहारे नितम्ब उठाए रहता है तथा सिर को हथेली से थामे रहता है मानो दण्डवत प्रणाम कर रहा हो। हालांकि यह बच्चों की सामान्य निद्रा मुद्रा है, मगर युवाओं को भी इस मुद्रा में सोते देखा जा सकता है। यह उदर विकार को दर्शाती है। पूरे शरीर को मोड़ गुरुत्वाकर्षण के विपरीत रख कर सो जाना आंतरिक अंगों को भी प्रभावित करता है, अत-इस मुद्रा से बचें।

स्वास्तिक मुद्रा

यह जागृतावस्था और स्वप्नावस्था का सीधा सामंजस्य दर्शाती है। इसमें पेट के बल सोते हैं। दाहिना हाथ ऊपर की ओर और बायां हाथ नीचे की ओर रहता है। इसी तरह दायां पैर घुटने से मुड़ कर ऊपर की ओर रहता है और बायां सीधा रहता है। इस तरह सोने वाले लोग पूरे पलंग पर हावी रहते हैं। इस मुद्रा में उदर में समाए अंग गुरुत्वाकर्षण के विपरीत जाते हैं, अत-विभिन्न विकारों की संभावना रहती है। यह मुद्रा बहुत कम संभव होती है और स्वयं बदल जाती है।

बदलती रहती है निद्रा मुद्राएं

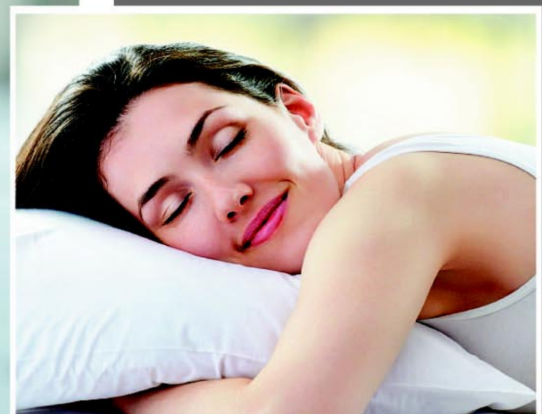

सोने की यह मुद्राएं यहीं समाप्त नहीं हो जातीं। पूरे जीवन में व्यक्ति न केवल मुद्रा बदलते हैं, बल्कि उसके अनुसार उनके रोग भी बदल जाते हैं और स्वास्थ्य प्रभावित होता है। रोचक पहलू यह है कि अधिकांश लोग यह भी नहीं जान पाते कि वह किन-किन मुद्राओं में सोते हैं और उनकी कौन-सी मुद्रा कब बदल जाती है। इसी प्रकार जो मुद्रा वह बहुत पहले लिया करते थे, वह फिर आ जाती है या फिर जो उनकी प्रिय मुद्रा थी, वह अचानक बदल जाती है और उसकी जगह नई मुद्रा आ जाती है। रोचक बात यह है कि नई मुद्रा पुरानी पर इस हद तक हावी हो जाती है कि वही प्रिय लगने लगती है। अपने स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए अपने से जुड़ी मुद्राएं स्वयं जान कर या दूसरों से पूछ उनकी लिस्ट बनाइए और उनकी संपूर्ण जानकारी लेते हुए उनका अपने से जोड़ कर अध्ययन कीजिए। अगर कुछ दुखदायी, कष्टदायक और रोगवाहक मुद्राएं आप में अब भी पनप रही हैं तो उनसे छुटकारा पाने की कोशिश करें।

बहुत कुछ होता है नींद में

वैज्ञानिक परीक्षणों में पाया गया है कि जब हम सोते हैं तो एकदम भिन्न दशाओं से गुजरते हैं। संवेदी यंत्रों द्वारा प्रयोगशाला में इसे समझा गया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली दशा स्लो वेव स्लीप यानी नींद की धीमी गति प्रदर्शित करती है। तरंगित विद्युत प्रक्रिया की यह सबसे धीमी गति पूरे मस्तिष्क से गुजरती है और उसे तरंगित करती है। वहीं दूसरी अवस्था है रेपिड आई मूवमेंट, जिसे रैम पोजिशन भी कहते हैं। इस अवस्था में बंद पलकों में आंख की पुतली तेजी से चलती है। हैरानी की बात तो यह है कि यह मस्तिष्क को झकझोर देती है यानी यह अवस्था जागृतावस्था जैसी ही है। पहली बार शोधकर्ता ने नींद की इस छिपी प्रक्रिया से पर्दा उठाया और पहली बार नींद को समझा। शोधकर्ता ने पता किया कि रैम अवस्था नींद के उस भाग को बताती है, जो अपने आप में पूर्ण गतिशील है। हम जागृतावस्था में आंखों को इतनी तेज गति से नहीं चलाते, जितनी कि रैम अवस्था में चलाते हैं। यह दशा मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखती है। रिपोर्ट बताती है कि नींद आना शरीर की अनोखी जैविक क्रिया है। इस समय शरीर की सामान्य क्रियाएं अपेक्षाकृत धीमी पड़ जाती हैं। मगर रहस्यपूर्ण बात यह है कि सोते समय हमारा पाचनतंत्र काफी सक्रिय हो जाता है।

प्राकृतिक उपचार जो नहीं होने देंगे शर्मिंदा

हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की दुर्गन्ध की समस्या से ग्रसित है, जिसे बीमारी कहना उसे बढ़ा-चढ़ा कर देखने जैसा है। बार-बार जम्हाई आना, सांस में से दुर्गन्ध आना, गैस विकार या पसीने की बदबू सेहत से जुड़ी कुछ ऐसी बातें हैं, जिनसे व्यक्ति दूसरे लोगों से दूर भागने लगता है।

शारीरिक दुर्गंध

कांख यानी बाजुओं के निचले हिस्से की सफाई न होने से शरीर से दुर्गन्ध आती है। इस हिस्से में पसीना भी अधिक आता है, जिससे जीवाणु पैदा होने की आशंका होती है। नहाते समय सही सफाई न करने पर यही जीवाणु रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं, वहां मैल जमा हो जाता है और शरीर से दुर्गन्ध आने लगती है।

पैरों से बदबू

पैर में पसीना लाने वाली ग्रंथियां काफी अधिक होती है। अगर पैरों को सूखा और साफ न रखा जाए तो उनमें से दुर्गन्ध आने लगती है। जिन लोगों को अधिक पसीना आता है, उन्हें साफ और पसीना सोखने वाले मोजे पहनने चाहिए।

सांस में बदबू

ब्रश न करने या मुंह की उचित सफाई न करने पर मुंह में बचे अन्नकण सड़ने लगते हैं, जिससे सांस बदबूदार हो जाती है। पेट की नियमित सफाई न होने पर भी मुंह से बदबू आती है। दांत की सफाई के साथ जीभ की नियमित सफाई करें।

बार-बार डकार आना

कुछ लोगों को अक्सर डकार आती रहती है। ऐसा अधिक कार्बन या सोडायुक्त चीजें खाने से होता है।

इनसे बचने के उपाय
बेकिंग सोडा मुंह की बदबू से बचने के लिए एक कप पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडे को मिला कर ब्रश करने के बाद उससे कुल्ला कर लें। पैर की बदबू से बचने के लिए इस घोल को थोड़ी मात्र में अपने जूतों में डाल लें।

ग्वारपाठा (एलोवेरा)

बाल धोने से पहले ग्वारपाठे के जूस को अपने सूखे बाल में लगाएं। कुछ मिनट रखने के बाद शैंपू कर लें। रूसी से निजात मिलती है।

नींबू का रस

नहाते समय नींबू के टुकड़े को कांख में रगड़ लें। नींबू के रस का अम्लीय गुण बैक्टीरिया की उत्पत्ति को रोक कर ताजगी देता है। सुबह के समय पानी में नींबू का रस मिला कर कुल्ला करने पर भी मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है। पानी दिन भर में कम से कम आठ गिलास पानी पिएं। पानी पेट में मौजूद टॉक्सिन को बाहर कर गैस विकार में भी राहत देता है। पेट की नियमित सफाई होने पर मुंह से दुर्गन्ध नहीं आती। लहसुन व सौंफ लहसुन एंटीबायोटिक है व पाचन में उपयोगी है। गैस विकार में भी इससे राहत मिलती है। इसी तरह खाने के बाद सौंफ खाना लाभदायक है व मुंह से दुर्गंध में भी राहत मिलती है।

अस्पतालों और रेडियो थैरेपी सेंटर्स में बढ़ी फिजिसिस्ट की मांग

रेडिएशन फिजिक्स में बेहतर कॅरियर का विकल्प

फिजिक्स यानि भौतिक शास्त्र के तहत ऊर्जा के रूपांतरण एवं उसके द्रव्य संबंधों का अध्ययन किया जाता है। दूसरे शब्दों में स्थान, काल, गति, द्रव्य, विद्युत, प्रकाश, ऊष्मा एवं ध्वनि के गुणों तथा एक-दूसरे के साथ संबंधों का अध्ययन किया जाता है। ऊर्जा किसी न किसी रूप में जरूरी है और धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में इसका अध्ययन भी बेहद मायने रखता है। रेडिएशन भी एक तरह की ऊर्जा है। इसे ऐसी ऊर्जा माना जाता है जो किसी माध्यम अथवा स्थान से गुजरते हुए किसी अन्य तत्व में सोख ली जाती है। इसके तहत चिकित्सा क्षेत्र में रेडिएशन थैरेपी के उपयोग के लिए रेडिएशन की सुरक्षित मात्रा का आकलन किया जाता है। रेडिएशन फिजिक्स के क्षेत्र में कॅरियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। आइए हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आप खुद को कैसे तैयार करें...?

नेचर ऑफ वर्क

चिकित्सा ही नहीं इसके अलावा शोध कार्यों में भी रेडिएशन फिजिसिस्ट्स के लिए असीम संभावनाएं मौजूद हैं। इस क्षेत्र में बहुत ज्यादा रुचि इसलिए भी वैज्ञानिकों द्वारा ली जाती रही है। क्योंकि इस विषय में हुए अनेक क्रांतिकारी आविष्कारों से निर्माण, न्यूक्लियर एनर्जी तथा अत्याधुनिक चिकित्सा जांच-पड़ताल एवं उपचार संभव हो सका है। वैसे भी इस विषय में समग्र भौतिकी की अहम भूमिका है जिस कारण इसमें फिजिसिस्ट, बायोलॉजिस्ट, कैमिस्ट या मेडिकल फील्ड के लोग काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग काफी ज्यादा है और बेहतरीन पारिश्रमिक वाले पदों पर नौकरियां भी खूब उपलब्ध हैं।

अपॉर्चुनिटीज...

यह एक बढ़िया कॅरियर तो है ही साथ ही साथ बेहद चुनौतीपूर्ण भी है क्योंकि इसमें इंसानों की रक्षा तथा रेडिएशन द्वारा उनके कल्याण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी उन पर ही होती है। हाल के सालों में अस्पतालों, रेडियो थैरेपी सेंटरों तथा कुछ विशेष उद्योगों एवं संगठनों में मेडिकल फिजिसिस्ट की मांग काफी बढ़ गई है। दिशा-निर्देशों के तहत रेडियो थैरेपी सैंटर या अस्पताल में प्रशिक्षित मेडिकल फिजिसिस्ट को नियुक्त करना अनिवार्य है।

स्टडी सेंटर्स...

- डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियल मेडिसिन एंड अलाइड साइंसेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी
- ऑल इंडिया इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली
- भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई
- डिपार्टमैंट ऑफ फिजिक्स, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई,
- यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल

आपका ये कदम सैलरी बढ़ाने में करेगा मदद

क्या आप जानते हैं कि कई लोगों को ऑफिस का काम क्यों बोरिंग लगता है, क्योंकि उनके ऑफिस डेस्क पर चारों ओर दुनिया भर का सामान बिखरा पड़ा होता है और वह सजाया नहीं होता। यदि आप अपने घर से ज्यादा समय अपने ऑफिस में बिताते हैं तो यह जरूरी है कि ऑफिस डेस्क को ऐसा सजा दिया जाए कि वहां पर बैठकर काम करने का दिल करे। ऑफिस डेस्क को सजाने से पहले इस बात पर ध्यान दें कि वहां पर किन-किन चीजों को बदलने की आवश्यकता है। कई लोगों को लगता है उनकी डेस्क पर लाइटिंग को बदलने की आवश्यकता है तो वे अपनी डेस्क पर लैंप लगा लेते हैं। यदि आप भी अपनी ऑफिस डेस्क को सजाने की सोच रहे हैं तो ये टिप्स आपके बहुत काम आएंगे। ऑफिस डेस्क को व्यवस्थित रखने का ये तरीका आपकी सैलरी बढ़ाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

साफ-सफाई का रखें ध्यान...

यदि आपकी ऑफिस डेस्क फालतू सामान से घिरी और बिखरी हुई है तो फिर आप उसे चाहे जितना मर्जी सजा लें, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। हमेशा अपनी ऑफिस डेस्क को साफ -सुथरा रखें और जिन चीजों की आवश्यकता न हो उन्हें निकाल दें या फिर ड्राअर में रख लें।

लाइटिंग सही रखें और हरियाली भी लगाएं

कई लोग कहते हैं कि उनके डेस्क पर लगी लाइट या तो बहुत ज्यादा तेज होती है या फिर बहुत धीमी। यदि आपको भी यह समस्या है तो आप अपने डेस्क पर अच्छा-सा लैंप लगाकर उस लाइट को सही कर सकती हैं। हरा रंग आंखों के लिए अच्छा माना जाता है इसलिए अपने ऑफिस में थोड़ी-सी हरियाली भी लगाएं। इसके लिए आप कोई छोटा-सा ग्रीन प्लांट अपनी डेस्क पर रख सकती हैं। अपनी ऑफिस डेस्क को रंगीन बनाने के लिए आपको रंगीन स्टेशनरी खरीदनी चाहिए, जिससे आपका ऑफिस डेस्क हमेशा खिला-खिला लगे। हर ऑफिस में सॉफ्ट बोर्ड होता है जिसका प्रयोग हर किसी को करना चाहिए।

टार्गेट का प्रिंट आउट

जब आप अपनी ऑफिस डेस्क को सजा रहे हों तो वह सजावट न केवल आपके काम को भी बढ़ावा ही दे, बल्कि आपके काम को शो भी करें, ऐसा आपका मकसद होना चाहिए। अपने टार्गेट का एक प्रिंट आउट निकालकर अपनी डेस्क के सॉफ्ट बोर्ड पर लगाएं। इससे आपके दिमाग में हमेशा वही काम रहेंगे जो आप करना चाहते हैं और आपका यह कदम आपकी सैलरी बढ़ाने में भी मदद करेगा। अपनी ऑफिस डेस्क को मस्त बनाने के लिए उस पर एक फंकी पेन स्टैंड रख सकते हैं।

रेसिपी

पुदीना गट्टा

सामग्री

बेसन दो कटोरी, तीन बड़े चम्मच पुदीना और हरी मिर्च का पेस्ट, नमक, थोड़ी सी अजवाइन, सरसों का तेल, चाट मसाला, नींबू

विधि

एक बर्तन में बेसन, पुदीना हरी मिर्च का पेस्ट नमक और अजवाइन मिक्स करें। थोड़ा पानी डालें। अच्छी तरह से मिलाकर गूंध लें। इसके गट्टे बना लें। पानी में उबालें। पक जाने पर गट्टों को मनचाहे आकार में काट लें। तेल में फ्राई करें। चाट मसाला छिड़कें। थोड़ा सा नींबू निचोड़ लें। आप चाहें तो प्याज टमाटर की ग्रेवी के साथ भी इन गट्टों का स्वाद ले सकती हैं।

चना दाल खीर

सामग्री

दूध-2 लीटर, चने की धुली दाल-1/4 कटोरी, बारीक कटी मेवा-एक छोटी कटोरी, चीनी-100 ग्राम, किसा कच्चा नारियल-2 बड़ा चम्मच, मिल्क पाउडर-एक कटोरी, शुद्ध घी-एक छोटा चम्मच, इलायची पाउडर-1/4 छोटा चम्मच

विधि

दूध को गरम करें। उबाल आने के बाद 10 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। चने की दाल को धोकर गरम घी में 3-4 मिनट भूनें और उबलते दूध में डालें। दाल को अच्छी तरह गलने तक पकाएं। गैस बंद करके गर्म दूध में ही मिल्क पाउडर, इलायची पाडडर, मेवा और चीनी डालकर चलाएं। कच्चा नारियल तवे पर भूनें और हल्का बादामी हो जाने पर खीर के ऊपर डालें। स्वादिष्ट खीर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**